HRCI an USIUSI The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 30]

नई विल्ली, शनिवार, जुलाई 24, 1976/आवरा 2, 1898

No. 301

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 24, 1976/SRAVANA 2, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके Separate paging is given to this part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 4 PART II—Section 4

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आवेश Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence

रका मंद्रालय

नई दिल्ली, 28 फरवरी, 1971

का० नि० आ० ९ ई--सर्विधान के धनक्छेद 309 के परन्तृत हारा प्रदत्त गिक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति रक्षा महालय की अधिसूचना सङ्घा का०नि० आ० 26-ई तारीख 24 दिसम्बर, 1973 के साथ प्रकाणित रक्षा सेवाआ में सिविलियन (पुनरीक्षित बेसन) नियम, 1973 में संणोधन करन के लिए निम्नलिखिन नियम एतद्द्वारा बनात है, अर्थात् ---

- 1 सिक्षिप्त नाम ग्रीर प्रारभ (।) इन नियमा का नाम रक्षा संबाद्या में सिक्षिलयन (पूनरीक्षित वेतन) संशोधन नियम 1974 है।
 - (2) वे जनवरी, 1973 के प्रथम दिन प्रवृत हुए समझे जाएगे।
- 2 प्रथम ग्रनुसूची का संगोधन ----रक्षा संबोधों में सिविलियन (प्रतरीक्षित वैतन) नियम 1973 में, प्रथम ग्रनुसूची में----
 - (।) भागकम
 - (1) स्तम्भ 2, 3 ग्रीर 4 में क्रम सख्या 61 ग्रीर उससे सर्वधित प्रविच्टियों ने पण्यात् निस्नलिखित क्रम सख्या ग्रीर प्रविच्टिया ग्रन्तस्थापित की जाएगी, ग्रर्थात् —

क्र०म० पदनाम	थर्तमान वेत नमान	पुनरीक्षित	ने ननमा न
1 2			1
	320-15-425-द० रो०-15-330 म०		

(2) स्तम्भ 2, 3 और 4 मे क्रम सख्या 68 और उसमे सब्धित प्रविष्टिया के पश्चान, निस्नलिखित क्रम सख्या और प्रविष्टिया भन्तस्थापित की जाणगी, भ्रथीत् ---

J	2	3	4
, ⊱ वक् उ	त्यादन पयवेक्षक	270-15-405-20-	47 ()- 1 5- 5 3 ()-ব্
		18350	रो०-20-650-व०
			₹70-25-750 ₹0
,ध-स्यामि	र्गात्रल ६ जीनियरी	3 45-15-195 80	5 5 0- 2 0- 6 5 0- 2 5-
गृहीं	म्ब		750 ¥0

1 2	3	1
	180-10-290-द० रो०-15-390 Fo	ो 423-15-500-देव गो०-15-560-20-
77-म्ब आकर्सेट मुद्रण मगीन प्रचालक श्रेणी 1	210-20-290-15- 320-15-425 ₹ o	700 70

	· ·	संख्या भ्रीर प्रविध्टियां
भन्त ःस्थापित की	जोएगी, ग्र र्थात् :	
1 2	3	4
0 १-के तकमीकी सहायक	175-6-205-7-240-	330-1 0- 380-द०
(भाई देवी ०एम०)	₹. 0	रो०-12-500-द०
(314-41-34-)		रो०-15-560 म०
(5) स्तम्भ 2, 3 श्रौर	: 4 में कम संख्या 12	 य ग्रौर उससे संबंधित
· ·	चात्, निम्नलि न्दि त कम	
	जाएगी <i>,</i> अर्थात् :–	
1 2		4
2.4-क दूरमुध्क प्रचालक 🕽	110-3-131-4-155-	260-6-290 -व ०से०-
}	द०गी०-4-175-5-	6-326-8-366- 4
24-स्ट टेलेक्स प्रचालक	180 হ৹	री०-8-390-10-
∠+च्छ टलक्स प्रचालका} 		400 হ০
2) भागस्त्र में		
(1) स्तम्भ 2, 3 श्रौर	4 में कम संख्यां 2 और	उससे संबंधित प्रविष्टियों
	गपत्रित पद'' उस णीर्षक	
	प्रविष्टियां स्रन्तःस्थापित	
1 2	3	4
2-क ज्येष्ट भौतिक	375-25-500-30-	650-30-740-35-
चिकित्सक	590 - द०रो०-30-	810 -द ०रो०- 35-
	800 To	880-40-1000-
		द०री०-40-1200 र
		व०रो०-40-1200 र.o
	रि4 में त्रम संख्या 1	वि०सी०-40-1200 ग्रु
	ार 4 में त्रम संख्या 1 धच्चात् "ग्रराजपत्रित पद	वर्गोर-40-1200 एक
प्रविष्टियों के प		द॰रो॰-40-1200 रः॰ 4 स्रौर उससे संबंधित '' उस गीर्ष के भ्रश्नीन
प्रविष्टियों के प	क्षिचाल् "ग्रराजपक्रित पद स संक्या ग्रौर प्रविदि	द॰रो॰-40-1200 रः॰ 4 स्रौर उससे संबंधित '' उस गीर्ष के भ्रश्नीन
प्रविष्टियों के प निम्नलिखित व	क्षिचाल् "ग्रराजपक्रित पद स संक्या ग्रौर प्रविदि	द॰रो॰-40-1200 रः॰ 4 स्रौर उससे संबंधित '' उस गीर्ष के भ्रश्नीन
प्रविष्टियों के प निम्नलिखित व	क्षिचाल् "ग्रराजपक्रित पद स संक्या ग्रौर प्रविदि	द॰रो॰-40-1200 रः॰ 4 स्रौर उससे संबंधित '' उस गीर्ष के भ्रश्नीन
प्रविष्टियों के प्रतिम्निस्थित व जाएगी, ग्रयीन् । 2	ोण्चात् "ग्रराजपक्रित पद स्म संक्या ग्रौर प्रविष् ः	वर्गार-40-1200 रः 4 श्रीर उससे संबंधित '' उस गीर्ष के भ्रश्नी टयां भ्रन्तःस्थापित की
प्रविष्टियों के प निम्नलिखित व जाएंगी, श्रर्यात् । ७	म्बनात् "झराजपक्रित पद म्स संक्या श्रौर प्रविषि : 3 110-4-150-5-175- द०रो०-6-205-≅०	द • रो • - 40-1200 ग. • 4 श्रीर उससे संबंधित ** उस भीषे के भ्रश्नीन देयां भन्तःस्थापित की 4 260-6-290 द • रो • 6-326-8-366-
प्रविष्टियों के प्रतिम्तिष्टित व निम्तिष्टित व जाएगी, ग्रयित् । 2 14-क टेलीफोन प्रचालक	म्बनात् "ग्रराजपक्रित पद स्म संख्या ग्रीर प्रकिष्टि :	द • रो • - 40-1200 ग. • 4 श्रीर उससे संबंधित " उस गीर्ष के भ्रश्रीन देशां भन्तःस्थापित की 4 260-6-290 द • रो • 6-326-8-366- द • रो • - 8-390-
प्रविष्टियों के प्रतिम्तिष्टित व निम्तिष्टित व जाएगी, ग्रयित् । 2 14-क टेलीफोन प्रचालक	म्बनात् "झराजपक्रित पद म्स संक्या श्रौर प्रविषि : 3 110-4-150-5-175- द०रो०-6-205-≅० रो०-7-240 क०	द • रो • - 40-1200 ग. • 4 श्रीर उससे संबंधित ** उस भीषे के भ्रश्नीन देयां भन्तःस्थापित की 4 260-6-290 द • रो • 6-326-8-366-
प्रविष्टियों के प्रतिम्तिष्टित व निम्तिष्टित व जाएगी, ग्रयित् । 2 14-क टेलीफोन प्रचालक	म्बनात् "झराजपन्नित पद म्स संक्या भ्रौर प्रविषि : 3 110-4-150-5-175- दे०री०-6-205-८० रो०-7-240 क०	द • रो • - 40-1200 ग. • 4 श्रीर उससे संबंधित " उस गीर्ष के भ्रश्रीन देशां भन्तःस्थापित की 4 260-6-290 द • रो • 6-326-8-366- द • रो • - 8-390-
प्रविष्टियों के प्रतिम्निस्थित व जाएगी, ग्रयीन् । 2	मिचात् "झराजपन्नित पद म संस्था और प्रविषि : 3 110-4-150-5-175- द०रो०-6-205-द० रो०-7-240 क० 110-8-131-4-155- द०रो०-4-175-5-	द॰रो॰-40-1200 रः॰ 4 श्रीर उससे संबंधित " उस गीर्ष के श्रश्नीन देयां श्रन्तःस्थापित की 4 260-6-290-द०रो॰ 6-326-8-366- द०रो॰-8-390-
प्रविष्टियों के प्रतिम्निस्थित व जाएगी, ग्रयीन् । 2	म्बनात् "झराजपन्नित पद म्स संक्या भ्रौर प्रविषि : 3 110-4-150-5-175- दे०री०-6-205-८० रो०-7-240 क०	द • रो • - 40-1200 ग. • 4 श्रीर उससे संबंधित " उस गीर्ष के भ्रश्रीन देशां भन्तःस्थापित की 4 260-6-290 द • रो • 6-326-8-366- द • रो • - 8-390-
प्रविष्टियों के प्रतिम्तिस्थित प्रजाएगी, ग्रयित् आएगी, ग्रयित् । 2 1 4-क टेलीफोन प्रचालक स्वित्र बोर्ड प्रश्वासक	मिचात् "प्रराजपत्नित पद म संस्था ग्रीर प्रविषि : 3 110-4-150-5-175- द०रो०-6-205-द० रो०-7-240 क० 110-8-131-4-155- द०रो०-4-175-5- 180 क०	व∘रो०-40-1200 रः० 4 श्रीर उससे संबंधित " उस गीर्ष के भ्रश्रीन देयां भन्तःस्थापित की 260-6-290-व०रो० 6-326-8-366- व०रो०-8-390- > 10-400 रु०
प्रविष्टियों के प्र निम्नलिखित प्र जाएंगी, ग्रय्यात् । 2 14-क टेलीकोन प्रचालक स्विष कोई प्रभालक	मिनात् "प्रराजपन्नित पद म संस्या श्रीर प्रविषि : 3 110-4-150-5-175- द०रो०-6-205-द० रो०-7-240 क० 110-8-131-4-155- द०रो०-4-175-5- 180 क०	व∘रो०-40-1200 रः० 4 श्रीर उससे संबंधित '' उस शीर्ष के भ्रश्रीन देयां भ्रन्तःस्थापित की 260-6-290-व०रो० 6-326-8-366- व०रो०-8-390- > 10-400 र०
प्रविष्टियों के प्रविद्या से प्रविद्या से प्रविद्या से प्रविद्या स्वाप्ति स्वयालक स्वित्व बोर्ड प्रधालक (3) स्तम्भ 2, 3 ह्र प्रविद्यों के	म संस्था भ्रोर प्रविष्टिः— 3 110-4-150-5-175-द०रो०-6-205-द०रो०-7-240 क० 110-8-131-4-155-द०रो०-4-175-5-180 क०	व∘रो०-40-1200 रः० 4 श्रीर उससे संबंधित '' उस शीर्ष के भ्रश्रीन देयां भ्रन्तःस्थापित की 260-6-290-व०रो० 6-326-8-366- व०रो०-8-390- > 10-400 र०
प्रविष्टियों के प्रविद्या से प्रविद्या से प्रविद्या से प्रविद्या स्वाप्ति स्वयालक स्वित्व बोर्ड प्रधालक (3) स्तम्भ 2, 3 ह्र प्रविद्यों के	मिनात् "प्रराजपन्नित पद म संस्या श्रीर प्रविषि : 3 110-4-150-5-175- द०रो०-6-205-द० रो०-7-240 क० 110-8-131-4-155- द०रो०-4-175-5- 180 क०	व∘रो०-40-1200 रः० 4 श्रीर उससे संबंधित '' उस शीर्ष के भ्रश्रीन देयां भ्रन्तःस्थापित की 260-6-290-व०रो० 6-326-8-366- व०रो०-8-390- > 10-400 र०
प्रविष्टियों के प्रविद्या से प्रविद्या से प्रविद्या से प्रविद्या स्वाप्ति स्वयालक स्वित्व बोर्ड प्रधालक (3) स्तम्भ 2, 3 ह्र प्रविद्यों के	म संस्था भ्रोर प्रविष्टिः— 3 110-4-150-5-175-द०रो०-6-205-द०रो०-7-240 क० 110-8-131-4-155-द०रो०-4-175-5-180 क०	व∘रो०-40-1200 रः० 4 श्रीर उससे संबंधित '' उस शीर्ष के भ्रश्रीन देयां भ्रन्तःस्थापित की 260-6-290-व०रो० 6-326-8-366- व०रो०-8-390- > 10-400 र०
प्रविष्टियों के प्रान्तिकार प्र निम्निलिखित प्र जाएगी, ग्रयित् । 2 14-क टेलीफोन प्रचालक स्वित्र बोर्ड प्रश्वालक स्वित्र बोर्ड प्रश्वालक प्रिवेश प्रश्वालक प्रत्यास्थापित व	म संस्था भ्रोर प्रविष्टिः— 3 110-4-150-5-175-दं - 175-दं - 205-दं - 205-दं - 205-दं - 210 के - 210-8-131-4-155-दं - 210-8-131-4-155-दं - 210-8-131-4-155-दं - 210-8-131-4-175-5-180 के - 210-8-131-4-180	द०रो०-40-1200 ग्रं० 4 श्रीर उससे संबंधित 9 उस गीर्ष के भ्रश्रीस ट्यां भन्तःस्थापित की 260-6-290 द०रो० 6-326-8-366- द०रो०-8-390- > 10-400 ग्रं०
प्रविष्टियों के प्रान्तिकार प्र जाएगी, ग्रयीत् । 2 1.4-क टेलीफोन प्रचालक स्वित्र बोर्ड प्रश्वालक (3) स्तम्भ 2, 3 ह प्रविष्टियों के प्रान्तःस्थापित व	म संस्था और प्रविषि : 3 110-4-150-5-175- द०रो०-6-205-द० रो०-7-240क० 110-8-131-4-155- द०रो०-4-175-5- 180क० ग्रैर 4 में कम संख्या : प्रकात्, निम्नसिखित क जिल्लामी, प्रथित् :	व०रो०-40-1200 ग्रं० 4 श्रीर उससे संबंधित अस शीर्ष के श्रश्नी देयां श्रन्तःस्थापित की 260-6-290 व०रो० 6-326-8-366- व०रो०-8-390- > 10-400 र० 4 550-20-650-25-
प्रविष्टियों के प्राप्ति प्रवास प्य प्रवास प्रवास प्रवास प्रवास प्रवास प्रवास प्रवास प्रवास प्रवास	म संस्था और प्रविषि 	द०रो०-40-1200 ग्रं० 4 श्रीर उससे संबंधित उस गीर्ष के भ्रश्नी देयां भ्रन्तःस्थापित की 260-6-290 द०रो० 6-326-8-366- द०रो०-8-390- > 10-400 ग्र० 4 550-20-650-25- 750 ग्र०
प्रविष्टियों के प्रतिम्तिष्ठित प्रजाएगी, प्रयति 1 2 14-क टेलीफोन प्रचालक स्वित्र बोर्ड प्रभालक (3) स्तम्भ 2, 3 प्रप्रविष्टियों के प्रत्तःस्थापित के 1 2 17-क सेंट्रन	म संस्था और प्रविषि 	द०रो०-40-1200 ग.० 4 श्रीर उससे संबंधित अस शीर्ष के भ्रश्नी देयां भ्रन्तःस्थापित की 260-6-290 द०रो० 6-326-8-366- द०रो०-8-390- > 10-400 ग्र० 4 550-20-650-25- 750 ग्र० 455-15-560-द०
प्रविष्टियों के प्रतिम्निलिखन प्र जाएंगी, ग्रर्थात् । 2 14-क टेलीफोन प्रचालक स्वित्र बोर्ड प्रश्वालक स्वित्र बोर्ड प्रश्वालक प्रतिष्टियों के ग्रन्तःस्थापित ब	म संस्था और प्रविषि 	द०रो०-40-1200 ग्रं० 4 श्रीर उससे संबंधित उस गीर्ष के भ्रश्नी देयां भ्रन्तःस्थापित की 260-6-290 द०रो० 6-326-8-366- द०रो०-8-390- > 10-400 ग्र० 4 550-20-650-25- 750 ग्र०

		
1 2	3	4
17-ष कनिष्ठ प्राहार विशेषज्ञ	210-10-290-15- 425 % o	425-15-590- य० रो०-15-560-20- 700 य०
17-कः श्विकिस्सीय सामाजिक कामगार	250-10-290-15-∫ 30 ₹o	
17-च मित्रिलियन सिसटर चिकित्सीय नर्से। सिविलियन नर्सिंग सिसटर	150-5-175-6-205- द०ग्रो०-7-240-8- 256-द०ग्रे०-8-280 २०	425-15-560-द० से०-20-640 ६०
1 7-छ धातु/नर्स (धर्माह त)	1 1 0-3-1 3 1-4- 1 5 5 र ०	260-6-326-द ्रो०- 8-350 ह०
17-ज स्वास्थ्य अधीक्षक	210-10-290-15- 320-द०से०-15- 380 द०	425-15-560-द्वरोऽ- 20-640 स०
17-ट स्थास्थ्य निरीक्षक श्रेणी 1	(1) 205-7-240- ৪-280- ছ০ (2) 150-5-175- 6-205-বেংবাং-7- 240 ছ০	330-10-380-द० री०-12-500-द० रो०-1 5-560 द०
17-ठ स्वास्थ्य निरीक्षक श्रेणी 2 सफाई ध्रोवरसियर	130-5-175-वर्गी०- 7-212रू० सफाई में डिप्लोमा के साथ मैद्रिकुलेट के लिए	(सफाई में डिप्लोमा के साथ मैट्रिकुलेट के लिए
17-इ महिलास्वास्थ्य परिदर्भ (विजिटर)	150-5-175-6-205- द०रो०-7-240-8- 256-द०रो०-8- 280 रु०	- 330-10-380 -হ ০ - বী০-12-500-হ০ - বী০-15-560 হ০
17-४ कंपाउण्डर/कंपाउण्डर भ्रौर भ्रौषधियोजक (भ्रहित) भ्रयनश्रेणी	205-7-240-8-280 €	।
17-त कंपाउण्डर/कम्पाउन्ड भ्रस्पताल/कम्पाअन्डर भ्र श्रीपधियोजक-(भहिन) श्रेणी 1		- (1) 330-10-380 द ०रो०-12- <u>5</u> 00- द०रो०-15-560क०
		पूण रूप से प्रहित श्रोवध गुण विज्ञानी के लिए, श्रयांत् उसके लिए जिनके पास शार्मेसी श्रीधनियम 1948 की धारा 31 श्रोर 32 में उल्लि- खित शहंताएं हैं किन्तु उन्त ग्रीध- नियम की धारा 31 के खण्ड (ख के अन्तर्गत ग्राने वालों को उपवर्जित करने हुए)

1 2	3			में, स्तम्भ 2, 3 छौर 4 में क	
		(2) 330-8-370-		वेष्टियों के पश्चास् निम्न	
		1 0- 4 0 0-द ्रो ०-	प्रविष्टिया ।	प्रन्तःस्थापित की <mark>जा</mark> एंसी,	त्रधीत् :~
	•	10-480 ₹0	1 2	3	·
		भनहिंत घोषध गुण			
		विज्ञानियों के लिए	29-क पु रुष नर्स	110-3-131-4-15	5 260-6-326-४०
		अर्थात् उनके लिए		मृ o	F10-8-350 F0
		जो फार्मेंमी ग्रधि- नियम की धारा	(ग) श्रनुभाग ह	में,	
		नियम की धारा 31 के अपण्ड (घ)	(।) स्तम्भ	2, 3 ग्रीर 4 में कम संख्य	ा 25 ग्रीर उस <mark>से संग</mark> ्री
		31 क चण्ड (व <i>)</i> के श्रन्तगंत श्राते हैं	प्रविष्टियों के	पश्चात्, निस्नसिक्षित अस्	न संख्यः श्रीर प्रत्रिष्टि
		या जिनके पास	श्वन्तःस्थानित	भी जाएंगी, अश्रीत्	
		उस खण्ड के ग्रधीन	- · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		
		रजिस्द्री योग्य			
		ग्रहंताएं हैं।	25-क बैण्ड मास्टर	2 5 0- 1 0- 2 9 0- 1 5-	380-12-440-হ৹
7-ध कंपाउण्डर /कंपाउण्डर	(1) 110-3-131-	• •		380 €∘	रो०-15-560-द०
श्रीषधियोजक (श्रनश्रिक)	4-175 ই৹	260-6-326-द० रो०			₹10-20-640 50
, ,	(2) 80-1-85-2-	} -8-350 ₹°	(2) स्तम्भ ५	१,3 औ र 4 में क्रम संख्या 2	਼ ਨੂੰ ਸੀਤ ਕਸਮੇਂ ਸੰਗ੍ਰੀ
	95-देवरीव-3-110 ह्व	}		पश्चान्, निम्नलिखित अस्म सं	
5 / 50.)		जाएंगी, ग्रर्थात् :	THE WILLIAM
7-द ड्रेसर (चयन क्षेणी)	110-3-125 至。	225-5-260-6-			
		290- व ०रो०-6-	1 2	3	4
7-ध ड्रेसर (साधारण	80-1-85-2-95-	308 ছ০ 210-4-250-ছ০	28-क पांडुलिपि संगीत	175-6-205 € e	380-12-500-द०
४-व प्रसर (साबारण श्रेणी)	द०रो०-3-110 रु०	310-4-23 <i>0-</i> 4० रो०-5-370 ह०	ले ख क	,	₹}o-15-560 &o
(4) पृष्ठ 6! के ग्र लिखित पद टि इन पदों के वर्तमान स्भ 3 में वर्तमान बेतन	धस्तल में कम संख्या प्पणी भ्र-तःस्थापित की में विभिन्न स्थापनों में मान पदनामों को ध्य	19 के पश्चात्, निस्नः ो जाएयी : में विभिध्न पदनाम हैं। ान में नहीं रखते हुए,	प्रविष्टियों के	, 2, 3 और 4 में अम संख्या पश्चात् निम्नलिखित अम की जाएंगी, घर्थात् :	
(4) पृष्ठ 6! के ग्र लिखित पाद टि इन पर्वो के वर्तमान तम्भ 3 में वर्तमान वेतन तम्भ 4 के पुनरीक्षित वेत	धस्तल में क्रम संख्या पणी श्र-तःस्थापित की में विभिन्न स्थापनों में मान पदनामों को ध्या तमानों संपरिवर्तित वि	19 के पश्चात्, निस्तः ो जाएसी:—— में विभिन्न पदनाम हैं। ान में नहीं रखते हुए, केए जाएंगे।	(1) स्तम्भ प्रविष्टियों के श्रन्तः स्थापित । 2	2,3 श्रौर 4 में अस संख्याः पण्चात् निम्नलिखितः अस	
(4) पृथ्ठ 6! के ग्र लिखित पदि टि इन पदों के वर्तमान तस्भ 3 में वर्तमान वेतन तस्भ 4 के पुनरीक्षित वेत (3) भाग ग में, (क	धस्तल में क्रम संख्या पणी श्र-तःस्थापित की में विभिन्न स्थापनों में मान पदनामों को ध्या तमानों संपरिवर्तित वि	19 के पश्चात्, निस्नः ो जाएयी : में विभिध्न पदनाम हैं। ान में नहीं रखते हुए,	(1) स्तम्भ प्रविष्टियों के श्रन्तः स्थापित । 2 14-कं मैस् पर्यक्षेक्षक	2, 3 और 4 में 3 म संख्या पश्चात् निम्नलिखित अम की जाएंगी, ग्रश्वीत् : 3 205-7-240-8-280	
(4) पृष्ठ 6! के ग्र लिखित पढ़ टि इन पढ़ों के वर्तमान तस्भ 3 में वर्तमान वेतन तस्भ 4 के पुतरीक्षित वेत (3) भाग ग में, (क	धस्तल में कम संख्या प्पणी श्र-तःस्थापित की में विभिन्न स्थापनों में मान पदनामों को ध्या ज़मानों संपरिवर्तित जि	19 के पश्चात्, निस्तः ो जाएसी:—— में विभिन्न पदनाम हैं। ान में नहीं रखते हुए, केए जाएंगे।	(1) स्तम्भ प्रविष्टियों के श्रन्तः स्थापित । 2	2, 3 और 4 में अम संख्या पश्चात् निम्नलिखित अम की जाएंगी, प्रश्नीत् :	
(4) पृष्ठ 6! के ग्र लिखित पद हिं इन पदों के वर्तमान तम्भ 3 में वर्तमान वेतन तम्भ 4 के पुनरीक्षित वेत (3) भाग ग में, (क मधीन, —	धस्तल में कम संख्या प्पणी भ्रन्तःस्थापित की में विभिन्न स्थापनों में मान पदनामों को ध्या जमानों संपरिवर्तित जि) श्रनुभाग 1 में, "राज 4 में कम संख्या 1 भीर	19 के पण्जात्, निम्न ो जाएती:—— में विभिन्न पदनाम हैं। ति में नहीं रखते हुए, केए जाएंगे।	(1) स्तम्भ प्रविष्टियों के श्रन्त: स्थापित 1 2 14-का मैस पर्यवेक्षक (ज्येष्ठ वेतनमान)	2, 3 ग्रीर 4 में अम संख्या पण्चात् निम्नलिखित अम की जाएंगी, ग्रश्नीत् : 3 205-7-240-8-280 रु० 175-6-205-7-240	संख्या भ्रीर प्रविध्टिय
(4) पृष्ठ 6! के प्र लिखित पाद टि इन पर्यों के वर्तमान तम्भ 3 में वर्तमान बेतन तम्भ 4 के पुनरीक्षित बेत (3) भाग ग में, (क मधीन, — (1) स्तम्य 2, 3 ग्रीर के पण्चात् निम्	धस्तल में कम संख्या प्पणी भ्रन्तःस्थापित की में विभिन्न स्थापनों में मान पदनामों को ध्या जमानों संपरिवर्तित जि) श्रनुभाग 1 में, "राज 4 में कम संख्या 1 भीर	19 के पश्चात्, निस्तः ो जाएगी:	(1) स्तम्भ प्रविष्टियों के ग्रन्तः स्थापित 1 2 14-क मैस पर्यश्रेक्षक (ज्येष्ट वेतनमान) 14-ख फोरमैन	2, 3 श्रीर 4 में अम संख्या पश्चात् निम्नलिखित अम की जाएंगी, श्रश्नीत् : 3 205-7-240-8-280 रूठ 175-6-205-7-240 ए० 130-5-160-8-200-	संख्या भ्रीर प्रविध्टिय 4 330-10-380-द रोज-12-500-व
(4) पृष्ठ 6! के ग्र लिखित पाद टि इन पवों के वर्तमान सम्भ 3 में वर्तमान बेतन स्भ 4 के पुनरीक्षित बेत (3) भाग ग में, (क को पश्चात् निम् स्थापित की जा	धस्तल में क्रम संख्या प्पणी भ्र-तःस्थापित की में विभिन्न स्थापनों में मान पदनामों को ध्या तिमानों संपरिवर्तित वि) श्रनुभाग 1 में, "राज 4 में क्रम संख्या 1 भौर मिलिखित कम संख्या एंगी, श्रश्रांत् :—	19 के पश्चात्, निस्तः ो जाएगी:	(1) स्तम्भ प्रविष्टियों के श्रन्त: स्थापित 1 2 14-का मैस पर्यवेक्षक (ज्येष्ठ वेतनमान)	2, 3 श्रीर 4 में अम संख्या पश्चात् निम्नलिखित अम की जाएंगी, श्रश्नीत् : 3 205-7-240-8-280 रु० 175-6-205-7-240 रु० 130-5-160-8-200- देवरो०-8-256-देव	संख्या भ्रीर प्रविध्टिय 4 330-10-380-द रोज-12-500-व
(4) पृष्ठ 6! के घ लिखित पाद टि इन पवों के वर्तमान सम्भ 3 में वर्तमान केतन स्भ 4 के पुनरीक्षित वेत (3) भाग ग में, (क छीन, — (1) स्तम्भ 2, 3 ग्रीर के पश्चात् निम् स्थापित की जा	धस्तल में क्रम संख्या पणी श्र-तःस्थापित की में विभिन्न स्थापनों में मान पदनामों को ध्या तनमानों संपरिवर्तित वि) श्रनुभाग 1 में, "राज 4 में क्रम संख्या 1 श्रीर मिलिखित कम संख्या	19 के पश्चात्, निस्तः ो जाएगी:	(1) स्तम्भ प्रविष्टियों के ग्रन्त: स्थापित । 2 14-क मैस पर्यवेक्षक (ज्येष्ठ वेतनमान) 14-ख फोरमैन 14-ग भेस पर्यवेक्षक (कनिष्ठ वेतनमान)	2, 3 और 4 में अम संख्या पश्चात् निम्नलिखित अम की जाएंगी, म्थात् : 3 205-7-240-8-280 ए० 175-6-205-7-240 ए० 130-5-160-8-200- द०रो०-8-256-द० रो०-8-280 ए०	संख्या स्नीर प्रविध्दिय 4 330-10-380-वर् रोज-12-500-वर् रोज-15-560 रु
(4) पृष्ठ 6! के घ लिखित पाद टि इन पवों के वर्तमान तम्भ 3 में वर्तमान केतन तम्भ 4 के पुनरीक्षित केत (3) भाग ग में, (क क्षित, — (1) स्तम्भ 2, 3 ग्रीर के पश्चात् निम्स्यापित की जा	धस्तल में क्रम संख्या पणी श्र-तःस्थापित की में विभिन्न स्थापनों में मान पदनामों को ध्या तनमानों संपरिवर्तित वि) श्रनुभाग 1 में, "राज 4 में क्रम संख्या 1 श्रीर मिलिखित कम संख्या एंगी, श्रश्रात् :— 3	19 के पश्चात्, निस्तः ो जाएसी:—— में विभिन्न पदनाम हैं। ति में नहीं रखते हुए, केए जाएंसे। पिखित पद" उपशीर्थ के उससे संबंधित प्रविष्टियों ग्रीर प्रविष्टियां ग्रन्तः	(1) स्तम्भ प्रविष्टियों के प्रान्त: स्थापित 1 2 14-क मैस पर्यवेक्षक (ज्येष्ठ वेतनमान) 14-ख फोरमैन 14-ग भेस पर्यवेक्षक (कनिष्ठ वेतनमान) (2) स्तम्भ 2,	2, 3 श्रीर 4 में अम संख्या पश्चात् निम्नलिखित अम की जाएंगी, श्रश्नीत् : 3 205-7-240-8-280 क० 175-6-205-7-240 क० 130-5-160-8-200- द०पो०-8-256-द० रो०-8-280 ६०	संख्या भ्रीर प्रविष्टिय 4 330-10-380-द्वर रोज-12-500-द्वर रोज-15-560 रु
(4) पृष्ठ 6! के घ लिखित पाद टि इन पवों के वर्तमान तम्भ 3 में वर्तमान केतन तम्भ 4 के पुनरीक्षित केत (3) भाग ग में, (क क्षित, — (1) स्तम्भ 2, 3 ग्रीर के पश्चात् निम्स्यापित की जा	धस्तल में क्रम संख्या पणी भ्र-तःस्थापित की में विभिन्न स्थापनों मे मान पदनामों को ध्य तिमानों संपरिवर्तित वि) श्रनुभाग 1 में, "राज 4 में क्रम संख्या 1 भौर मिलिखित कम संख्या एंगी, श्रश्रांत् :— 3 350-25-500-30- 590-द०रो०-30-	19 के पश्चात्, निस्नः ो जाएसी:— में विभिन्न पदनाम हैं। ति में नहीं रखते हुए, केए जाएंसे। पिक्ति पद" उपशीर्थ के उससे संबंधित प्रविष्टियों और पित्रिष्टियां प्रस्तः	(1) स्तम्भ प्रविष्टियों के प्रन्तः स्थापित 1 2 14-क मैस पर्यश्रेकक (ज्येष्ट केतनमान) 14-ख फोरमैन 14-म भेम प्रयेश्रेकक (कनिष्ठ श्रेननमान)	2, 3 श्रीर 4 में त्रम संख्या पण्चात् निम्नलिखित त्रम की जाएंगी, श्रश्नीत् : 3 205-7-240-8-280 रू० 175-6-205-7-240 ग० 130-5-160-8-200- द०रो०-8-256-द० रो०-8-280 रू० 3 श्रीर 4 में क्रम संख्या 1	संख्या भ्रीर प्रविष्टिय 4 330-10-380-द्वर रोज-12-500-द्वर रोज-15-560 रु
(4) पृथ्ठ 6! के घ्र लिखित पाद टि इन पर्वो के वर्तमान स्भ 3 में वर्तमान केतन स्भ 4 के पुनरीक्षित केत (3) भाग ग में, (क घ्रीन, — (1) स्तस्थ 2, 3 ग्रीर के पश्चाह निस्स्थापित की जा	धस्तल में क्रम संख्या पणी श्र-तःस्थापित की में विभिन्न स्थापनों में मान पदनामों को ध्या तनमानों संपरिवर्तित वि) श्रनुभाग 1 में, "राज 4 में क्रम संख्या 1 श्रीर मिलिखित कम संख्या एंगी, श्रश्रात् :— 3	19 के पश्चात्, निस्ता जिल्ला :	(1) स्तम्भ प्रविष्टियों के प्रन्तः स्थापित 1 2 14-क मैस पर्यश्रेकक (ज्येष्ट केतनमान) 14-ख फोरमैन 14-म भेम प्रयेश्रेकक (कनिष्ठ श्रेननमान)	2, 3 श्रीर 4 में अम संख्या पश्चात् निम्नलिखित अम की जाएंगी, श्रश्नीत् : 3 205-7-240-8-280 क० 175-6-205-7-240 क० 130-5-160-8-200- द०पो०-8-256-द० रो०-8-280 ६०	संख्या श्रीर प्रविष्टिय 4 330-10-380-द रोज-12-500-द रोज-15-560 क
(4) पृथ्ठ 6! के घ्र लिखित पाद टि इन पर्वो के वर्तमान स्भ 3 में वर्तमान केतन स्भ 4 के पुनरीक्षित केत (3) भाग ग में, (क घ्रीन, — (1) स्तस्थ 2, 3 ग्रीर के पश्चाह निस्स्थापित की जा	धस्तल में क्रम संख्या पणी भ्र-तःस्थापित की में विभिन्न स्थापनों मे मान पदनामों को ध्य तिमानों संपरिवर्तित वि) श्रनुभाग 1 में, "राज 4 में क्रम संख्या 1 भौर मिलिखित कम संख्या एंगी, श्रश्रांत् :— 3 350-25-500-30- 590-द०रो०-30-	19 के पण्जात्, निस्नां जाएगी:	(1) स्तम्भ प्रविष्टियों के प्रन्तः स्थापित 1 2 14-क मैस पर्यश्रेकक (ज्येष्ट केतनमान) 14-ख फोरमैन 14-म भेम प्रयेश्रेकक (कनिष्ठ श्रेननमान)	2, 3 श्रीर 4 में त्रम संख्या पण्चात् निम्नलिखित त्रम की जाएंगी, श्रश्नीत् : 3 205-7-240-8-280 रू० 175-6-205-7-240 ग० 130-5-160-8-200- द०रो०-8-256-द० रो०-8-280 रू० 3 श्रीर 4 में क्रम संख्या 1	संख्या श्रीर प्रविष्टिय 4 330-10-380-द रोज-12-500-द रोज-15-560 क
(4) पृष्ठ 6! के प्र लिखित पाद टि इन पतों के वर्तमान तम्भ 3 में वर्तमान बेतन मभ 4 के पुनरीक्षित बेत (3) भाग ग में, (क मधीन, — (1) स्तम्भ 2, 3 और के पश्चात् निम् स्थापित की जा	धस्तल में क्रम संख्या पणी श्र-तःस्थापित की में विभिन्न स्थापनों में मान पदनामों को ध्या तिमानों संपरिवर्तित वि) श्रन्भाग 1 में, "राज 4 में क्रम संख्या 1 श्रीर मिलिबान क्रम संख्या एंगी, श्रश्रात् :— 3 350-25-500-30- 590-दं०रो०-30- 800 ह०	19 के पश्चात्, निस्ता जिल्ला :	(1) स्तम्भ प्रविष्टियों के ग्रन्त: स्थापित । 2 14-क मैस पर्यवेक्षक (ज्येष्ट बेतनमान) 14-क फोरमैन 14-म भैस प्रयेवेक्षक (कनिष्ठ वेतनमान) (2) स्तम्भ 2, प्रविष्टियों के प्रजन्त:स्यापित व	2, 3 श्रौर 4 में त्रम संख्या पश्चात् निम्नलिखित त्रम की जाएंगी, श्रश्नीत् : 3 205-7-240-8-280 रु० 175-6-205-7-240 रु० 130-5-160-8-200- द०रो०-8-256-द० रो०-8-280 रु० 3 श्रीर 4 में क्रम संख्या 1 श्रम्बात् निम्नलिखित क्रम की जाएंगी, श्रथ्नीत् :	संख्या भ्रीर प्रविष्टिय 4 330-10-380-द्वर रोज-12-500-द्वर रोज-15-560 रु
(4) पृष्ठ 6! के प्र लिखित पाद टि इन पतों के वर्तमान तम्भ 3 में वर्तमान वेतन मभ 4 के पुनरीक्षित वेत (3) भाग ग में, (क के पश्चात् निम् स्थापित की जा 1 2 क मनोवैज्ञानिक	धस्तल में क्रम संख्या पणी श्र-तःस्थापित की में विभिन्न स्थापनों मे मान पदनामों को ध्य ानमानों संपरिवर्तित ि) श्रनुभाग 1 में, "राज 4 में क्रम संख्या 1 श्रीर मिलिखित कम संख्या एंगी, श्रश्रांत् :— 3 350-25-500-30- 590-दं रोठ-30- 800 हुठ	19 के पश्चात्, निस्ता जिएसी:————————————————————————————————————	(1) स्तम्भ प्रविष्टियों के प्रन्त: स्थापित 1 2 14-क मैस पर्यवेक्षक (ज्येष्ठ केतनमान) 14-स फोरमैन 14-म भैस पर्यवेक्षक (कनिष्ठ केतनमान) (2) स्तम्भ 2, प्रविष्टियों के प्रवत्सम्यापित व	2, 3 श्रीर 4 में अम संख्या पण्णात् निम्नलिखित अम की जाएंगी, श्रशीत् : 3 205-7-240-8-280 कु 175-6-205-7-240 कु 130-5-160-8-200- दुर्जा०-8-256-दुर् रो०-8-280 हुरू 3 श्रीर 4 में कम संख्या 1 पश्चात् निम्नलिखित कम की जाएंगी, श्रश्वात् :	संख्या श्रीर प्रविष्टिय 4 330-10-380-द रो०-12-500-द रो०-15-560क 6 श्रीर उससे संबंधित संख्या श्रीर प्रविष्टिय
(4) पृष्ठ 6! के प्र लिखित पृद्ध टि इन पर्यों के वर्तमान सम्भ 3 में वर्तमान वेतन स्भ 4 के पुतरीक्षित वेत (3) भाग ग में, (फ के पश्चाह् निम् स्थापित की जा 1 2 क मनोवंजानिक	धस्तल में कम संख्या पणी श्र-तःस्थापित की में विभिन्न स्थापनों के मान पदनामों को ध्य जिमानों संपरिवर्तित जि) श्रन्भाग 1 में, "राज 4 में कम संख्या 1 मौर मिलिखिन कम संख्या गंगी, श्रर्थात् :— 3 350-25-500-30- 590-दं रुरो०-30- 800 फ० में कम संख्या 3 श्रौर उ	19 के पश्चात्, निस्नां जाएसी:————————————————————————————————————	(1) स्तम्भ प्रविष्टियों के ग्रन्त: स्थापित । 2 14-क मैस पर्यवेक्षक (ज्येष्ट बेतनमान) 14-क फोरमैन 14-म भैस प्रयेवेक्षक (कनिष्ठ वेतनमान) (2) स्तम्भ 2, प्रविष्टियों के प्रजन्त:स्यापित व	2, 3 श्रीर 4 में अम संख्या पश्चात् निम्नलिखित अम मी जाएंगी, श्रशीत् : 3 205-7-240-8-280 ए० 175-6-205-7-240 ए० 130-5-160-8-200-द०रो०-8-256-द० रो०-8-280 ए० 3 श्रीर 4 में अम संख्या 1 पश्चात् निम्नलिखित अम भी जाएंगी, अर्थात् :	संख्या भ्रीर प्रविष्टिय 4 330-10-380-व रोज-12-500-व रोज-15-560 क रोज-15-560 क संख्या भ्रीर प्रविष्टिय 4 330-8-370-10-
(4) पृष्ठ 6! के प्र लिखित पाद टि इन पर्यों के वर्तमान सम्भ 3 में वर्तमान वेतन स्भ 4 के पुतरीक्षित वेत (3) भाग ग में, (फ कि पश्चात् निस् स्थापित की जा 1 2 क मनोवैज्ञानिक	धस्तल में कम संख्या पणी श्र-तःस्थापित की में विभिन्न स्थापनों के मान पदनामों को ध्य जिमानों संपरिवर्तित जि) श्रन्भाग 1 में, "राज 4 में कम संख्या 1 मौर मिलिखिन कम संख्या गंगी, श्रर्थात् :— 3 350-25-500-30- 590-दं रुरो०-30- 800 फ० में कम संख्या 3 श्रौर उ	19 के पश्चात्, निस्ता जिएसी:————————————————————————————————————	(1) स्तम्भ प्रतिष्टियों के प्रन्तः स्थापितः 1 2 14-क मैस पर्यश्रेक्षक (ज्येष्ट केतनमान) 14-ख फोरमैन 14-म भेम प्रयेश्रेक्षक (कनिष्ठ श्रेतनमान) (2) स्तम्भ 2, प्रतिष्टियों के प्रशन्तःस्थापितः 1 2 16-क सहायक फोरमेन	2, 3 श्रीर 4 में त्रम संख्या पण्चात् निम्नलिखित त्रम की जाएंगी, श्रश्नीत् : 3 205-7-240-8-280 रू० 175-6-205-7-240 रू० 130-5-160-8-200- द०रो०-8-256-द० रो०-8-280 रू० 3 श्रीर 4 में क्रम संख्या 1 प्रम्यात् निम्नलिखित क्रम की जाएंगी, अर्थात् :	संख्या श्रीर प्रविष्टिय 4 330-10-380-दः रो०-12-500-दः रो०-15-560 कः 6 श्रीर उससे संबंधिः संख्या श्रीर प्रविष्टिय 4 330-8-370-10- 400-द०रो०-10-
(4) पृष्ठ 6! के प्र लिखित पृद्ध टि इन पर्यों के वर्तमान सम्भ 3 में वर्तमान वेतन स्भ 4 के पुतरीक्षित वेत (3) भाग ग में, (फ के पश्चाह् निम् स्थापित की जा 1 2 क मनोवंजानिक	धस्तल में कम संख्या पणी श्र-तःस्थापित की में विभिन्न स्थापनों के मान पदनामों को ध्य जिमानों संपरिवर्तित जि) श्रन्भाग 1 में, "राज 4 में कम संख्या 1 मौर मिलिखिन कम संख्या गंगी, श्रर्थात् :— 3 350-25-500-30- 590-दं रुरो०-30- 800 फ० में कम संख्या 3 श्रौर उ	19 के पश्चात्, निस्नां जाएसी:————————————————————————————————————	(1) स्तम्भ प्रविष्टियों के प्रकार स्थापित 1 2 14-क मैस पर्यवेक्षक (ज्येष्ठ केतनमान) 14-स फोरमैन 14-म भैस पर्यवेक्षक (किनष्ट केतनमान) (2) स्तम्भ 2, प्रविष्टियों के प्रकार स्थापित व	2, 3 श्रीर 4 में अम संख्या पश्चात् निम्नलिखित अम मी जाएंगी, श्रश्नीत् : 3 205-7-240-8-280 रु० 175-6-205-7-240 रु० 130-5-160-8-200-द०रो०-8-256-द० रो०-8-280 रु० 3 श्रीर 4 में अम संख्या 1 श्रम्थात् निम्नलिखित अम री जाएंगी, श्रर्थात् : 3 150-5-175-6-205 रु०	संख्या श्रीर प्रविध्दिय 4 330-10-380-द- रो०-12-500-द- रो०-15-560 रुः 6 श्रीर उससे संबंधित संख्या श्रीर प्रविध्दिय 4 330-8-370-10- 400-द०रो०-10- 480 ६०
(4) पृष्ठ 6! के प्र लिखित पाद टि इन पर्यों के वर्तमान बेतन स्भ 4 के पुनरीक्षित बेत (3) भाग ग में, (फ क्षित, — (1) स्तस्य 2, 3 प्रौर के पश्चात् निस्स्यापित की जा 1 2 क मनीवैज्ञानिक	धस्तल में क्रम संख्या प्पणी भ्र-तःस्थापित की में विभिन्न स्थापनों के मान पदनामों को ध्य जिमानों संपरिवर्तित जि) श्रनुभाग 1 में, "राज 4 में क्रम संख्या 1 मौर मिलिखित कम संख्या प्रेगी, श्रश्चीत् :— 3 350-25-500-30- 590-दं रोठ-30- 800 फठ में कम संख्या 3 श्रीर द	19 के पश्चात्, निस्नां जाएगी:—— में विभिन्न पदनाम हैं। ति में नहीं रखते हुए, केए जाएंगे। पिक्रित पद" उपणीर्थ के उससे संबंधित प्रविष्टियों और श्विष्टियां अन्तः 4 650-30-740-35- 810-द०रो०-35- 880-40-1000- द०रो०-40-1200 ह० उससे संबंधित प्रविष्टियों के मधीन निस्नलिखित न की जाएंगी, प्रयात्:—	(1) स्तम्भ प्रतिष्टियों के प्रन्तः स्थापित 1 2 14-क मैस पर्यश्रेक्षक (ज्येष्ठ के तनमान) 14-क फोरमैन 14-म भेम पर्यश्रेक्षक (कनिष्ठ जैननमान) (2) स्तम्भ 2, प्रतिष्टियों के प्रजन्तःस्थापित व 1 2 (5) ग्रमुशाग 7 में, (1) स्तम्भ 2,	2, 3 श्रीर 4 में त्रम संख्या पश्चात् निम्नलिखित त्रम की जाएंगी, श्रश्नीत् : 3 205-7-240-8-280 रु० 175-6-205-7-240 रु० 130-5-160-8-200-द०रो०-8-256-द० रो०-8-280 रु० 3 श्रीर 4 में क्रम संख्या 1 प्रवात् निम्नलिखित क्रम की जाएंगी, अर्थात् : 3 150-5-175-6-205 रु० "राजपन्निन पद" उपगीर्व के 3 श्रीर 4 में क्रम संख्या 3 श्री	संख्या श्रीर प्रविध्दिय 4 330-10-380-द- रोठ-12-500-द- रोठ-15-560 रु- रोठ-15-560 रु- संख्या श्रीर प्रविध्दिय 4 330-8-370-10- 490-द-०रोठ-10- 490 रु- श्रिपीन,— र जमसे संबंधित प्रवि-
(4) पृष्ठ 6! के प्र लिखित पाद टि इन पर्यों के वर्तमान बेतन स्भ 4 के पुनरीक्षित बेत (3) भाग ग में, (फ क्षित, — (1) स्तस्य 2, 3 प्रौर के पश्चात् निस्स्यापित की जा 1 2 क मनीवैज्ञानिक	धस्तल में क्रम संख्या पणी भ्र-तःस्थापित की में विभिन्न स्थापनों मे मान पदनामों को ध्य ानमानों संपरिवर्तित ि) श्रन्भाग 1 में, "राज 4 में क्रम संख्या 1 भौर मिलिखित कम संख्या एगी, श्रश्रात् :— 3 350-25-500-30- 590-द०रो०-30- 800 फ० में कम संख्या 3 श्रौर उ जपत्रित पद" उपणीर्ष प्रविद्यां भ्रन्तः स्थापित 3 390-20-450-25-	19 के पश्चात्, निस्ना निमान के जाएसी:— में विभिन्न पदनाम हैं। ति में नहीं रखते हुए, केए जाएंसे। पिक्रिस पद" उपणीर्थ के उमसे संबंधित प्रविष्टियों ग्रीर प्रविष्टियां ग्रन्तः	(1) स्तम्भ प्रतिष्टियों के प्रन्तः स्थापितः 1 2 14-क मैस पर्यश्रेक्षक (ज्येष्ट केननमान) 14-स फोरमैन 14-म भेम प्रयेश्रेक्षक (कनिष्ठ श्रेननमान) (2) स्तम्भ 2, प्रतिष्टियों के प्रशन्तःस्यापितः 1 2 (5) ग्रमुशास 7 में, (1) स्तम्भ 2, ष्टियों के पश्चा	2, 3 श्रीर 4 में त्रम संख्या पण्चात् निम्नलिखित त्रम स्थात् निम्नलिखित त्रम त्री जाएंगी, श्रश्रीत् : 3 205-7-240-8-280 रु० 175-6-205-7-240 रु० 130-5-160-8-200-द०रो०-8-256-द० रो०-8-280 रु० 3 श्रीर 4 में क्रम संख्या 1 प्रवात् निम्नलिखित क्रम ती जाएंगी, श्रश्रीत् : 3 150-5-175-6-205 रु० "राजपन्नित पव" उपगीर्व के 3 श्रीर 4 में क्रम संख्या 3 श्री स् निम्नलिखित त्रम संख्या 3 श्री	संख्या श्रीर प्रविष्टिय 4 330-10-380-दः रोज-12-500-दः रोज-15-560 रुः संख्या श्रीर प्रविष्टिय 4 330-8-370-10- 400-दंजोज-10- 480 रुः श्रीत,— र ससे संख्या श्रीदन श्रीव-
(4) पृष्ठ 6! के प्र लिखित पाद टि इन पवों के वर्तमान बेतन सभा 3 में वर्तमान बेतन सभा 4 के पुनरीक्षित बेत (3) भाग ग में, (क कि पश्चात् निम् स्थापित की जा 1 2 क मनीवैज्ञानिक	धस्तल में क्रम संख्या पणी भ्र-तःस्थापित की में विभिन्न स्थापनों मे मान पदनामों को ध्य ानमानों संपरिवर्तित ि) श्रन्भाग 1 में, "राज 4 में क्रम संख्या 1 मौर मिलिखित कम संख्या एंगी, श्रश्रांत् :— 3 350-25-500-30- 590-दं रो०-30- 800 फ० में कम संख्या 3 श्रौर उ जभित्रत पद" उपणीर्ष प्रवित्यां भ्रन्तः स्थापित् 3 390-20-450-25- 175 ह०	19 के पश्चात्, निस्नां जाएगी:—— में विभिन्न पदनाम हैं। ति में नहीं रखते हुए, केए जाएंगे। पिक्रित पद" उपणीर्थ के उससे संबंधित प्रविष्टियों और श्विष्टियां अन्तः 4 650-30-740-35- 810-द०रो०-35- 880-40-1000- द०रो०-40-1200 ह० उससे संबंधित प्रविष्टियों के मधीन निस्नलिखित न की जाएंगी, प्रयात्:—	(1) स्तम्भ प्रतिष्टियों के प्रन्तः स्थापितः 1 2 14-क मैस पर्यश्रेक्षक (ज्येष्ट केननमान) 14-स फोरमैन 14-म भेम प्रयेश्रेक्षक (कनिष्ठ श्रेननमान) (2) स्तम्भ 2, प्रतिष्टियों के प्रशन्तःस्यापितः 1 2 (5) ग्रमुशास 7 में, (1) स्तम्भ 2, ष्टियों के पश्चा	2, 3 श्रीर 4 में त्रम संख्या पश्चात् निम्नलिखित त्रम की जाएंगी, श्रश्नीत् : 3 205-7-240-8-280 रु० 175-6-205-7-240 रु० 130-5-160-8-200-द०रो०-8-256-द० रो०-8-280 रु० 3 श्रीर 4 में क्रम संख्या 1 प्रवात् निम्नलिखित क्रम की जाएंगी, अर्थात् : 3 150-5-175-6-205 रु० "राजपन्निन पद" उपगीर्व के 3 श्रीर 4 में क्रम संख्या 3 श्री	संख्या श्रीर प्रविष्टिय 4 330-10-380-द
(4) पृष्ठ 6! के प्र लिखित पाद टि इन पर्थों के वर्तमान बेतन स्भ 4 के पुनरीक्षित बेत (3) भाग ग में, (क कि पश्चात् निम् स्थापित की जा 1 2 क मनीवैज्ञानिक	धस्तल में क्रम संख्या पणी भ्र-तःस्थापित की में विभिन्न स्थापनों मे मान पदनामों को ध्य ानमानों संपरिवर्तित ि) श्रन्भाग 1 में, "राज 4 में क्रम संख्या 1 मौर मिलिखित कम संख्या एंगी, श्रश्रांत् :— 3 350-25-500-30- 590-दं रो०-30- 800 फ० में कम संख्या 3 श्रौर उ जभित्रत पद" उपणीर्ष प्रवित्यां भ्रन्तः स्थापित् 3 390-20-450-25- 175 ह०	19 के पश्चात्, निस्ता जिएसी:— में विभिन्न पदनाम हैं। त में नहीं रखते हुए, केए जाएंगे। पिकिस पद" उपशीर्थ के उससे संबंधित प्रविष्टियों प्रमतः 4 650-30-740-35- 810-द०रो०-35- 880-40-1000- द०रो०-40-1200 ह० उससे संबंधित प्रविष्टियों के मधीन निस्नलिखित न की जाएंगी, ग्रयात्:— 1 550-25-750-द० रो०-30-900 ह०	(1) स्तम्भ प्रतिष्टियों के प्रन्तः स्थापितः 1 2 14-क मैस पर्यश्रेक्षक (ज्येष्ट केननमान) 14-स फोरमैन 14-म भेम प्रयेश्रेक्षक (कनिष्ठ श्रेननमान) (2) स्तम्भ 2, प्रतिष्टियों के प्रशन्तःस्यापितः 1 2 (5) ग्रमुशास 7 में, (1) स्तम्भ 2, ष्टियों के पश्चा	2, 3 श्रीर 4 में त्रम संख्या पण्चात् निम्नलिखित त्रम स्थात् निम्नलिखित त्रम त्री जाएंगी, श्रश्रीत् : 3 205-7-240-8-280 रु० 175-6-205-7-240 रु० 130-5-160-8-200-द०रो०-8-256-द० रो०-8-280 रु० 3 श्रीर 4 में क्रम संख्या 1 प्रवात् निम्नलिखित क्रम ती जाएंगी, श्रश्रीत् : 3 150-5-175-6-205 रु० "राजपन्नित पव" उपगीर्व के 3 श्रीर 4 में क्रम संख्या 3 श्री स् निम्नलिखित त्रम संख्या 3 श्री	संख्या श्रीर प्रविष्टिय 4 330-10-380-द
(4) पृष्ठ 6! के प्र लिखित पाद टि इन पर्यों के वर्तमान स्भ 4 के पुनरीक्षित बेत (3) भाग ग में, (फ कि पश्चात् निस् स्थापित की जा 1 2 क मनोबंजानिक (2) स्तम्भ 2, 3 प्रौर के पश्चात् की जा 1 2 क मनोबंजानिक	धस्तल में क्रम संख्या पणी भ्र-तःस्थापित की में विभिन्न स्थापनों मे मान पदनामों को ध्य ानमानों संपरिवर्तित ि) श्रन्भाग 1 में, "राज 4 में क्रम संख्या 1 मौर मिलिखित कम संख्या एंगी, श्रश्रांत् :— 3 350-25-500-30- 590-दं रो०-30- 800 फ० में कम संख्या 3 श्रौर उ जभित्रत पद" उपणीर्ष प्रवित्यां भ्रन्तः स्थापित् 3 390-20-450-25- 175 ह०	19 के पश्चात्, निस्ता जिएसी:————————————————————————————————————	(1) स्तम्भ प्रतिष्टियों के प्रन्तः स्थापितः 1 2 14-क मैस पर्यश्रेक्षक (ज्येष्ट केननमान) 14-म भेम प्रयेश्रेक्षक (कनिष्ठ श्रेननमान) (2) स्तम्भ 2, प्रतिष्टियों के प्रशन्तःस्थापितः 1 2 (16-क सहायक फोरमेन (क) प्रमुखार 7 में, (1) स्तम्भ 2, ष्टियों के पश्चा स्थापित की ज	2, 3 श्रीर 4 में त्रम संख्या पण्चात् निम्नलिखित त्रम की जाएंगी, श्रश्नीत् : 3 205-7-240-8-280 क० 175-6-205-7-240 क० 130-5-160-8-200-द०रो०-8-256-द० रो०-8-280 ६० 3 श्रीर 4 में क्रम संख्या 1 प्रणात् निम्नलिखित क्रम की जाएंगी, अर्थात् : 3 150-5-175-6-205 क० "राजपन्निन पव" उपजीर्व के 3 श्रीर 4 में क्रम संख्या 3 श्री स् निम्नलिखित क्रम संख्या (एंगी, श्रश्नीत् : 3	संख्या श्रीर प्रविष्टिय 4 330-10-380-दः रो०-12-500-दः रो०-15-560 रुः संख्या श्रीर प्रविष्टिय 4 330-8-370-10- 400-द०रो०-10- 480 रु० श्रिथीन,— र समसे संबंधित श्रीर श्रविष्टियां ग्रन्न
(4) पृष्ठ 6! के प्र लिखित पाद टि इन पर्यों के वर्तमान स्भ 4 के पुनरीक्षित बेत (3) भाग ग में, (फ कि पश्चात् निस् स्थापित की जा 1 2 क मनोबंजानिक (2) स्तम्भ 2, 3 प्रौर के पश्चात् की जा 1 2 क मनोबंजानिक	धस्तल में कम संख्या पणी भ्र-तःस्थापित की में विभिन्न स्थापनों है मान पदनामों को ध्य ानमानों संपरिवर्तित ि) श्रन्भाग 1 में, "राज 4 में कम संख्या 1 मौर मिलिखिन कम संख्या गंगी, श्रश्रात् :— 3 350-25-500-30- 590-दं रुरो०-30- 800 फ० में कम संख्या 3 श्रौर दे अपित्रत पद" उपणीर्ष श्रिविष्ट्यां भ्रन्तः स्थापित 3 390-20-450-25- 175 ह० 335-15-425 फ०	19 के पश्चात्, निस्नां जाएसी:	(1) स्तम्भ प्रतिष्टियों के प्रन्तः स्थापितः 1 2 14-क मैस पर्यश्रेक्षक (ज्येष्ट केननमान) 14-ख फोरमैन 14-म भैम प्रयेश्रेक्षक (कनिष्ठ श्रेननमान) (2) स्तम्भ 2, प्रतिष्टियों के प्रशन्तःस्थापितः 1 2 (16-क सहायक फोरमेन (क) श्रमुभाग 7 में, (1) स्तम्भ 2, ष्टियों के पण्च। स्थापित की ज	2, 3 श्रीर 4 में अम संख्या पश्चात् निम्नलिखित अम मी जाएंगी, श्रशीत् : 3 205-7-240-8-280 रु० 175-6-205-7-240 रु० 130-5-160-8-200-द्वरो०-8-256-द० रो०-8-280 रु० 3 श्रीर 4 में अम संख्या 1 प्रचात् निम्नलिखित अम श्री जाएंगी, श्रद्धीत् : 3 150-5-175-6-205 रु० "राजपन्निन पव" उपशीर्ष के उश्रीर 4 में अम संख्या 3 श्री स् निम्नलिखित अम संख्या पाएंगी, श्रश्रीत् :	संख्या श्रीर प्रविष्टिय 4 330-10-380-दर्व रो०-12-500-द रो०-15-560 क विश्वीर उससे संबंधित संख्या श्रीर प्रविष्टिय 4 330-8-370-10- 400-द०रो०-10- 480 क् श्रीर प्रविष्टियां श्रतन स्रीर प्रविष्टियां श्रतन 4 650-30-740-35-
(4) पृष्ठ 6! के प्र तिवित्र पाद टि इन पर्यों के वर्तमान रम्भ 3 में नर्तमान वेतन रम्भ 4 के पुनरीक्षित वेत (3) भाग ग में, (फ प्रिचित्र	धस्तल में कम संख्या पणी श्र-तःस्थापित की में विभिन्न स्थापनों मे मान पदनामों को ध्य जिमानों संपरिवर्तित ि) श्रन्भाग 1 में, "राज 4 में कम संख्या 1 मौर मिलिकित कम संख्या एंगी, श्रश्वातः : 3 350-25-500-30- 590-दं रुरो०-30- 800 फ० में कम संख्या 3 श्रौर उ जपत्रित पद" उपणीर्ष श्रिवित्यां श्रन्तः स्थापित् 3 390-20-450-25- 175 ह० 335-15-125 फ० 250-10-290-15-	19 के पश्चात्, निस्नां जाएगी:————————————————————————————————————	(1) स्तम्भ प्रतिष्टियों के प्रन्तः स्थापितः 1 2 14-क मैस पर्यश्रेक्षक (ज्येष्ट केननमान) 14-म भेम प्रयेश्रेक्षक (कनिष्ठ श्रेननमान) (2) स्तम्भ 2, प्रतिष्टियों के प्रशन्तःस्थापितः 1 2 (16-क सहायक फोरमेन (क) प्रमुखार 7 में, (1) स्तम्भ 2, ष्टियों के पश्चा स्थापित की ज	2, 3 श्रीर 4 में अम संख्या पश्चात् निम्नलिखित अम स्थित निम्नलिखित अम सी जाएंगी, श्रश्यात् : 3 205-7-240-8-280 रु० 175-6-205-7-240 रु० 130-5-160-8-200-द०रो०-8-256-द० रो०-8-280 रु० 3 श्रीर 4 में अम संख्या । पश्चात् निम्नलिखित अम री जाएंगी, श्रश्यात् : 3 150-5-175-6-205 रु० "राजपन्निन पव" उपगीर्थ के 3 श्रीर 4 में अम संख्या अश्री स् निम्नलिखित अम संख्या पाएंगी, श्रश्यात् : 3 400-25-500-30- 590-द०रो०-30-	संख्या श्रीर प्रविष्टिय 4 330-10-380-द- रो०-12-500-द- रो०-15-560 रुः रो०-15-560 रुः संख्या श्रीर प्रविष्टिय 4 330-8-370-10- 400-द-रो०-10- 480 ६० श्रिथीन,— र समसे संश्रीधन श्रीव- श्रीर प्रविष्टियां श्रान्त 4 650-30-740-35- 810-द०रो०-35-
(4) पृथ्ठ 6! के प्र	धस्तल में कम संख्या पणी भ्र-तःस्थापित की में विभिन्न स्थापनों में विभिन्न स्थापनों में मान पदनामों को ध्या जिमानों मंपरिवर्तित जि अनुभाग 1 में, "राज 4 में कम संख्या 1 मीर पितिवित कम संख्या 1 मीर जिल्ला कम संख्या 1 मीर अर्थातः	19 के पश्चात्, निस्नां जाएगी:————————————————————————————————————	(1) स्तम्भ प्रतिष्टियों के प्रन्तः स्थापितः 1 2 14-क मैस पर्यश्रेक्षक (ज्येष्ट केननमान) 14-म भेम प्रयेश्रेक्षक (कनिष्ठ श्रेननमान) (2) स्तम्भ 2, प्रतिष्टियों के प्रशन्तःस्थापितः 1 2 (16-क सहायक फोरमेन (क) प्रमुखार 7 में, (1) स्तम्भ 2, ष्टियों के पश्चा स्थापित की ज	2, 3 श्रीर 4 में अम संख्या पश्चात् निम्नलिखित अम मी जाएंगी, श्रशीत् : 3 205-7-240-8-280 रु० 175-6-205-7-240 रु० 130-5-160-8-200-द्वरो०-8-256-द० रो०-8-280 रु० 3 श्रीर 4 में अम संख्या 1 प्रचात् निम्नलिखित अम श्री जाएंगी, श्रद्धीत् : 3 150-5-175-6-205 रु० "राजपन्निन पव" उपशीर्ष के उश्रीर 4 में अम संख्या 3 श्री स् निम्नलिखित अम संख्या पाएंगी, श्रश्रीत् :	संख्या श्रीर प्रविष्टिय 4 330-10-380-य- रो०-12-500-य- रो०-15-560 के संख्या श्रीर प्रविष्टिय 4 330-8-370-10- 400-य-०रो०-10- 480 क० श्रीर प्रविष्टियां श्रामा श्रीर प्रविष्टियां श्रामा 4 650-30-740-35-

200	THE GAZETTE OF INDIA.		
(2)	त्राम संख्या 4	: ''उप गीर्ष के प्रधीन, श्रीर उससे संबंधित म संदया और पविष्टि	प्रविष्टियों के पश्चात्
1	2	3	4
	ष्ट सिसंदर द्यूटर । नर्सिंग स्कल)	370-20-450-25- 47550	700-30-760-35-

1 2	3	4
4- क ज्येष्ट सिसटर ट्यूटर	370-20-450-25-	700-30-760-35-
(सेना नॉमग स्क्ल)	475年0	900 হ০
4-ख लोकस्वास्थ्य निसंग	250-10-290-15-	5 5 0- 2 0- 6 5 0- 2 5-
पर्यवेक्षक (सेन। नर्सिंग	380₹0	750 হল
स्कूल)		
4-ग महिला वार्डन	325-15-475 ह०]	
(ए०एफ०एम०सी०	(5 5 0- 2 0- 6 5 0- 2 5-
पूना)		750 হৃ৹
4-व मुख्य ग्रंग फिटर	335-15-485₹0∫	
4-क वाणी चिकित्सक	270-10-290-15-	470-15-530-द०
	-11()- व ्गा०-15-	रो- 20-650-द०
	485 ह	री०-25-750 ५०
4-च बार्डसिमटर .	210-10-290-15-	4 5 5- 1 5- 5 6 0-₹०
	320 E	710-20-700 To

(3) स्तम्भ 2, 3 श्रीर 4 में ऋम मंख्या 12 श्रीर उसमें संबंधित प्रविष्टियों के पण्यात्, मिस्नलिखित कम संख्या श्रीर प्रविष्टियां अन्तः स्थापित की जाएगी, प्रथति .—

1	2	3	4
	एक्सरे इलैक्ट्रीशियन इलैक्ट्रीणियन तथा निक	} 150-5-175-6-205- द०रो०-7-240 ह०	
	• • •	130-5-160-8-200- क्रो०-8-256-क्० चो०-8-280-10-	≻ 380-12-500-द० रो०-15-560 म०
1 2-4	श्चंग फिटर	300 ছ০ 175-6-205-7-240 ছ০	T

(च) मनुभाग 8 में, स्तम्भ 2, 3 घीर 4 में कम संख्या 48 घीर उससे संबंधित प्रविध्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अम संख्या घीर प्रविध्टियां घन्तःस्थापित की जाएंगी, श्रथत् ----

1 2	3	4
48-क क्लोनिक ग्रमुख्धान	210-10-290-15-	425-15-500-द०
सहायक	3 2 0-द ० रो ० - 1 5-	रो०-15-560-20-
	425 ₹ 0	700 60

(ज) अनुभाग 9 में, "राजपिबत पर" उपणीर्ष के प्रधीन-- (1) स्तम्भ 2, 3 और 4 में अम संख्या और उसमें संबंधित

(1) स्तरम 2, उन्नार कम त्रम सक्या और उत्तम सम्राज्य प्रविष्टियों के पञ्चात् निष्नितिक्षित क्षम संख्या और प्रविष्टियां भ्रम्तः स्थापित की जाएंगी, भ्रथीत् .---

1 2	3	4
 अधिकारी अधिकारी अधिकारी अधिकारी अधिकारी 	350-25-500-30- 590-द०रो०-30- 800-द०रो०-30- 830-35-900 म०	810-द०पो०-35- 810-द०पो०-35- 880-40-1000- द०पो०-40-1200 मृ०

(2) स्तम्भ 2, 3 भ्रोर 4 में कम संख्या 10 श्रोर उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित कम संख्या ग्रीर प्रविष्टियां श्रन्तःस्थापित की जायेंगी, श्रथित्:--

I 2	3	
10क फोरमैन (रेफ़ीज) } 10-ख फोरमैन र्	335-15-425-ব০গাঁ০ 15-485 দ০	5 5 0-2 0-6 5 0-2 5- 700 स्व
10-ग ज्येष्ठ आर्जमैन एसी मेक ए 10-घ ज्येष्ठ आर्जमैन एसी मैक ६ 10-इ ज्येष्ठ आर्जमैन आरमरर ज्येष्ठ आर्जमैन की एंड डब्ल्यू 10-इ ज्येष्ठ आर्जमैन की एंड डब्ल्यू 10-इ ज्येष्ठ आर्जमैन की एंड एस एम डब्ल्यू 10-इ ज्येष्ठ आर्जमैन का ज्येष्ठ आर्जमैन का व्येष्ठ आर्जमैन एक एम टी 10-इ ज्येष्ठ आर्जमैन एक एम टी 10-इ ज्येष्ठ आर्जमैन एम टी एस फ्री 10-इ ज्येष्ठ आर्जमैन एम टी एस फ्री 10-द ज्येष्ठ आर्जमैन पांटामक 10-स ज्येष्ठ आर्जमैन पांटामक 10-स ज्येष्ठ आर्जमैन पांटामक 10-स ज्येष्ठ आर्जमैन पांटामक 10-स ज्येष्ठ आर्जमैन पांटामक	250-10-290-15- > 320-दे०से०-15- 380 ह०	425~15~500~ব০ শং 15~560~20~700 স্ত

(3) स्तम्भ 2, 3 श्रौर 1 में अम संख्या 15 श्रौर उसमें सम्बन्धित प्रविष्टियों के पण्चात् निस्नलिखित कम संख्या श्रौर प्रविष्टियां श्रन्तःस्थापित की जाएंगी, श्रथीत् :--

10-ध ज्येष्ठ चार्जमैन एस 205-7-240-8-280 380-12-500-व॰रा॰

15-560 ቼው

(प्रयोगणाला कार्य मे पृथक कार्यके पदों के

निये)

ई डब्ल्स्

1	2	3	4
I 5 - -年 यक	प्रयोगशाला गहा-		(i) 380-12-500- द्रुव गोव-15-560- रुव श्रीत-15-560- रुव श्रीतानिक प्रयोग- मालायों, उत्पादन श्रीर निरीक्षण संग- टनों में पदों के लिये)
			(ii) 330-10-380- वर्गर-12-500-द रोज-15-560-क्

(4) भाग घ में,				2	3	4
	उपधारा (iii) के गण्चात्	् निम्नलिखित उप-		···		
श्चारा ग्रन्तःस्थापित	न की जायेगी, भ्रर्थात्≔⊸		(ii)	भ्रन्थ	1 3 0- 5- 1 6 0- 8- 2 0 0-	380-12-500-द०
(iv) पैरा चिकिन्मासय	स्टाफ	_	(**)	-, ,		
1 2	3	4			300 夏の	(फैक्टरी ग्रस्पतालीं/ प्रयोगणालास्रों से
''।. मेंट्रन		5 0- 2 0- 6 5 0 - 2 5-				मंलग्न)
	380 €∘	750 ह०	9.	रोगीबाहन चालक	131-4-155-३०मे०-	320-6-326-8-390
a	a.a.a.a.a.a.	{2 5- 1 5- 5 6 0- द ०		श्रेणी I	4-175-5-180 %	10-400 편の
 उबेल्ट नर्स श्रेणी 【) तांक स्थास्थ्य नर्स > श्रेणी 【 		र्रोज-20-700 हुए	10.	रोगीबाहन चालक श्रेणी II	1 1 0-3-1 3 1-4-1 3 9 ভূত	260-6-326-व०रो० 8-350 म०
ત્રળા '	ر		11.	वार्ड मास्टर	110-3-131-4-155-	260-6-290 - ₹०री०
4. ज्येष्ठ नर्स श्रेणी II	150-5-175-6-205- च०रो०-7-240-8-	•			द०रो०-4-175-5- 180 ह०	6-326-8-366-व० भौ०-8-390-10 -
2.5 5. कम्पाउण्डर च यन श्रेणी	6-वर्गोर-8-280 हरू 205-7-240-8-280	425-15-560-ৰ্ গাঁ০-20-640 স্			100 00	100 あo
	म् ०		12.	धातृ	1 1 0- 3- 1 3 1- 4- 1 5 5- ছ০	- 260- (⊢326-द०गे० 8-350 रु०
6. कम्पाउण्डर (भाधारण श्रेणी)	130-5-175-द्व०रो०- 6-205-7-212 द०	(i) 330-10-380- क्रो॰-12-500-			4.0	(उनके लिये जिनके पाम नर्सिंग/दायी के
અ.ગા /	रो०-7-240 मृ	द्रा । 15-560 हिं				कोर्स का डिप्लोमा
	, , , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	(उनके लिये जिनके				हो)
		पास फार्मेंसी ग्रधि-	1 2	. ड्रेसर (चयन श्रेणी)	110-3-125 ছ০	2 2 5- 5- 2 6 0- 6- 2 9 0-
		नियम 1948 की	13.	. ३१८ (जना जना)	110-3-113 40	य ०रो०-308 र ०
		धारा 31 फ्रीर 32				40410-308 40
		मे उल्लिखित ग्रहंताएं	IJ	. ड्रैमर (माधारण श्रेणी) _
		है किन्तु उनको प्रपवर्जित	1.7	. ग्रम्पताल का दर्जी	री०-3-110 ह० । 75-1-85-द०री०-2-	् 210-4-250-व०सो०- (5-270 र ०
		करते श्रुए जो उक्त प्रधिनियम की धारा	15	. ऋल्पताल पा द्जा	95-3-110 fig	3-270 40
		3 । के खण्ड (घ) के भ्रन्समंत भ्राप्ते हैं)		. नाई . ग्रस्पताल का रमोया ၂	75-1-85-व०२१०-2- 	200-3-206-4-234- द०गी०-4-250 रु०
		(ii) 330-8-370-	10	. भ्रवंली	1	
		1 ()- 4 () ()-च ० री ०-) () -		. मशालची	≻ 70-1-80-द०री०-1-	19C-3-22G-द०ग०-
		180 চ০	20	. भ्रम्पताल का झाड्कश	∫ ৪5 হ≎	3-2 32 50''
		(भ्रतहित ग्रौषध विज्ञा- नियों के लिये <mark>प्रय</mark> ति		(ख) ध्रनुभाग 2 में,		
, est		उनके लिये जो फार्मेस <u>ी</u>		(i) उपधारा	(iii) के पण्चात्, निम्न	लेखित उपधारा ग्रन्त:-
		ग्रधिनियम की धारा		≠थापित की ज	।येगी, श्रर्थात्ः⊸–	
		31 के अन्तर्गत आने हैं या जिनके पास ४०		(iv) पेरा चि	किश्मालय स्टाफ	
		खण्ड के अधीत राजस्ट्री योग्य अर्धनाए	1	2	3	4
		हैं) ।	"1	. मैट्रन	250-10-290-15- 380平。	550-20-650-25 - 750 হত
 रेडियो ग्राफर 	150-5-160-8-240-	330-10-380-ৰ্		 लोक स्वास्थ्य नर्सः 	210-10-290-15-	455-15-560-র
	द्व०गे०-४-280-10- 380 रु०	रो०-12-500-द० रो०-15-560 मृ	,	3. ज्येष्ठ नर्स श्रेणी 👢	プ 320年。	更10-20-700 野の
	380 45	(10-12-21) ii do		1. अथेष्ठ तर्स श्रेणी II	150~5-175-6-205	
 प्रयोगगाला तकनीकी 					द०२१०-7-240-8-	रो०-20-640 ह
(i) रसायन णास्त्र के	150-5-160-8-240-	380-12-300 - ছ০ই)০			25 ६-द ०सॅ०-४-	•
साथ बी०एम०सी०	व०गे०-8-280-10-	15-560 万0			280 স্ত	
	300 স্ত	(फैक्टरी ग्रस्पतालों /		 रेडियोग्राफर 	150-5-175-6-208	
		प्रयोगणालाखों से			বৃত্যীত-7-240 হ ০	रो०-12-500-द०
		स'लभ्न)				रो०-15-560 र०

तं समायावाद (बाह्याला 1308-5125-54-57-5-57-57-57-57-57-57-57-57-57-57-57-5	1	2	3	4	1	2	3	4
प्रश्ते - 7-240 पर वर्गे - 18-56 00 इनके क्षांक कि विकर्ष 18-5-19-60 कर 18-5-60-60		—– ाण्डर (साधारण		• •	["] ।. नर्स	श्रेशी I		
असर 31 और 32 की जिल्लाधन के से उक्ति स्वित के स्वाप्त के से अंति स्वत स्वत स्वत स्वत स्वत स्वत स्वत स्वत	<i>अथा)</i>			द०रो०-15-560 ६० [उनके लिये जिनके पास फार्मेसी ध्रधि-	2. नर्स श्रे	गी II	द०रो०- 7- 240- 8- 256-द०रो०- 8-	4 2 5- 1 5- 5 6 0-व ०
स्वा के समीत प्रसिद्ध के समुक्त में कि समीत प्रसिद्ध के समुक्त में कि समीम के समुक्त में कि समीत प्रसिद्ध के समुक्त में कि समीम के समुक्त में कि समीम के समुक्त में कि समीम के समुक्त में कि समीत प्रसिद्ध के समुक्त में कि समीत प्रसिद्ध के समुक्त में कि समीम के समीत प्रसिद्ध के समुक्त में कि समीम के समीत समीत किया जायेगा, समीत जायेगा, समीत जायेगा, समीत ज्याप के समीत समीत किया जायेगा, समीत ज्याप के समीत किया के समीत किया जायेगा, समीत ज्याप के समीत किया के समीत किया जायेगा, समीत ज्याप के समीत किया जायेगा, समीत ज्याप के समीत किया जायेगा, समीत ज्याप के समीत किया के समीत किया किया जायेगा, समीत ज्याप के समीत किया किया जायेगा, समीत ज्याप के समीत किया किया किया किया किया किया किया किया				धारा 31 और 32 की उल्लिखिल प्रहेताए हैं किन्तु उन को प्रपर्नाजत करते हुए जो उक्त प्रधि- नियम, की धारा 31 के खण्ड (घ) के प्रन्तगंत प्राते हैं) । (ii) 330-8-370- 10-480 रु० (प्रनहित प्रीषध विक्रानियों के लिये प्रधीनयम की धारा 31 के खण्ड (घ)		•	130-5-175-व०रो०- 6-205-7-212-व०	व० रो० -12-500- व०रो०-15-560 र० (उन व्यक्तियों के लिये जिनके पास फार्मेंसी प्रधिनियम, 1948 की धारा 31 प्रौर 32 में उस्लिखित प्रहेताएं हैं किन्तु उनको अपर्योजन करते हुए जो उक्त प्रधिनियम की धारा 31 के खण्ड (घ) के प्रन्तांग्त भाते हैं)। (ii) 330-8-370- 10-480 र०
8. प्रात् 110-3-131-4-155 260-6-326-व०रो०- 8-350 रु० (जनके सिये जिनके पास मसिंग वायियों के मनुक्रम में डिप्लोमा है) । 5. प्रयोगणाला मनदगर 75-1-85-व०रो०- 10. प्रयोगणाला परिचारक 75-1-85-द०रो०- 2-95 रु० रो०-3-110-रु० 70-1-85-द०रो०- 2-95 रु० व०रो०-4-250 रु० 11. प्रदंशी 70-1-80-व०रो०-1 2- भणालची 70-1-80-व०रो०-1 3- द्रशे०-4-250 रु० 11. प्रदंशी 70-1-80-व०रो०-1 3- द्रशे०-4-250 रु० 12. भणालची 70-1-80-व०रो०-1 3- द्रशे०-4-250 रु० 13- द्रशे०-4-250 रु० व०रो०-4-250 रु० व०रो०-4-250 रु० विस्तात का म्रवंशी 70-1-80-व०रो०- 1-85 रु० 3-232 रु० (ii) उपआन्ता परवार प्रीर उपणीर्ष प्रतःस्थापित किया जायेगा, प्रथति : (ए) भौदोगिक स्टाफ (ए) भौदोगिक स्टाफ (ग) धारा अ में, (i) उपधारा (iii) के प्रथात् निम्नलिखित उपधारा प्रम्तःस्थापित की जायेगी, प्रथति : (ग) धारा अ में, (i) उपधारा (iii) के प्रथात् निम्नलिखित उपधारा प्रम्तःस्थापित की जायेगी, प्रथति :				खण्ड के श्रधीन रजिस्ट्रीयोग्य श्र ह ेताएं				नियों के लिये ग्रर्थात् उनके लिये जो फार्मेसी प्रधिनियम की क्षारा
8-350 हरु (जनके लिये जिनके पास मिसिंग वायियों के प्रमुक्तम में डिप्लोमा है) । 5. प्रयोगणाला मन्द्रवग्र 75-1-85-वररोठ-3-110 5-270 हरु 9. ड्रैसर (घो॰जी॰) 80-1-85-2-95-द 210-4-250-वररोठ- रोठ-3-110-रुठ 5-270 हरु 10. प्रयोगणाला परिचारक 75-1-85-दरोठ- 2-95 हरु 2-95 हरु 2-95 हरु 2-95 हरु 3-232 हरु" 11. प्रदंशी 70-1-80-दरोठ-1- 12. मंगालची रिजार करिंग जिस्मा प्रमुख्या पर्वाप पर्वाप पर्वाप पर्वाप पर्वाप प्रमुख्या पर्वाप पर्वाप पर्वाप पर्वाप पर्वाप प्रमुख्या पर्वाप परवाप पर्वाप परवाप	7. कम्पाउ	ण्डर						जिनकी इस खण्ड के
9. ड्रैसर (म्रो०जी०) 80-1-85-2-95-द० 210-4-250-व०रो०- रो०-3-110-द० 5-270 ६० 10. प्रयोगणाला परिजारक 75-1-85-द०रो०- 2-95 ६० द०रो०-4-250 ६० 11. श्रदंली 70-1-80-द०रो०- 2-95 ६० द०रो०-4-250 ६० 11. श्रदंली 70-1-80-द०रो०- 12. मशालची 85 ६० 3-232 ६०'' पर, निम्नलिखित उप-अनुभाग और उपशीर्ष अन्तःस्थापित किया जायेगा, प्रथति :— (i) उपधारा (iii) के पश्चात् निम्नलिखित उपधारा अन्तःस्थापित किया और प्रथित के प्रथात (iii) उपधारा (iii) के पश्चात् निम्नलिखित उपधारा अन्तःस्थापित किया और प्रथित के प्रथात (iii) उपधारा (iii) के पश्चात् निम्नलिखित उपधारा अन्तःस्थापित किया और प्रथित किया विष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित कम संख्या (v) भ्रीद्योगिक स्टाफ'' (ग) धारा अमें,— (ग) धारा अमें,— (ग) धारा अमें,— (ग) धारा अमें,— (ग) अधारा (iii) के पश्चात् निम्नलिखित उपधारा अन्तःस्थापित की जायेंगी, प्रथित् :— (ग) धारा अमें,— (ग) ध	8. धात्		110-3-131-4-155	8-350 रु० (उनके लिये जिनके पास मर्सिंग दायियों के प्रमुक्तम में डिप्लोमा		गाना मन्द्रगार	95-व०रो०-3-110 कु०	अहंताएं हैं) । 210-4-250-द०रो०- 5-270 रू०
11. श्रवंशी 70-1-80-द्वर्गेर-1- 196-2-220-द्वर्गेर- 196-2-220	9. ड्रैंसर	(ম্বা৹জী৹)		2 1 0- 4- 2 5 0-च ० रो ०-			2-95 ह ०	
11. शर्वली	10. प्रयोगए	।।लापरिच1रक					B-84-711	
(i) उपधारा (iii) के पश्चात् निम्नलिखित उपधारा श्रम्तःस्थापित $\frac{1}{2} = \frac{3}{3} = \frac{4}{4}$ की जायेगी, श्रथित् :— $\frac{1}{24-3} = \frac{2}{24-3} = \frac{3}{24-3} = \frac{4}{110-3-131-4-143} = \frac{2}{260-6-326-40}$	12. मशाल ^र (i u	ं) उप-भ्रतुभाग र, निम्नलिखि केया जायेगा, श्र (v) श्रौद्योगि	70-1-80-देवरोव-1- 85 रूव iv और उप-भीषं (iv) त उप-प्रमुभाग और ।थित्:	196-2-220-द०रो०- 3-232 रु०'' श्रीद्योगिक स्टाफ के स्थान		निस्नेलिखित जायेगा, श्रर्थात् (V) 'श्रीब (III) उपधारा जससे संबंधित	उपधारा श्रीर उपगीर्घ : ोगिक स्टाफ'' ∨ में, स्तम्भ 2, 3 श्रीर 4 प्रविष्टियों के पश्चात्, नि	श्रन्तःस्थापित किया में कम मंख्या 24 धौर स्मिलिश्वत कम संख्या
की जायेगी, ग्रथित् : "24-क टरतर श्रेणी ख 110-3-131-4-143 260-6-326-द०-			ii) के पश्चात निम्नलिखि	वत उपधारा श्रन्तःस्थापित	1	2	3	4
		ती जायेगी, श्र ^थ	र्गत् :		"24=称	टरनर श्रेणी ख		

(घ) अनुभाग ४ में,			1	2	3	4
प्रविष्टियों के पर	र 4 में क्रम संख्या 4∶ चात्, निम्नलिखित क्रम ः जायेगी, प्रथत्ि:—			ाउइर (माधा- श्रेणी)	6-205-7-212-₹०	(i) 330-10-380- द० रो०-12-500-
1 2	3	4			रो-7-240 ए०	द०रो०-15-560 म० (अत्र व्यक्तियों के लिये
	205-7-240-8-280 夏o	425-15-560-द०रो० रो०-20-640-६०				जिनके पास फार्मेसी प्रधिनियम 1948 की
1 2	3	4				धारा 31 श्रौर 32 में उल्लिखित श्रईताएं
	130-5-175-वर्रो०- 6-205-वर्रो०-7-	(i) 330-10-380- 電。 計0-12-500-				हैं किन्तु उन को भ्रपत्रजित करते हुए,
,	240 চে	द०रो०-15-560 ६० (उन व्यक्तियों के लिये				जो उक्त श्रक्षिनियम कीधारा ३।केखंड (घ) के श्रन्तर्गत
		जिनके पास फार्मेसी श्रधिनियम 1948 की धारा 31 फ्रौर 32 में				माने हैं)। (ii) 330-8-370-
		उस्लिखित धर्हनाएं हैं किन्सु उनको ध्रपवर्जित करते हुए जो उक्त घ्रधिनियम				10-400-इ० रो०- 10-480 ६० (धर्नाहत ग्रोषध थिज्ञानियों के लिये
		की धारा 31 के खण्ड (घ) के ग्रन्तर्गत				प्रथात् उनके लिये जो फार्मेसी प्रधि- नियम 1948 की
		माते हैं) । (ii) 330-8-370- 10- 400-द०रो०- 10-480 ह०				धारा 31 के खण्ड (घ) के अन्तर्गत आते हैं, या जिनके
		(भ्रनहित भ्रौषध विकानियों के लिये भ्रथति् उनके लिये जो				पास इ स खण्ड <i>के</i> प्रधीन रजिस्ट्री प्रहेंताएंहैं।)
r		फार्मेसी अधिनियम की धारा 31 के खण्ड (घ) के अन्तर्गत आते हैं और जिनको स खण्ड के अधीन रजिस्ट्रीयीग्य आर्ह-	51-ग नः	र्स (भ्रनहिंत)	110-3-131-4-155 ইত	260-6-326-दर्गा 8-350 रुरु (उनके लिये जिनवे पास नॉसग/दायियों वे प्रानुक्रम में डिप्लोमा है)
, ,		ताएं हैं)।	———(ii)	प्रविष्टियों के	और 4 में क्रम संख्या पश्चात् निम्नतिखित कम की जायेंगी, धर्मात्: –	। संक् या ग्रौर ः प्रविष्टिय
	- परपार्, सम्मालाज्यस्य न की जाएगी, ग्रर्थात्ः~~					
1 2	3	4	<u> </u>		3 	4
66-क नर्सिंग भ्रवेली 66-स्त्र पणुचिकित्सा सह		द० 210-4-250-द०रो०- 5-270 ६०	-	हेसर (स <i>ध</i> ्यारण गि)	80-1-85-2-95-द० रो०-3-110 ४०	210-4-250-द०रो 5-270 ६०
प्रविष्टियों के	प्रौर 1 में क्रम संख्या	51 श्रौर उससे संबंधित कम संख्या श्रौर प्रविष्टियां	(ii	प्रविष्टियों के	प्रभीर 4 में क्रम संख्या पत्रवास्, निम्नलिखितः की जायेंगी, प्रथात्:	कम संख्या भ्रौर प्रविष्टिय
अन्त.स्था।पत 1 2	का जायगा, अथात्. — 	4	1	2	3	4
<u> </u>	ान 205-7-240-8-28		"59 - 布		80-1-85-2-95-द० रोक-3-110 हु०	210-4-250- व ०रीव

(iv) स्तम्भ 2, 3 श्रीर या में अम संख्या 70 श्रीर उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्नलिखिन अम संख्या श्रीर प्रविष्टियां श्रन्तःस्थापित औं जारोंगी, श्रश्रीत्:---

1	.3	3	4
7 ()⊸*₹	ध स्पताल का	- स्रदेली 🔪 70-1-80-द०र	To-1- 196-3-220 - प्रक्री
7 0-49	। श्राणालाला का क	। আছুকমা 🧷 ৪৪ হ৹	3-232 ছ০

स्पष्टीकारक ज्ञापन

रक्षा सेवाधों में सिविलियन (पुनरीक्षित बेतन) नियम 1973, जो वर्ग 2, वर्ग 3 और वर्ग 4 सेवा के रक्षा सिविलियन कर्मवारियों के बेतन-मान के बारे में तृतीय केन्द्रीय बेतन धायोग द्वारा की गई निफारियों पर सरकार के विनिय्वयों को कार्यान्वित करने के लिए प्रख्यापित किए गए हैं, एक जनवरी 1973 में प्रभावी किए गए हैं। उन नियमों की प्रथम प्रमुख्यों में वर्तमान संगोधन, जो विभिन्न पदों के पुनरीक्षित बेतनमान की उपद्यक्ति करने हैं, तदनुसार, उस तारीख से पुनरीक्षित बेतनमान की प्रमुख्याओं को विस्तारित करने के लिए 1 जनवरी, 1973 से प्रभावीं किये जाते हैं।

[गं० एफ० 14 (92) 73/डी (ग्रार्ट सी)] यी० जे० नेनगुष्ता, संयुक्त मन्तिव

नई दिल्ली, 9 प्रप्रैल, 1974

का० नि० मा० 11 ई.—संविधान के भ्रमुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करसे हुए, राष्ट्रपति रक्षा संज्ञालय की ग्रिधसूचना संख्या का०नि० मा० 26-ई तारीख 24 दिसम्बर, 1973 के साथ प्रकाशित रक्षा सेवाभ्रों में सिविलियन (पुनरीक्षित बेतन) नियम 1973 में संशोधन न करने के लिए निम्निखिल नियम एतद्वारा बनाते हैं, प्रथित् :—

- मंक्षिप्त नाम श्रीर प्रारम्भ --- (1) इन नियमों का नाम रक्षा सेवाधों
 में सिविलियन (पुनरीक्षित बेनन) द्वितीय संगोधन नियम 1974 है।
 - (2) वे जनवरी 1973 के प्रथम दिन प्रवृक्ष हुए समझे जाएंगें।
- प्रथम अनुसूची का संगोधन.—रक्षा सेवाओं में सिविलियन (पुनरीक्षित बेतन) नियम 1973 में, प्रथम अनुसूची में:—
 - (!) भाग क में---
 - (i) हाम्भ 2, 3 और 4 में कम संख्या 13 और उमसे सम्बन्धित प्रक्षिप्टियों के पश्चात्, "शजपत्रित पद" उपशीर्ष के प्रधीन निम्नलिखित कम संख्या और प्रविष्टियां अंतःस्थापित की जःएगी, प्रथति :---

क्रम	पर् गाम	वर्तमान योतननान	पुनरीक्षित वेतनमान
सं०			
- <u> </u>	2	3	4
1 3- ख 1 3- ग	सहायक निदेशक (सुर जा अल फिल और फोटो खण्ड फोट्र बेलिक प्रधि फोटोचिलिक प्रधि (साइन) (तकनीकी प्रधिष सहायक जन सम्प प्रधिकारी) कारी	650-30-740-35- 810-द० गे०-35- 880-40-1000- द०रो०-40-1200ह०

 (ii) स्तम्भ 2, 3 श्रीर 1 में कम संक्था 56 श्रीर उससे मम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चात्, "श्रराजपित्त पद" उप गीर्थ के श्रिधीन

निम्नलिखित कम संख्या भ्रीर प्रविष्टियां भ्रन्तःस्थापित की जाएंगी, प्रश्तत् :- -56-क ज्येष्ठ तकती**की** - 325-15-475-व० रो० 550-25-750-द० रो० **सहाय**क 20-575 ছ০ 30-900 ছ০ (iii) स्तम्भ 2, 3 ग्रीर 4 मे कम मंख्या 77ख ग्रीर उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के प्राचात निम्नलिखित कम संख्या धौर प्रविष्टियां अन्य:स्थापित की आएंगी, अर्थात् :⊶ 77—ग सुभोधन कलाकार 250-10-290-15-425-15-500-द० रो 380 ₹৹ 15-560-20-700ই০ (iv) स्तम्भ 2, 3 श्रीर 4 में कम संख्या 101-क श्रीर उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पण्चात्, निम्नलिखित क्रम संख्या भौर प्रविष्टियां भ्रन्त:स्थापित की जाएगी, भ्रर्थात् :---101-ख फिल्म पूरतकालय 150-10-250-द०रो० 330-10-380-द०रो०-10-190-35-320-६० 12-500-द०रो०-(v) स्तम्भ 2,3भीर 4 में कम संख्या 133 भीर उमसे मम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित कम संख्या ग्रीर प्रविष्टिया मन्तःस्थापित की जाएंगी, प्रश्नीत् :---133-क बिजली मिस्त्री 125-3-131-4-155 260-6-326-द०गे० 8-350 ₹० ₹o (2) भाग ग में, (क) ग्रनभाग 1, में उपणीर्ष "ग्रराजयित पद" के ग्रधीन, (i) स्तम्भ 2, 3 भ्रौर 4 में क्रम संख्या 8 भ्रौर उसमे सम्बन्धित प्रशिष्टियों के पण्चात् निम्नलिखित अस संख्या ग्रीर प्रविष्टियां त्रन्त:स्थापित की जाएंगी, त्रर्थात्:---4 8—क विद्यात लेपक 110-3-131-4-143- 260-6-326-इ०से ० द०रो०-4-155२० 8-350 Fo (ख) ग्रनुभाग 2 में, "ग्रराजपित्रित पद" उपशीर्ष के अधीन, (i) तम्भ 2, 3 भौर 4 में कम संख्या 13 भौर उससे सम्बन्धित प्रविदियों के पण्चात् निम्निलिखित कम संख्या और प्रविद्धियां ग्रन्त:स्थापित की जाएगी, **मर्थात्**:----13-क प्रयोगणाला महायक 150-5-160-8-200- 330-10-380-**र**०री० 12-500-बर्गे०-15 द०रो०-8-256-क्∘री०-8-280-10- 560 ह० 300 স্ত (ii) स्तम्भ 2, 3 और 4 में ऋम संख्या 17 और उससे सम्बन्धित प्रधिष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित कम संख्या धौर प्रविष्टियां ग्रन्तःस्थापित की जाएंगी, ग्रर्थात् :---17-क कस्याण पर्यवेक्षक 130-5-175-द०रो०- 330-8-370-10-400-द०रो०-10-480 म० 6-205 ह० (महिला)

प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित कम संख्या भीर प्रविष्टियां	1 2 3 4	
भन्तःस्थापित की जाएंगी, भर्थात् :	28-क भूमि मधीक्षक 130-5-160-8-200- 330-8-370-1 द०रो०-8-256 क० 400-द०रो०-1	
1 2 3 4	180 £0	
28-क रेमप्रिन्टर प्रचालक 28-क उपस्कर धौर बूट 75-1-85-द०रो०- 200-3-206-4-234- मुधारक 2-95 ह० द०रो०-4-250 ह० 28-ग बूट सुधारक	(6) स्तम्भ 2, 3 और 4 में क्रम संख्या 33 श्रीर उससे सम्ब प्रविष्टियों के पश्चात् तिम्तलिखित क्रम संख्या श्रीर प्रवि धन्तःस्थापित की जाएगी, श्रथीत्:	
 (ग) धनुभाग 3 में, स्तम्भ 2, 3, धीर 4 में क्रम संख्या 29-क धीर उससे सम्बन्धित प्रविध्दियों के पश्चात् निम्नलिखित कम संख्या 	1 2 3 4	
असस सम्बान्धत प्रावाध्दया के पश्चात् ।नम्नालाकात कम सक्या भ्रौर प्रविष्टियां भ्रन्तःस्थापित की जाएंगी, भ्रथीत् :	33-क स्टोरमैन (तकनीकी) 105-3-135 रु० 225-5-260-6 द०रो०-6-308	
1 2 3 4	(7) स्तम्भ 2,3 भीर 4 में कम संख्या 35 भीर उससे सम्ब	 इन्धित
29ख मोडल निर्माता 110-3-131-4-143- 260-6-326-द०रो०- द०रो०-4-155 ह० 8-350 रु०	प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित क्रम संख्या मौर प्रवि अन्त:स्थापित की जाएगी, मर्थात्:—	
(ष) मनुभाग 4 में, ¹	1 2 3 4	
(1) स्तम्भ 2, 3 और 4 में कम संख्या 8 और उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्तलिखित कम संख्या और प्रविष्टियो श्रन्तःस्थापित की जाएगी, धर्थात्:—	35क प्रयोगणाला) परिचारक	50 কণ 206-4 250 ক
8—क फोरमैन ड्रिक्स 450-25-575 ह० 700-30-760-35- (रोटरी) 900 ह०	(2) 196-3-2 व०शे०-3-232 (सीघी भर्ती	2 T o
प्रविष्टियों के पण्चात् मिम्नलिखित कम संख्या धौर प्रविष्टियां धन्तःस्थापित की जाएगी, धर्यात् :⊶— 1 2 3 4	(8) स्तम्भ 2,3 धौर 4 में कम संख्या 103 धौर उससे सम्ब प्रविष्टियों के पण्जात्, निम्नलिखित कम संख्या धौर प्रवि धन्त:स्थापित की जाएगी, धर्थात्:~⊸	
1 2 3 4	भन्तःस्थापतं का जाएगा, अयात् :	
16-क फोरमैन शिक्षक 250-10-290-15- 425-15-500-द०रो०- ट्रेड 350-द०रो०-15- 15-560-20-700 रु०	1 2 3 4	
16- क फोरमैन शिक्षक 250-10-290-15- 425-15-500-दे०री०- ट्रेड 350-द०री०-15- 15-560-20-700 र० 425 रु०	1 2 3 4 103-क पुस्तक बन्धक 75-1-85-द०रो०-2- 210-4-226-द०	
16-क फोरमैन शिक्षक 250-10-290-15- 425-15-500-दे॰रो०-दे॰रो०-दे॰रो०-15- 350-दे॰रो०-15- 15-560-20-700 र० 425 र० (3) स्तम्भ 2, 3 भीर 4 में कम संख्या 20 भीर उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्नलिखित कम संख्या भीर प्रविष्टियां	1 2 3 4	
16- क फोरमैन शिक्षक 250-10-290-15- 425-15-500-दे रो०- ट्रेड 350-दे रो०-15- 15-560-20-700 र० 425 रे० (3) स्तम्भ 2, 3 भौर 4 में कम संख्या 20 भीर अससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्नालिखित कम संख्या भौर प्रविष्टियां भ्रन्त:स्थापित की जाएगी, स्रथीत् :	1 2 3 4 103-क पुस्तक बन्धक 75-1-85-द०रो०-2- 210-4-226-द० 95-3-101-द०रो०-3 4-250-द०रो 110 रु० 290 रु० (9) स्तम्भ 2,3 ग्रीर 4 में कम संख्या 109 ग्रीर उससे सम्ब	° - 5- । न्धित
16-क फोरमैन शिक्षक 250-10-290-15- 425-15-500-दे॰रो०-दे॰रो०-दे॰रो०-15- 350-दे॰रो०-15- 15-560-20-700 र० 425 र० (3) स्तम्भ 2, 3 भीर 4 में कम संख्या 20 भीर उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्नलिखित कम संख्या भीर प्रविष्टियां	1 2 3 4 103-क पुस्तक बन्धक 75-1-85-द०रो०-2- 210-4-226-द० 95-3-101-द०रो०-3 4-250-द०रो 110 रु० 290 रु०	° - 5- । न्धित
16-क फोरमैन शिक्षक 250-10-290-15- 425-15-500-दे रो०-दे दे उठ 350-दे रो०-15- 15-560-20-700 रु० 425 रु० (3) स्तम्भ 2, 3 भौर 4 में कम संख्या 20 भौर उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्नलिखित कम संख्या भौर प्रविष्टियां भन्तःस्थापित की जाएगी, प्रथित् :	1 2 3 4 103-क पुस्तक बन्धक 75-1-85-द०रो०-2- 210-4-226-द० 95-3-101-द०रो०-3 4-250-द०रो 110 ०० 290 ०० (9) स्तम्भ 2,3 भीर 4 में कम संख्या 109 भीर उससे सम्ब	° - 5- । न्धित
16-क फोरमैन शिक्षक 250-10-290-15- 425-15-500-दे र रो०-द्रेड 350-दे र रो०-15- 15-560-20-700 र ० 425 र ० 15-560-20-700 र ० 425 र ० (3) स्तम्भ 2, 3 भीर 4 में कम संख्या 20 भीर उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्निलिखित कम संख्या भीर प्रविष्टियां भन्तःस्थापित की जाएगी, भ्रथित् :	1 2 3 4 103-क पुस्तक बन्धक 75-1-85-द०रो०-2- 210-4-226-द० 95-3-101-द०रो०-3 4-250-द०रो 110 रु० 290 रु० (9) स्तम्भ 2, 3 भौर 4 में कम संख्या 109 भौर उससे सम्भ प्रविष्टियों के पश्चात् निक्निलिखित कम संख्या भौर प्रविष् भन्त:स्थापित की जाएगीं, भर्थात् : 1 2 3 4 109-क पैकर श्रेणी 2 109-क पौर श्रेणी 2 (स्ट्रिकर) 95 रु० 4-250-द०रो० 109-ग मेट 200 रु०	०- 5- गन्धित स्टिया
16-क फोरमैन शिक्षक 250-10-290-15- 425-15-500-दे॰रो॰- ट्रेड 350-दे॰रो॰-15- 15-560-20-700 र॰ 425 र० (3) स्तम्भ 2, 3 भौर 4 में कम संख्या 20 भौर उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्नलिखित कम संख्या भौर प्रविष्टियां भ्रन्त:स्थापित की जाएगी, प्रथित्: 1 2 3 4 20-क लेखापाल (ज्येष्ठ) 210-10-290-15- 425-15-560-दे॰रो॰ 320-द०रो॰-15- 20-640 र॰ 380 र॰ (4) स्तम्भ 2, 3 भौर 4 में कम संख्या 26 भौर उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्लिखित कम सं॰ भौर प्रविष्टियां भन्त:स्थापित की जाएगी, प्रथित्:	1 2 3 4 103-क पुस्तक बन्धक 75-1-85-द०रो०-2- 210-4-226-द० 95-3-101-द०रो०-3 4-250-द०रो 110 रु० 290 रु० (9) स्तम्भ 2, 3 भौर 4 में कम संख्या 109 भौर उससे सम्स प्रविष्टियों के पश्चात् निष्निलिखित कम संख्या भौर प्रविष् भन्त:स्थापित की जाएगीं, भर्यात् : 1 2 3 4 109-क पैकर श्रेणी 2 109-क पौर श्रेणी 2 109-क फायरमैन (प्राप्त श्रिणेन	०-5- प्रिचित्त चिट्टयां
16-क फोरमैन शिक्षक 250-10-290-15- 425-15-500-दे॰रो०-देंड 350-दे॰रो०-15- 15-560-20-700 रु० 425 रु० (3) स्तम्भ 2, 3 भौर 4 में कम संख्या 20 भौर उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्निलिखत कम संख्या भौर प्रविष्टियों भ्रान्त:स्थापित की जाएगी, प्रथित्: 1 2 3 4 20-क लेखापाल (ज्येष्ठ) 210-10-290-15- 425-15-560-दे॰रो० 320-दे॰रो०-15- 20-640 रु० 380 रु० (4) स्तम्भ 2, 3भौर 4 में कम संख्या 26 भौर उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्लिखित कम सं० भौर प्रविष्टियों भ्रान्त:स्थापित की जाएगी, प्रथित्: 1 2 3 4 26-क ज़िलर रोटरी 205-7-240-8-280ह० (ग्राचात्)	1 2 3 4 103-क पुस्तक बन्धक 75-1-85-द०रो०-2- 210-4-226-द० 95-3-101-द०रो०-3 4-250-द०रो 110 रु० 290 रु० (9) स्तम्भ 2, 3 भीर 4 में जम संख्या 109 भीर उससे सम्ध प्रविष्टियों के पश्चात् निष्नलिखित कम संख्या भीर प्रवि भन्तःस्थापित की जाएगीं, मर्थात् : 1 2 3 4 109-क पैकर श्रेणी 2 109-क चारपाई रज्जुक (स्ट्रिन्जर) 95 रु० 4-250-द०रो० 109-म मेट 290 रु० 109-क फायरमैन (प्रिन्न सिमारेगों से म्रान्यया) 250/- रु०	०-5-
16-क फोरमैन शिक्षक 250-10-290-15- 425-15-500-दे॰रो॰- ट्रेड 350-दे॰रो॰-15- 15-560-20-700 र॰ 425 र० (3) स्तम्भ 2, 3 भौर 4 में कम संख्या 20 भौर उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्नलिखित कम संख्या भौर प्रविष्टियां भ्रन्त:स्थापित की जाएगी, प्रथित्: 1 2 3 4 20-क लेखापाल (ज्येष्ठ) 210-10-290-15- 425-15-560-दे॰रो॰ 320-द०रो॰-15- 20-640 र॰ 380 र॰ (4) स्तम्भ 2, 3 भौर 4 में कम संख्या 26 भौर उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्लिखित कम सं॰ भौर प्रविष्टियां भन्त:स्थापित की जाएगी, प्रथित्:	1 2 3 4 103-क पुस्तक बन्धक 75-1-85-द०रो०-2- 210-4-226-द० 95-3-101-द०रो०-3 4-250-द०रो 110 रु० 290 रु० (9) स्तम्भ 2, 3 भीर 4 में कम संख्या 109 भीर उससे सम्भ प्रविष्टियों के पश्चात् निष्निलिखित कम संख्या भीर प्रवि भन्तःस्थापित की जाएगीं, मर्थात् : 1 2 3 4 109-क पैकर अणी 2 109- ख चारपाई रज्जुक (स्ट्रिन्जर) 95 रु० 4-250-द०रो०-2- 290 रु० (स्ट्रिन्जर) 95 रु० 4-250-द०रो०-1-109- क कोयला द्रिमर 109-क कायरमैन (प्रविन सेवाभों से ग्रन्थया) (कर्मचारियों 250/- रु० प्रकम के केवल उनके तरु	o-5
16-क फोरमैन शिक्षक 250-10-290-15- 425-15-500-दे॰रो०-दे॰रो०-दे॰रो०-दे॰रो०-15- 15-560-20-700 रु० 425 रु० (3) स्तम्भ 2, 3 भौर 4 में कम संख्या 20 भौर अससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्नलिखित कम संख्या भौर प्रविष्टियों भ्रान्तःस्थापित की जाएगी, प्रथित् : 1 2 3 4 20-क लेखापाल (ज्येष्ठ) 210-10-290-15- 425-15-560-द०रो० 320-द०रो०-15- 20-640 रु० 380 रु० (4) स्तम्भ 2, उभौर 4 में कम संख्या 26 भौर जससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्लिखित कम सं० भौर प्रविष्टियों भ्रान्तःस्थापित की जाएगी, प्रथित् : 1 2 3 4 26-क बुलर रोटरी 205-7-240-8-280६० (श्राभात) 26-ख लेखापाल (कनिष्ठ) 130-5-160-8-200- 330-10-380-ब०रो० प॰रो०-8-256-द०रो०- -12-500-द०रो०-15	1 2 3 4 103-क पुस्तक बन्धक 75-1-85-द०रो०-2- 210-4-226-द० 95-3-101-द०रो०-3 4-250-द०रो 110 रु० 290 रु० (9) स्तम्भ 2, 3 भौर 4 में कम संख्या 109 भौर उमसे सम्भ प्रविष्टियों के पश्चात् निष्निलिखित कम संख्या भौर प्रविष् भन्त:स्थापित की जाएगीं, भर्यात् : 1 2 3 4 109-क पैकर श्रेणी 2 109-क वारपाई रज्जुक (स्ट्रिन्जर) 109-ग मेट 95 रु० 4-250-द०रो० 109-क कोयला द्रिमर 109-क कायलमेन (प्रान्न सेवाभ्रों से म्रन्यथा) 75-1-85-द०रो०-2- 210-4-226-द 4-250-द०रो० 290 रु० (कमंवारियों 250/- रु० प्रकम के केवल उनके तर्द श्रेणी में 85-रुपये के विष	०-5-

l	2	3	4
			— लागू होने वाले
			मापमान का विहित
		,	ट्रेड प्रशिक्षण उत्तीर्ण
			करने के श्र ध्यधीन
			रहते हुए ग्रापसर
	,		करने की अनुज्ञा
			देनी चाहिए) ।
			441 4116 2) 1
(1)	_	द" उपलीर्ष के ग्रधीन ि	
		ासंख्या 35 से 39 सक	•
		स्तम्भ 2,3 स्रौ र 4 में	~
1	किए गए अन्म	संख्या 39 फ्रौर उससे रू	प्रम्बन्धित प्रविष्टियों के
	पश्चात्, निम्नस् की जाएगी, ध	त्रेखित कम संख्या ग्रीर प्रर्थात्:	प्रविष्टियां भ्रन्तःस्थापित
1	2	3	4
io. णारीति	रकप्रशिक्षण	130-5-160-8-200-	330-10-380-द०रो०-
सहाय	िक	र ०रो०-8-256-8-	12-500-दं०रो०-
•		280-10-300 ₹∘	15-560 হ৹
		गण्जात् निम्नलिखित कम की जाएंगी, ग्रथितः —	र संख्या श्रार प्राविष्टिया
l 	2	3	4
	<u>2</u> च प्रचालक	· —— · —— · ——-	
		· —— · —— · ——-	330-8-370-10-400
 1-2—^फ विन 	च प्रचालक	175-6-205-7-240- 8-256 ত্	- 330-8-370-10-400 दर्गे०-10-480 रू०
 1-2 के विक (3)	च प्रचालक 	175-6-205-7-240- 8-256 रु० र 1 में कम संख्या 10	- 330-8-370-10-400 द०रो०-10-480 ६० 9 श्रीर उससे सम्बन्धित
 12—क विन (3)	त्र प्रचालक स्तम्भ 2, 3 भी प्रविष्टियों के प	175-6-205-7-240- 8-256 ত্	- 330-8-370-10-400 द०रो०-10-480 रू० 9 श्रौर उससे सम्बन्धित । संख्या श्रौर प्रविष्टियां
 12—क विन (3)	त्र प्रचालक स्तम्भ 2, 3 भी प्रविष्टियों के प	175-6-205-7-240- 8-256 रु० र 1 में क्रम संख्या 10 प्रचात्, निम्नलिखित क्रम	- 330-8-370-10-400 द०रो०-10-480 रू० 9 श्रौर उससे सम्बन्धित । संख्या श्रौर प्रविष्टियां
42 के विन (3)	च प्रचालक स्तम्भ 2, 3 भी प्रविष्टियों के प्र भन्तःस्थापित 2	175-6-205-7-240- 8-256 रु० र ा में कम संख्या 10 प्रचात्, निम्नलिखित क्रम की जाएगी, ग्रर्थात्:	330-8-370-10-400 दर्गे०-10-480 ६० १ भ्रोर उससे सम्बन्धित । संख्या भ्रोर प्रविष्टियां
42 के विन (3)	त्र प्रचालक स्तम्भ 2, 3 भी प्रविष्टियों के प्रभन्तःस्थापित 2	175-6-205-7-240- 8-256 रु० र 1 में कम संख्या 10 प्रचात्, निम्नलिखित कम की जाएगी, ग्रर्थात्:	330-8-370-10-400 दर्गे०-10-480 ६० १ भ्रोर उससे सम्बन्धित । संख्या भ्रोर प्रविष्टियां
42-क विन (3) 1 109-क स	च प्रचालक स्तम्भ 2, 3 भौ प्रविष्टियों के प्र भन्तःस्थापित 2 हायक मुद्रक श्रेण	175-6-205-7-240- 8-256 रू० र 1 में कम संख्या 10 प्रचात्, निम्नलिखित कम की जाएगी, भ्रथात्: 3	330-8-370-10-400 द०रो०-10-480 ६० १ श्रीर उससे सम्बन्धित । संख्या और प्रविष्टियां
42-क विन (3) 1 109-क स	च प्रचालक स्तम्भ 2, 3 भी प्रविष्टियों के प्र भन्तःस्थापित 2 हायक मुद्रक श्रेण	175-6-205-7-240-8-256 रु० र 1 में कम संख्या 10 प्रचात्, निम्नलिखित क्रम की जाएगी, अर्थात्: 3 रि 75-1-85 द०रों०-2- 95 रु० र 4 में कम संख्या 12	- 330-8-370-10-400 दर्गे०-10-480 रु० १ श्रीर उससे सम्बन्धित । संख्या श्रीर प्रविष्टियां - - - - - - - - - - - - - - - - - - -
42-क विन (3) 1 109-क स	च प्रचालक स्तम्भ 2, 3 भौ प्रविष्टियों के प्र भन्तःस्थापित 2 हायक मुद्रक श्रेण ति 4 स्तम्भ 2, 3 भ	175-6-205-7-240-8-256 रु० र 1 में अम संख्या 10 एचात्, निम्नलिखित अम की जाएगी, अर्थात्: 3 ि 75-1-85 द०रों०-2- 95 रु० ीर 4 में कम संख्या 12	- 330-8-370-10-400 द०रो०-10-480 रू० १ श्रीर उससे सम्बन्धित । संक्ष्या श्रीर प्रविष्टियां - - - - - - - - - - - - - - - - - - -
42-क विन (3) 1 109-क स	च प्रचालक स्तम्भ 2, 3 भौ प्रविष्टियों के प्र भन्तःस्थापित 2 हायक मुद्रक श्रेण ति 4 स्तम्भ 2, 3 भ	175-6-205-7-240-8-256 रु० र 1 में कम संख्या 10 प्रचात्, निम्नलिखित क्रम की जाएगी, अर्थात्: 3 रि 75-1-85 द०रों०-2- 95 रु० र 4 में कम संख्या 12	- 330-8-370-10-400 द०रो०-10-480 रू० १ श्रीर उससे सम्बन्धित । संक्ष्या श्रीर प्रविष्टियां - - - - - - - - - - - - - - - - - - -
42-क विन (3) 1 109-क स	च प्रचालक स्तम्भ 2, 3 भौ प्रविष्टियों के प्र भन्तःस्थापित 2 हायक मुद्रक श्रेण ति 4 स्तम्भ 2, 3 भ	175-6-205-7-240-8-256 रु० र 1 में अम संख्या 10 एचात्, निम्नलिखित अम की जाएगी, अर्थात्: 3 ि 75-1-85 द०रों०-2- 95 रु० ीर 4 में कम संख्या 12	- 330-8-370-10-400 द०रो०-10-480 रू० १ श्रीर उससे सम्बन्धित । संक्ष्या श्रीर प्रविष्टियां - - - - - - - - - - - - - - - - - - -
(3) (3) 1 109~क स श्रेण (4)	च प्रचालक स्तम्भ 2, 3 भौ प्रविष्टियों के प्र भन्तःस्थापित 2 हायक मुद्रक श्रेण ति 4 स्तम्भ 2, 3 भ प्रविष्टियों के प्र	175-6-205-7-240-8-256 रु० र 1 में अम संख्या 10 एचात्, निम्नलिखित अम की जाएगी, प्रथित्: 3 ि 75-1-85 द०रों०-2- 95 रु० ौर 4 में अम संख्या 12 पण्चात् निम्नलिखित अम की जाएगी, प्रथित्:	330-8-370-10-400 द०रो०-10-480 रू० 9 श्रीर उससे सम्बन्धित । संक्ष्या श्रीर प्रविष्टियां - 4 200-3-206-4-234- द०रो०4-250 रू० 0 श्रीर उससे सम्बन्धित । संक्या श्रीर प्रविष्टियां
12फ विन् (3) 109क स श्रीण (4)	च प्रचालक स्तम्भ 2, 3 भौ प्रविष्टियों के प्रभन्तःस्थापित 2 हायक मुद्रक श्रेण ति 4 स्तम्भ 2, 3 भ प्रविष्टियों के प्रभन्तःस्थापित	175-6-205-7-240- 8-256 रु० र 1 में क्रम संख्या 10 प्रचात्, निम्नलिखित क्रम की जाएगी, प्रथात्: 3 ि 75-1-85 द०रों०-2- 95 रु० र 4 में क्रम संख्या 12 पण्चात् निम्नलिखित क्रम की जाएगी, प्रथात्:	330-8-370-10-400 द०रो०-10-480 रू० 9 श्रीर उससे सम्बन्धित । संक्ष्या श्रीर प्रविष्टियां ————————————————————————————————————
(3) (3) 1 109—क स श्रेण (4)	च प्रचालक स्तम्भ 2, 3 भौ प्रविष्टियों के प्र भन्तःस्थापित 2 हायक मुद्रक श्रेण ति 4 स्तम्भ 2, 3 भ प्रविष्टियों के प्र	175-6-205-7-240-8-256 रु० र 1 में क्रम संख्या 10 प्रचात्, निम्नलिखित क्रम की जाएगी, प्रथित्: 3 ि 75-1-85 द०रों०-2- 95 रु० र 4 में क्रम संख्या 12 प्रण्यात् निम्नलिखित क्रम की जाएगी, प्रथित्: 3	330-8-370-10-400 द०रो०-10-480 ६० १ श्रीर उससे सम्बन्धित संख्या श्रीर प्रविष्टियां 4 200-3-206-4-234- द०रो० 4-250 ६० १ श्रीर उससे सम्बन्धित संख्या श्रीर प्रविष्टियां
(3) (3) 109~क स श्रेण (4)	च प्रचालक स्तम्भ 2, 3 धौ प्रविष्टियों के प्र श्रन्तःस्थापित 2 हायक मुद्रक श्रेण रितम्भ 2, 3 धौ प्रविष्टियों के प्र श्रन्तःस्थापित 2 रितम्भ 2	175-6-205-7-240-8-256 रु० र 1 में ऋम संख्या 10 प्रचात्, निम्निलिखित ऋम की जाएगी, अर्थात्: 3 ि 75-1-85 द०रों०-2- 95 रु० र 4 में ऋम संख्या 12 पण्चात् निम्निलिखित ऋम की जाएगी, अर्थात्: 3 75-1-85-द०रो०- 2-95 रु०	330-8-370-10-400 द०रो०-10-480 ६० १ श्रीर उससे सम्बन्धित । संख्या श्रीर प्रविष्टियां - - - - - - - - - - - - - - - - - - -
(3) (3) 109~क स श्रेण (4)	च प्रचालक स्तम्भ 2, 3 भौ प्रविष्टियों के प्र भन्तःस्थापित 2 हायक मुद्रक श्रेण ति 4 स्तम्भ 2, 3 भ प्रविष्टियों के प्र भन्तःस्थापित 2 ल्कनाइजर श्रमुभाग 8 में, स्तम्भ 2, 3 प्र	175-6-205-7-240-8-256 रु० र 1 में अम संख्या 10 एचात्, निम्नलिखित अम की जाएगी, अर्थात्: 3 ि 75-1-85 द०रों०-2- 95 रु० ौर 4 में अम संख्या 12 पण्चात् निम्नलिखित अम की जाएगी, प्रथित्: 3 75-1-85-द०रों०- 2-95 रु०	- 330-8-370-10-400 द०रो०-10-480 ६० १ श्रीर उससे सम्बन्धित । संख्या श्रीर प्रविष्टियां
(3) (3) 109~क स श्रेण (4)	स्तम्भ 2, 3 भौ प्रविष्टियों के प्र भन्तःस्थापित 2 हायक मुद्रक श्रेण ति 4 स्तम्भ 2, 3 भ भन्तःस्थापित 2 ल्कानाइजर श्रनुभाग 8 में, स्तम्भ 2, 3 भ प्रविष्टियों के	175-6-205-7-240-8-256 रु० र 1 में अम संख्या 10 एचात्, निम्नलिखित अम की जाएगी, अर्थात्: 3 ि 75-1-85 द०रों०-2- 95 रु० ौर 4 में अम संख्या 12 पण्चात् निम्नलिखित अम की जाएगी, प्रथित्: 3 75-1-85-द०रों०- 2-95 रु०	- 330-8-370-10-400 द०रो०-10-480 ६० १ श्रीर उससे सम्बन्धित । संख्या श्रीर प्रविष्टियां
12 क विन (3) 109 क स श्रीण (4)	स्तम्भ 2, 3 भौ प्रविष्टियों के प्र भन्तःस्थापित 2 हायक मुद्रक श्रेण ति 4 स्तम्भ 2, 3 भ भन्तःस्थापित 2 ल्कानाइजर श्रनुभाग 8 में, स्तम्भ 2, 3 भ प्रविष्टियों के	175-6-205-7-240-8-256 रु० र 1 में क्रम संख्या 10 प्रचात्, निम्नलिखित क्रम की जाएगी, प्रथात्: 3 ि 75-1-85 द०रों०-2- 95 रु० र 4 में क्रम संख्या 12 प्रण्वात् निम्नलिखित क्रम की जाएगी, प्रथात्: 3 75-1-85-द०रों०- 2-95 रु० प्रौर 4 में क्रम संख्या 7 पर्यात निम्नलिखित क्रम	- 330-8-370-10-400 द०रो०-10-480 ६० १ श्रीर उससे सम्बन्धित । संख्या श्रीर प्रविष्टियां
(3) (3) 1 109-क स श्रेण (4) 120-क व (घ)	स्तम्भ 2, 3 भौ प्रविष्टियों के प्र भन्तःस्थापित 2 हायक मुद्रक श्रेण ति 4 स्तम्भ 2, 3 भ प्रविष्टियों के प्र भन्तःस्थापित 2 ल्कनाइजर प्रमुभाग 8 में, स्तम्भ 2, 3 प्र प्रविष्टियों के भ्रन्तःस्थापित व	175-6-205-7-240-8-256 रु० र 4 में क्रम संख्या 10 प्रचात्, निम्नलिखित क्रम की जाएगी, प्रथित्: 3 र 75-1-85 द०रों०-2- 95 रु० र 4 में क्रम संख्या 12 प्रचात् निम्नलिखित क्रम की जाएगी, प्रथित्: 3 75-1-85-द०रों०- 2-95 रु० प्रोर 4 में क्रम संख्या 7 परचात निम्नलिखित क्रम की जाएंगी, प्रथित्:	330-8-370-10-400 दिंग्सेल निव्या संख्या और प्रविष्टियां 4 200-3-206-4-234-दिंग्सेल संख्या और प्रविष्टियां 4 200-3-206-4-234-दिंग्सेल संख्या और प्रविष्टियां 4 196-3-220-दिंग्सेल संख्या और प्रविष्टियां 4 196-3-220-दिंग्सेल संख्या और प्रविष्टियां म संख्या और प्रविष्टियां
(3) (3) 1 109~क स श्रेण (4) 120~क व (घ)	च प्रचालक स्तम्भ 2, 3 धौ प्रविष्टियों के प्र धन्तःस्थापित 2 हायक मुद्रक श्रेण ति 4 स्तम्भ 2, 3 धौ प्रविष्टियों के प्र धन्तःस्थापित 2 लकनाइजर प्रमुभाग 8 में, स्तम्भ 2, 3 ध्र प्रविष्टियों के ध्रम्तःस्थापित व	175-6-205-7-240-8-256 रु० र 1 में क्रम संख्या 10 प्रचात्, निम्नलिखित क्रम की जाएगी, प्रथात्: 3 ि 75-1-85 द०रों०-2- 95 रु० ौर 4 में क्रम संख्या 12 पण्चात् निम्नलिखित क्रम की जाएगी, प्रथात्: 3 75-1-85-द०रों०- 2-95 रु० प्रौर 4 में क्रम संख्या 7 पण्चात निम्नलिखित क्रम	330-8-370-10-400 द०रो०-10-480 ६० १ और उससे सम्बन्धित संख्या और प्रविष्टियों — 4 200-3-206-4-234-द०रो०-4-250 ६० १ और उससे सम्बन्धित संख्या और प्रविष्टियों — 4 196-3-220-द०रो०-3-232 ६० 74 भौर उससे सम्बन्धित म संख्या और प्रविष्टियों — 4 320-6-326-8-
(3) (3) 1 109-क स श्रेण (4) 120-क व (घ)	च प्रचालक स्तम्भ 2, 3 धौ प्रविष्टियों के प्र धन्तःस्थापित 2 हायक मुद्रक श्रेण ति 4 स्तम्भ 2, 3 धौ प्रविष्टियों के प्र धन्तःस्थापित 2 लकनाइजर प्रमुभाग 8 में, स्तम्भ 2, 3 ध्र प्रविष्टियों के ध्रम्तःस्थापित व	175-6-205-7-240-8-256 रु० र 4 में क्रम संख्या 10 प्रचात्, निम्नलिखित क्रम की जाएगी, प्रथित्: 3 र 75-1-85 द०रों०-2- 95 रु० र 4 में क्रम संख्या 12 प्रचात् निम्नलिखित क्रम की जाएगी, प्रथित्: 3 75-1-85-द०रों०- 2-95 रु० प्रोर 4 में क्रम संख्या 7 परचात निम्नलिखित क्रम की जाएंगी, प्रथित्:	330-8-370-10-400 दिंग्सेल निव्या संख्या और प्रविष्टियां 4 200-3-206-4-234-दिंग्सेल संख्या और प्रविष्टियां 4 200-3-206-4-234-दिंग्सेल संख्या और प्रविष्टियां 4 196-3-220-दिंग्सेल संख्या और प्रविष्टियां 4 196-3-220-दिंग्सेल संख्या और प्रविष्टियां म संख्या और प्रविष्टियां

(ii) स्तम्भ 2, 3 धौर 4 में कम संख्या 76 धौर उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चात निम्नलिखित कम संख्या और प्रविष्टियां श्रन्त:स्थापित की जाएंगी, धर्थात्:--

1	2	3	4
76-क टिन्डल	ई० भार०	100-8-130 ₹৹	225-5-260-6- 290- ব০ ছৌ০-6- 308 ছ০

(iii) स्तम्भ 2, 3 ग्रौर 4 में कम संख्या 99 ग्रौर उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पण्चात निम्नलिखित कम संख्या ग्रौर प्रविष्टियां ग्रन्त:स्थायित की जाएंगी, ग्रथांसु:---

1	2	3	4
99-क ट्रेक	टर चालक	110-3-131-4-139 50	260-6-326-व० रो०-8-350 र ०

(iv) स्तम्भ 2, 3 भौर 4 में क्रम संख्या 153 भौर उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चात निम्नलिखित क्रम संख्या भौर प्रविष्टियां भ्रन्त:स्थापित की जाएंगी, भर्थात्:—

I	2	3	4
153−₹	मुख्य माली	75-1-85-द० रो० -	200-3-206-4-
153-04	जमादार	2-95 €0	234-द० रो०-4-
		•	250 %o

(v) स्तम्भ 2, 3 और 4 में कम संख्या 156 श्रीर उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्नलिखित कम संख्या श्रीर प्रविष्टियां श्रन्तःस्थापित की आएगी, ग्रथातः —

I	2	3	4
156—क महि	ला भन्वेषक	70-1-80-द० रो०-	196-3-220-द० रो०-
156-ख फार	ाश	1-85 र०	3-232 ই০

- (छ) धनुभाग (IX) में,
- (i) स्तम्भ 2 में, कम संख्या 7 के सामने, "कानिष्ठ वैज्ञानिक सहायक" प्रविद्धि के स्थान पर "कानिष्ठ वैज्ञानिक सहायक, श्रेणी 1" प्रविद्धि प्रतिस्थापित की जाएगी।
- (ii) स्तम्भ 2, 3 और 4 में क्रम संख्या 34 और उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चात, निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टियाँ ग्रन्त:स्थापित की जाएगी, ग्रर्थात्:---

1	2	3	4
34-不	फैरो मुद्रक	85-2-95-3-110-	210-4-226-40-
	v	द० रो०-3-128	रो०-4-250 -व ०
		₹०	रो०-5-290 ४०

(3) भागच में,

धनुभाग 1 में,

(i) कम संख्या 22 के सामने स्तम्भ 4 में,
 "260-6-290-द०रो०-6-326-8-366-द०रो०-8-390-10-400 घन 20/- र० विशेष वेतन" प्रविष्टि के स्थान पर,
 "260-6-290-द०रो०-6-326-8-366-द०रो०-8-390-10-400 घन 20/- र० विशेष वेतम (वर्तमान पदधारियों के लिए उम समय तक जब तक कि वे प्रहुंब परीक्षण उतीर्ण करते हैं या सेवा निवृत्त होते हैं) प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी।

- (ii) कम संख्या 35 के सामने, स्तम्भ 2 में, "सिविलियन मोटर जालक (भारी यान)" प्रविष्टि के स्थान पर, "सिविलियन मोटर चालक श्रेणी 1" प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जायेगी।
- (iii) ऋम संख्या 36 के सामने, स्तम्भ 2 में, "सिविलियन मोटर चालक (प्रस्प भार यान)" प्रविष्टि के स्थान पर "सिविलियन मोटर चालक श्रेणी 2" प्रविष्टि प्रति-स्थापित की जाएगी।
- (iv) क्रम संख्या 41, 42 भ्रौर 43 के सामने, स्तम्भ 2, 3 भ्रौर 4 में सम्बन्धित प्रविष्टियों का लोग किया जाएगा।
- (v) क्रम संख्या 54 के सामने स्तम्भ 2 में, "प्रभिनेख संभरक (सप्लायर)" प्रविद्धि के स्थान पर "ग्रभिनेख संभरक/सोरटर" प्रविद्धि प्रतिस्थापित की जाएगी।
- (ख) अनुभाग 2 में,
- 'कम संख्या 14 के सामने स्तम्भ 4 में,

 "260-6-290-द० राज-6-326-8-366-द० राज-390-10-400
 धन 20 ए० विशेष वेतन" प्रविष्टि के स्थान पर,

 "260-6-290-द० रोज-6-326-8-366-द०रोज-8-390-10400 धन 20 ए० विशेष वेतन वर्तमान पदधारियों के लिए उस समय तथ जब तक कि वे प्रहेंक परीक्षण उतीणं करते हैं या सेवा निवृत्त होते हैं)" प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी।
- (ग) श्रतुभाग 3 में,
 अन संख्या 19 के सामने, स्तम्भ 4 में,
 "260-6-290-द रो०-6-326-8-366-द० रो०-8-290-10-400 पन 20 ६० विशेष नेतन (वर्तमान पदधारियों के लिए,
 उस समय तक जब तक वे घर्षक परीक्षण उत्तीर्ण करते हैं
 या सेना निवृत्त होते हैं)" प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जायगी।
- (ष) अनुभाग 4 में,
- (i) उप शीर्ष (ii) श्रराजपक्षित और श्रनौतर्गिक स्टाफ उप शीर्ष के श्रधीन,
 - (क) स्तम्भ 2, 3 श्रौर 4 में, क्रम संख्या 9 श्रौर उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पण्जात, निम्नलिखित क्रम संख्या श्रौर प्रविष्टियां श्रन्तःस्थापित की जाएगी, श्रथीत्:---

\$						
1	2	3	4			
9-4	प्रयोगशाला परिचारक	150-5-160-8- 240-द० रो०-8-	380-12-500-व०- रो०-15-560 ६०			
		280-10-300 €०				

- (ख) अभ संख्या 31 के सामने स्तम्भ 4 में,

 "260-6-290-द रो०-6-326-8-366-द रो०-8-390-400
 धन 20 ह० विशेष बेतन प्रविष्टि के स्थान पर, "260-6-290-द०रो०-6-326-8-366-द० रो०-8-390-10-400-20 ह०
 विशेष बेतन (वर्तमान पदधारियों के लिए उस समय तक जब तक कि वे आईक परीक्षण उतीर्ण करते हैं या सेवा
 निवृत्त होते हैं)" प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी।
- (ग) कम संख्या 55 के सामने स्तम्भ 3 में, "131-3-139-4-155-द०रो०-4-175-5-180" प्रविष्टि के स्थान पर "131-4-155-द० रो०-4-175-5-180" प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएंगी।

- (ii) शीर्ष "(ii) और्बोणिक स्टाफ" शीर्ष के नीचे, कम संख्या 40 से 48 के सामने, स्तम्भ 3 में, "100-3-131-4-143-द० रो०-4-155" प्रविष्टि के स्थान पर, "110-3-131-4-143-द० रो०-4-155" प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी।
- (इ) अनुभाग 5 में,
- (i) कम संख्या 19 के सामने, स्तम्भ 4 में,
 "260-6-290-द०रो०-6-326-8-366-द० रो०-8-390-10-400
 भन 20 ६० विशेष वेतन "प्रविष्टि के स्थान पर,
 "260-6-290-द० रो०-6-326-8-366-द० रो०-8-390-10-400
 भन 20-६० विशेष वेतन (वर्तमान पदधारियों के लिए उस समय तक अब तक कि वे सहक परीक्षण उत्तीर्ण करते हैं।
 या संवा निवृत्त होते हैं) प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी।
- (ii) क्रम संख्या 26 के सामने स्तम्भ 2 में, "सिविलियन चालक श्रेणी 1" प्रविष्टि के स्थान पर, "सिवि-लियन मीटर चालक श्रेणी 1" प्रविष्टि श्रीतस्थापित की जाएगी।
- (iii) कम संख्या 27 के सामने स्तम्भ 2 में,

 "सिविलियन चालक श्रेणी 2" प्रविष्टि के स्थान पर "सिविलियन मोटर चालक श्रेणी 2" प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी।
- (च) ग्रनुभाग 6क में,
- (i) उपग्रनुभाग (i) में भ्राराजपित श्रीर अनीकोणिक स्टाफ में, स्तम्भ. 2, 3 श्रीर 4 में कम संख्या 19 श्रीर उससे सम्बन्धित ,श्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित कम संख्या श्रीर श्रविष्टियों श्रन्तःस्थापित की जाएगी, श्रीर

1	2	3	4
"19-क	नेम्न श्रेणी लिपिक	150-5-175-6-205-	330-8-370-10-
(चयन	'श्रेणी)	द० रो०-7-240	400-व०रो०-10-
		₹o	480६० (वर्तमान
			पदधारी इस वेतन-
			मान में उस समग
			तक रखे जासकों गे
		•	जब तक कि वे
			श्रपशिष्ट नहीं हो
			जाते कोई नई
			प्रोक्षति इस अणी
			को नहीं देनी
			चाहिए)"

- (ii) अस संख्या 23 के सामने, स्तम्म 4 में, "260-6-290-वर्गे०-6-326-8-366-दर्गे०-8-390-10-400 धन 20 रुर विशेष वेतन प्रति मास" प्रविष्टि के स्थान पर, "260-6-290-दर रो०-6-326-8-366-दर रो०-8-390-10-400 धन 20 रुर विशेष वेतन (वर्तमान पद-धारियों के लिए उस समय तक जब तक कि वे ग्रहुँक परीक्षण उतीर्ण करते हैं या सेवा निवृत्त होते हैं)" प्रविष्टि प्रतिस्था-पित की जाएगी।
- (iii) कम संख्या 46 के सामने, स्तम्भ 2 में, "सिविलियन चालक श्रेणी 1" प्रविष्टि के स्थान पर, "सिवि-लियन मोटर चालक श्रणी 1" प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी।

- (iv) कम संख्या 47 के सामने, स्तम्भ 2 में, "सिविलियन चालक श्रेणी 2" प्रविद्धि के स्थान पर, "सिवि-सियन मोटर चालक श्रेणी 2" प्रविद्धि प्रतिस्थापित की जाएगी।
- (v) क्रम संख्या 53 ग्रीर 54 के सामने स्तम्भ 2, 3 ग्रीर 4 में सम्बन्धित प्रकिटियों का लोग किया जाएगा।
- (vi) उप प्रमुधाग "ग्रीद्योगिक स्टाफ" में, स्तम्भ 2, 3 भौर 4 में कम संख्या 36 ग्रीर उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चात निम्म-लिखित कम संख्या ग्रीर प्रविष्टियां ग्रन्त:स्थापित की जाएंगी, ग्रथित:—

1	2	3	4
36-क कम	——- पोजीटर	100-3-130-द० रो०-3-142	260-6-326-व० रो०-8-350 र०
36-ख मुद्र	क	85-2-95-3-110- } ब॰ रो०-3-128 ह०	

- (vii) क्रम संख्या 54 के सामने, स्तम्भ 2 में, "स्टोर चैकर" प्रविद्धि का सोप किया जाएगा।
- (viii) कम संख्या 56 के सामने स्तस्भ 2 में, "लिस्ट√ट्रक चालक" प्रविष्टि के स्थान पर, "लिस्टर ट्रक चालक" प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी।
 - (छ) ब्रनुभाग 6-ख में,
 - (i) "ग्रमुभाग 6-ख--- "निरीक्षण नौसेना महानिदेशालय में पद" गीर्ष के स्थान पर मिम्नलिखित ग्रीर्ष प्रतिस्थापित किया जाएगा, भयत्:----

"ग्रनुभाग 6-ख-—उत्पादन ग्रौर निरीक्षण नौसेना महानिदेशालय ग्रौर युद्धपोत परियोजना (भाग घ, श्रनुभाग 6-क के ग्रधीन दशित साधारण पदों के सिकाय) महानिदेशालय में पद)"

- (ii) उप मनुभाग (ii) के पश्चात, निम्निखित उप मनुभाग
- (iii) "मीधोगिक स्टाफ" मन्तःस्थापित किया जाएगा भौर इस प्रकार मन्तःस्थापित किया गया उप मनुभाग (iii) के मधीन, स्तम्भ 1, 2, 3 भौर 4 में निम्नलिखित प्रविष्टियां भ्रन्तःस्थापित की जाएगी, श्रथांत्ः—

1	2	3	4	
ı. स्टोर	श्रैकर भीर	85-2-95-3-110-	210-4-226-ব৹	
पहचाननेवाला		व०री०-3-128 रू०	रो०-4-250-द०	
			रो०-5-290 रु०	

स्पष्टीकारक ज्ञापन

रक्षा सेवाम्रों में सिविलियन (पुनरीक्षण बेतन) नियम 1973 जो सरकार के वर्ग 2, वर्ग 3 मीर वर्ग 4, रक्षा सिविलियन कर्मचारियों के बेतनमान के बारे में तृतीय बेतन झायोग द्वारा की गई सिफारियों पर सरकार के विनिश्चयों को कार्यानिवस करने को प्रद्यापित किए गए हैं। एक अनवरी 1973 से प्रभावी किए गए हैं। इन नियमों का प्रथम मनुसूची में वर्तमान संशोधन, जो विभिन्न पदों के पुनरीक्षित बेतनमानों को उपर्वामित करते हैं, तवनुसार एक जनवरी 1973 में से प्रभावी किये जाते हैं जिससे कि उस तारीख से पुनरीक्षित बेतनमानों की प्रसुविधा विस्तारित की जा सके।

[सं० फा० 14(3)74/डी (धाई सी)]

नई दिल्ली, 25 मई, 1974

का० नि० आ० 14-ई—संविधाम के धनुष्केंद 309 के परन्तुक हारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति, रक्षा मंद्रालय की ग्रिधसूबना संख्या का० नि० ग्रा० 26-ई तारीख 24 विसम्बर, 1973 के साथ प्रकाणित रक्षा सेवाग्रों में सिविलियन (पुनरीक्षित वेतन) नियम 1973 में ग्रीर ग्रागे संशोधन करने के लिए निष्यिलियत नियम एतव्हारा बनाते हैं, ग्रापी :--

- 1. (1) इन नियमों का नाम रक्षा सेवाछों में सिविशियन (पुन-रीक्षित बेतन) तृतीय संशोधन नियम 1974 है।
 - (2) वे एक जनवरी 1973 की प्रवृत्त हुए समझे आएंगे।
- 2. रक्षा सेवाओं में सिविलियन (पुनरीक्षित बेतन) नियम 1973 में,
 - (1) नियम 2 में,
 - (i) उपनियम (1) में, निम्नलिखित परन्तुक झंत में जोड़ा जाएगा, प्रथात्:—
 "परन्तु यह कि नियम 1 के उपनियम (2) में भ्रन्तिंबच्ट किसी बात के होते हुए भी यह नियम उन पदों को जिनका उच्च श्रेणी में किया गया पुनरीक्षित बेतनमान 3000 ६० (नियत) या 3250 ६० (नियत) या 3000-100-3500 या 3500 ६० (नियत) है, ऐसी तारीख या तारीखों को या उनसे जो केन्द्रीय सरकार ऐसी तारीख या तारीखों के रूप में जिनपर कि ऐसे पदों से सम्बन्धत पुनरीक्षित वेतनमान प्रवृक्त होंगे, विनिर्विंब्द करें, क्षारण करने वाले व्यक्तियों के सम्बन्ध में लागु होंगे;
 - (ii) उपनियम (2) में खण्ड (क) का लोप किया जाएगा।
 - (2) नियम ७ में उपनियम (1) में,
 - (i) "वर्तमान वेतनमान में 900 रु० तक या उसको सम्मिलित करते हुए माधारभूत वेतन वाले सरकारी सेवक की वणा में" शब्दों, शक्षर भीर अंकों के स्थान पर मिम्मलिखित कोष्ठक, अक्षर शब्द और अंक रखे जाएंगे, प्रथात :-----
 - (क) वर्तमान बेतनमान में 1800 रु० तक और उसको सम्मि-लित करते हुए बेतन लेने वाले सरकारी सेवक की दशा में,--
 - (ii) तृतीय परन्तुक के पश्चात, निम्नलिखित भ्रस्तःस्थापित किया जाएगा, भर्यात्:---
 - (ख) वर्तमान बेतनमान में 1800 रु से मिश्रिक म्राधारभूत सेतम लेने वाले सरकारी सेवक की दशा में पुनरीक्षित वेतनमान में प्रारम्भिक बेतन यथास्थित मूल नियमों के 22, 23 मीर 31 या मनुष्ठिय 156 या मनुष्ठिय 158 या मनुष्ठिय 107 तिविल सेवा विनियम के उपबन्धों के प्रधीन नियत किया जाएगा भीर इस प्रयोजनार्थ वर्तमान गेतममान में उसका बेतन उसके द्वारा लिए गए महंगाई भत्ते को, यदि कोई हो, सम्मिलित करते हुए समझा जाएगा.....";
 - (iii) टिप्पण 3 भीर 4 में, "खण्ड (ख)" शब्द कोष्ठक भीर भक्षर के स्थान पर, "पैरा (क) भीर (ख) का खण्ड" शब्द, कोष्ठक भीर प्रक्षर रखे जाएंगे;
- (3) प्रथम प्रमुसूची में, भाग ध के पश्चात्, निम्नलिखित प्रन्तः स्थापित किया जाएगा, प्रथति :---

		भाग ''इ०''		1	. 2	. 3	4
सणस्त्र बर	ा मुख्यालय ग्रीर	भन्तर सेवासंगठनों में वर	र्गासेवाधीरपद	17.	महिला स्टाफ भ्रधि- कारी श्रेणी 1	ी ६०	र्ग०
कम संख्या	पदनाम	वर्तमान बेतसमान	पुनरीक्षित वेतनमान	18.	(राष्ट्रीय कैंग्डेट कोर महानिदेशालय) सहायक निदेशक जन सम्पर्क महानिदेशालय		
1	2	3	4		मुख्य जन सम्पर्क ग्रधि- कारी जन सम्पर्क महा- निदेशालय	≻1100-50-1400	1300-50-1700
-		₹०	ह०		मुस्य सम्पादक-जन सम्पर्क महानिदेशालय सहायक निदेशक		
ा. निदेश लेखन	क,संयुक्त बीज व्यूरो	1600-100-2000	1800-100-2000- 125/2-2250		(उद्योग) पुनर्कासन महामिदेणालय		
2. निदेश पुनर्बा निदेश		1600-100-1800	1800-100-2000	32. 5	अधिकारी 🌷		
3. निवेश श्रीत 4. निवेश श्रीर वसिन 5: उप पुनर्वा स्य 7. निवेश (राष्ट्र	क (प्रचार) पुन- महानिवेशालय क (सांद्धियकी प्रभिलेख) पुन- महानिवेशालय निवेशक (कृषि) सिन महानिवेशा- वेशक (उद्योग) सन महानिवेशा-	- 1300-60-1600	1500-60-1800	24. \$\\ 25. \\ 26. \\ 27.	वाचक (ऐतिहासिक प्रनुभाग) जन सम्पर्क प्रधिकारी- जन सम्पर्क महा- निदेशालय सूचना प्रधिकारी- जन सम्पर्क महा- निदेशालय सम्पादक-जन सम्पर्क महानिदेशालय जग निदेशालय जग निदेशालय जग निदेशालय कल फिल्म और फोटो खण्ड) विशेष इसुटी प्रधि- कारी (संगीत)	700-40-1100-50/2 -1250	1100-50-1600
8. निवेश दिक 9. उप	क (केन्द्रीय मौ- संगठन) निदेशक (संयुक्त लेखन व्यूरो). निदेशक जन-			29.	. मुख्य तकनीकी–तक- नीकी उत्पादन मधि कारी (संयु क् त बीज सं ख न ब्यूरो)		
क्ल सेवा) 12. ज्येष्ठ स्टाफ (संश	सिविलयन	1300-60-1600	1 500-60- 1800	31.	कारी (संयुक्त बीज लेखन ब्यूरो) मुख्य प्रभिरक्षक प्रधि- कारी (संयुक्त बीज	700-40-1100-50/ 2-1250	1100-50-1600
 13. निदेश स्कूल	विदेशी भाषा	1100-50-1250 जमा 250 रु० वियोष वेसन	1500-60-1800	3 3.	लेखन ब्यूरो) प्रवस्थक, संयुक्त बीज लेखन व्यूरो मुद्राएलय (संयुक्त बीज लेखन व्यूरो)		
त्रासू लय)	कारी (सिगनल धना महानिवेशा- । । । ऐतिहासिक	1100-50-1400	1300-50-1700		. उप प्रबन्धक (संयुक्त बीज लेखन व्यूरो मृद्रगालय) . समन्वय प्रधिकारी– संयुक्त बीज लेखन व्यूरी	400-400-450-30-	
16 निवेश	ाक (सशस्त्र बल । भौर फोटो	j 		36	- प्रतुसंधान प्रधिकारी- संयुक्त बीज लेखन व्यूरो	1	2000 15

1	2	3	4
37.	ज्येष्ठ संकलम प्रधि- कारी संयुक्त बीज	रु०	ग ं
_	लेखन व्यूरो ज्येष्ठ मिश्यक्त मधि- कारी संयुक्त मीज लेखन व्यूरो	400-400-450-30-	700-40-900-व०
	ज्येष्ठ तकनीकी उत्पा- । दन प्रधिकारी-संयुक्त बीज लेखन ब्युरो मुख्य शिक्षक (प्रशि-	- 600-35-670- द ० रो०-35-950 र ०	रो०-40-1100-50- 1300
	क्षण) (संयुक्त बीज संख्यम व्यूरो) प्रोग्रामर-संयुक्त बीज		
	लेखान ब्यूरो \iint		
42.	प्रनुसंधान प्रधिकारी- संयुक्त बीज लेखन व्यूरो प्रौर सिगनल प्रासूचना महानिदेशा- लय	400-400-450-30- - 600-35-670-ኛ •	
43.	प्राष्ट्रयापक (विवेशी) भाषा स्कृल)	रोल-35-950 र ल	
	महिला स्टाफ घधि- कारी श्रेणी 2-राष्ट्रीय कैंडेट कोर महा- निवेशालय	400-400-450-30- 600-35-670-द० रो०-35-950-50- 1150 र ०	700-40-900-द०
	ज्येष्ठ वैज्ञामिक श्रधि-] कारी श्रेणी 2 अराष्ट्रीय कैंडेट कोर	ļ	≻ रो०-40-1100-50 1300 ह०
46.	महानिवेशालय } श्रनुषाद श्रधिकारी- विद्युत यांन्निक इंजी- नियरी महानिदेशालय	400-40-800-50- 950 ₹∘	ı
47.	सिविलियन भ्रमुवादक- सिगनल ग्रासूचना महानिदेशालय	> 400-400-450-30-	
	ज्येष्ठ फोटोग्राफी मधिकारी प्रसारण मधिकारी	600-35-670-द० रो०-35-950 ६०	
		भाग ''च''	

वर्गापद

	र०	रु०
1. जीव रसायमञ	700-50-1250	1100-50-1600
2. ज्येष्ठ वैज्ञानिक अधि-	400-40-800-50-	700-40-900-40
कारी श्रेणी 2	960	रो०-40-1100-50
		-1300

भाग "च"

चनुभाग 2--मार्डिनेन्स सेवा महानिदेशालय के प्रधीन वर्ग 1 पद

	740-30-800-50- 1150 ፕ o	1100-50-1600 % •
नेन्स)		

भाग "च"

भनुभाग 3--विद्युत और यांत्रिक इंजीनियरी महानिवेशालय के स्रधीन वर्ग 1 पद

कम संख्या	पदनाम	वर्तमान वेतनमान	पुनरीक्षित वेतनमान
1	. 2	3 +	4
	· · ·	₹०	रु०
	शाप ग्र धीक्षक यनश्रेणी)	1600-100-1800	1800-100-2000
3. भार विद	शाप ग्रघीक्षक गर्थ (प्रोफेसर) पुत्रपाक्षिक इंजीनियर्र विद्यालय	1300-6-1600	1500-60-1800
कार्र 5. सहा द्वत निय		- 700-40-1100-50/2- 1250	1100-50-1600
वर्ग 7. प्राष्ट्र यांग्	णाप ग्रधिकारी 1 प्रापक विद्युत प्रेक इंजीनियरी विद्यालय	400-400-450-30- ≻ 600-35-670-व० रो०-35-950	

भाग "च"

श्रनुभाग-4--रीन्थ इंजीनियरी महाविद्यालय को सम्मिलित करते हुए मुख्य इंजीनियर के ऋधीन वर्ग 1 सेवा श्रीरपद

	•	
प्रकीर्णपद	₹०	· , ঢ়০
 श्राचार्य (चयन श्रेणी) सेना इंजीनियरी महा- विश्वालय 	1600-100-1800	1800-100-2000
 भ्राचार्य (सेमा इंजी- नियरी महाविधालय) 	1100-50-1300- 60-1600	1500-60-1800
 ज्येष्ट प्रशासन मधि- कारी श्रेणी 1 	800-40-1000	
		÷1100-50-1600
4. ज्येष्ठ बैरकः स्टोर ग्रिधकारी	700-40-1100-50/ 2-1250	44(j) -
5. लेखा प्रधिकारी	400-400-450-30- 600-35-670-ৰ৹	700-40-900-व० रो०-40-1100-50
	रो०-35-950	1300

भाग "च"

मनुभाग 5--साधारण स्टाफ शाखा के मधीन निम्नतर संगठमों में

वर्ग 1 पद

	स०	रु०
1. प्रधान वैज्ञानिक अधि-	1100-50-1200-	1500-60-1800-
1.6	100-1500	100-2000
इंजीनियरी सेना महाविद्यालय)	:	
 प्रिसिपल, सेना स्कूल बंगलीर 	900-50-1250	1200-50-1600

		200 10 1000	· . — ———		भनभाग ७सशस्ट	। बल चिकित्सा सेवा भहानि	देशालय के भ्रधीन
	मधिकारी श्रेणी 2	800-40-1000				निम्नतर संगठनों में वर्ग	
	(रक्षा सेवा स्टाफ		1100-50-1600			_	
	महाविद्यालय) 7 संगीत निदेशक	00-40-1100-50/2- 1250				¥ο	मृ०
		1230			प्रिसिपल, सेना जिल्हा	900-40-1100-50/2	1200-50-1600
5	जुपाचार्य (रीडर) बल	700-40-1100		2	नसिंगस्कूल वकनीकी इंजीनियर	-1250 700-40-1100-50/2-	
	कैंडेट महाविद्यालय पुणे			~.	ग्र धिकारी	1150	
	पुण जयेष्ठ वैज्ञानिक प्रधि-	700-50-1250					-1100-50-1600
	कारी श्रेणी 1 (दूर	700 30 1230	1100-50-1600		उप-सहायक महा-	740-30-800-50-	
	संचार इंजीनियरी		}		निदेशक (स्टीर) (सिविलियन)	1150	
	सेना महाविद्यालय)			4		400-400-450-20-	700 40 000 To
	रजिस्ट्रार, राष्ट्रीय रक्षा श्रकावमी,	400-400-4 50- 30- 600-35-670- र ०	,		सहायक तकनीकी इंजीनियरी मधिकारी	400-400-450-30-	700-40-900 -द ० रो०-40-1100-50-
	खड़कवासला खड़कवासला	रो०-3 <i>5</i> -870-५० रो०-3 <i>5</i> -9 5 0	i [भूजाानवरा आध्यकारा	600-35-670 -द ० रो०-35-950	
	1	., 00 000	,		<u> </u>	(10-35-950	1300
ρ,	प्राध्यापक, राष्ट्रीय	400-40-800-50-	700-40-900-₹৹				
	रक्षा श्रकावमी,	950 -तथा वि णेष	रो॰ 40-1100-50			भाग " च "	
	खंडकवासला	भत्ता 150 रू० प्रतिमास	1300 तथा विशेष		- चनुभाग - 8 नौसेन	ामुख्यालय के प्रधीन वर्ग	1 सेवा/पद
	45.11444	130 00 210.113	भत्ता 150 रि॰	कम र	ते० पदनाम	वर्तमान वेतनमाम	पुनरीक्षित वेतनमान
			प्रतिमास	1	2	3	. 4
9.	प्राध्यापक, भारतीय)					₹0	το
	सेना मकावमी देहरा-∫			1.	न्यायाधीश महाधि-	1600-100-1800	1800-100-2000
	रून 				वक्ता (नौसेना)		7000 100 2 000
10.	शिक्षक तिब्बतन भाषा 🚶 (बल शिक्षा कोर-कोर				उप-मायुक पूर्ति मधि-	400-400-450-30	700-40-900-ব৹
	प्रशिक्षण महाविद्यालय	400-400-450-30-	700-40-900 ব৹		कारी श्रेणी 2	600-35-670-४०	रो॰-40-1100-50-
!	भौरकेन्द्र) 🦫	600-35-670-ব৹	रो०-40-1100-50-		1437 -4-11 2	रो०-35-950	1300
	वेतन और लेखा ग्रधि-	रो०-35-950	1300	n -	उप-मायुद्धपूर्ति मधि-	700-40-1100-50/2-	••
	कारी पैदल सेना स्कूल महु, भारतीय सेना		•		उप-भायुद्धपूरत आवन् कारीश्रेणी 1	·	1100-50-1600
	महु, मारताय सना मकावमी देहरादून,					1250	
	राष्ट्रीय रक्षा श्रकादमी				नौसेना स्टोर म्रधि- कारी	1100-50/2-1250	1100-50-1600
	खड़कवामला ∫			5.	उप-नौसेना स्टोर	740-35-950	•
12. ज	पेष्ठ वैज्ञानिक ग्र धि- 🕡	100-40-800-50-	′ 0 0- 4 0- 9 0 0- ৢ ৹		ग्रधिकारी स्टाफ ग्रधिकारी	ر 800-40-1000	1100-50-1600
	कारी श्रेणी 2 (दूर	950	री०-40-1100-50-		स्टाक आवपगरा (प्रशिक्षण्) नौसेना	800-40-1000	1100-30-1600
	संचार इंजीनियरी		1300		(त्रागकारा) नारामा मु ख ्यालय		
	मेना महाविद्यालय)					1100-50-1400	1300 -50 1500
	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·				नधान परिकल्पना प्रधिकारी (इंजी-	1100-50-1400	1300 -50-1700
					•		•
		•		<u></u>	नियरो/ विद्यु त निर्माण)		
		भाग ''च''	_	1	2	3	4
	चनुभाग 6ववार्टरः	मस्टर जनरल भाखा के ।	मधीन निम्नतर	8. 3	म्बेष्ठ परिकल्पना '	700-40-1100-50/2-	1100-50-1600
	₹	।गठनों में वर्गापद	-	,	प्रधिकारी श्रेणी ।	1250	
	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·				(इंजीनियरी/विद्युत		
		₹0	₹0		निर्माण)		
1. 3	उपनिदेशक सैम्य फार्म		1500-60-1800		ज्येच्ठ परिकल्पना	400-400-450-30-	700-40-900- र ०
	भारा विशेषक्ष वर्ग I	155 50 1000			प्रधिकारी श्रेणी 2	600-3 5-67 0 व ०	रो०-40-1100-50
	जीव वरसायन वर्ग् 1				(इंजीनियरी/विद्युत	रो०-35-950	-1300
4.	जीवाणु विज्ञानी (क्रेरी ∫ क्षोर कांक्रि कां	700-40-1100-50/2-	1100-50-1600		निर्माण)		
	भौर कृषि) वर्ग 1 } रसायन (डेरी श्रौर ∫	1250			सिविलियन तकनीकी	700-50-1250	1100-50-1600
	कृषि) वर्ग 1		•		सलाहकार (गोला-		
	इंजीनियरी (कृषि)				वास्त्व ग्रौर विस्फो-		
					क्रियांत्रिक)		
7.	वहायक इंजीनियर (————)	400-400-450-30-	700-40-900-ব৹			700-40-1100-50/2-	1100-50-1600
	(कृषि)	600-35-670-६०	रो०-40-1100-50-		जल राशिक ग्रधि-	1250	•
	• ,	रो०-35-950	1300		कारी		

1	2	3	4	1 2	3	4
1 2.	प्रधान सिविल जल- राशिक प्रधिकारी	400-400-450-30- 600-35-670-ব৹ বা৹-35-950	700-40-900-द० रो०-40-1100- 50-1300	- 28. सहायक प्रबन्धक, इलैंक्ट्रोनिक डैटा प्रोसेसिंग सेल	700-40-1100-50/2-1250	1100-50-1600
13.	स्टाफ ग्रधिकारी श्रम (i) सिविसियन श्रम ग्रधिकारी	माधारण श्रेणी 400-400-450-30- 600-35-670-द० रो०-35-950 (ii) चयन श्रेणी	700-40-900-द० रो०-40-1100-50- 1300	29. पद्धति विश्लेषक 30. प्रोग्रामर 31. कन्सोल नियंत्रक 32. विश्लेषक 33. प्रोग्राम प्रशिक्षार्थी	400-400-450-30- 600-35-670-व० रो०-35-950	700-40-900-द० रो०-40-1100-50 1300
		9 0 0-4 0-1 1 0 0-5 0- 2-1 1 5 0	1100-50-1500		<i>u</i> , u	·
4.	कॉस्ट लेखा ग्रधिकारी	700-40-1100- 50/2-1250	1100-50-1600	प्र नुभाग 9—वायुसेना स्	भाग "च" [ख्यालय के झधीन वर्ग ।	सेवा ग्रौ र पद
		'	,	1 2	3	4
15.	मुख्य क्रायोजक (सि- विलियन तकनीकी सहायक वर्ग 1)	400-400-450-30- 600-35-670-द० रो०-35-950	700-40-900-द० रो०-40-1100- 50-1300	1. सिविलियन स्टाफ े प्रशिकारी	₹° 740-30-800-50- 1150	₹०
	सहायक प्रबन्धक (उत्पादन निर्यंत्रण)	700-40-1100- 50/2-1250	1100-50-1600	 ण्येष्ठ सिविलियन तकनोकी प्रधिकारी सिविलियम बैमानिक निरीक्षण (प्रायुद्यादि 	700-40-1100- > 50/2-1250 400-400-450-30- 600-35-670-₹0	1100-50-1600
	विनिर्माता इंजीनियर (सिविलियन तकनीकी सहायक) वर्ग । मुख्य उत्पादन नियंसक (सिविलियन तक- } नीकी सहायक वर्ग ।	400-400-450-30- - 600-35-670-ব্ৰু বী০-35-950	700-40-900- द ० रो०-40-1100-	भ्रधिकारी) ी वि 4. सिविलियन राजपन्नित भ्रधिकारी, ज्येष्ठ श्रेणी 1 5. सिविलियम राडार	रो०-35-950 400-400-450- 30-600-35-670- द० रो०-35-950	700-40-900-द० > ਹो०-40-1100-
19.	नीको सहायक पर्य । श्रौद्योगिक ईजीनियर/ सिविलियन तकनीकी सहायक वर्ग 1		50-1300	शिक्षक 6. सिविलियन तकनीकी प्रिप्तिशारी	:	50-1300
20.	मुद्ध्य सामग्री नियंत्रक (उप मौसेना स्टोर ग्रधिकारी)	740-35-950	1100-50-1600	7. ग्रनुवाद भ्रधिकारी	400-40-800-50- 950	700-40-900 -द॰ रो० 40-1100- 50-1300
21.	ड्रेजिंग मास्टर	900-40-1100-50-	1200-50-1500- 60-1800		भाग ''छ''	•
		•••		मनुभा ग 4—श्रनुसंधान	ं ग्रौर विकास संगठन मे	
22.	धातुकर्मी (नीसेना पत्तन)	700-50 - 1250 	1100-50-1600	कम पदनाम सं०	वर्तमान वेतनमान	पुनरीक्षित वेतनम
	प्राध्यापक	400-40-800-50-	700-40-900-व॰	1 2	3	. 4
24.	प्राध्यापक नौसेना } श्रकादमी कोचीन]	950	रो०-40-1100- 50-1300		₹०	Ęо
25,	ज्येष्ट ग्रनुवादक ग्रधि- कारी (रूसी ग्रीर ग्रग्नेजी)	400-40-800-50- 950	700-40-900 -व ० रोज-40-1100-50 1300	त्रकीर्णयेव 1. ज्येष्ठ प्रशासन भ्रधि- कारीश्रेणी 1	700-40-1100- 50/2-1250	1100-50-1600
26.	उप पोत प्रधीक्षक	400-400-450- 30-600-35-670- द॰ रो०-35-950	700-40-900-द० रो०-40-1100- 50-1300	 ण्येष्ठ प्रशासन ग्रधि- कारी श्रेगी 2 	400-400-450- 30-600-35-670- द•रो०-35-950	700-40-900-द० रो०-40-1100 50-1300
27.	सिविलियन तकनीकी सहायक वर्ग 1 डैल्टिक टैस्ट हाउस	400-400-450-30- 600-35-670-द० रो०-35-950	700-40-900-द० रो०-40-1100-50- 1300	3. भाषा ग्रधिकारी	400-400-450-30- 600-35-670-द० रो०-35-950	700-40-900 -द ० रो०-40-1100- 50-1300

स्पव्योकः एक जापन

रक्षा सेवा में सिविलियन (पुनरीक्षित बेतन) नियम 1973 वर्ग 2, वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारियों के बेतनमान के बारे में तृतीय बेतन आयोग बारा की गई सिफारियों को कार्यान्वित करने के लिए जारी किए गए थे। वे 1 जनवरी 1973 को प्रभावी किए गए थे। तब से सरकार ने वर्ग 1 सेवा/पद में वेतनमान की बाबत तृतीय बेतन आयोग की सिफारियों को कुछ उपान्तरों के साथ स्पष्ट रूप से स्वीकार कर लिया है और यह विनिध्चय किया है कि उन पदों के जो 3000/-रू० नियत या उसके ऊपर उच्च, श्रेणी के किए गए हैं बेतन या वेतनमानों के पुनरीक्षण के बारे में सिवाय, वर्ग 1 सेवा/पद में वेतनमानों के पुनरीक्षण के प्रभावी होने की तारीख वही होगी जो वर्ग 2 से वर्ग 4 तक के कर्मचारियों के लिए है आर्थात् 1 जनवरी 1973। अतः रक्षा सेवा में सिविलियन (पुनरीक्षित वेतन) नियम 1973 तवनुसार संशोधित किये आते हैं।

[सं० फा० 14(10)74/डी(प्राई सी)]

नई दिल्ली, 30 मई, 1974

का शिल्झां 15ई.—संविधान के अनुष्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति रक्षा मंत्रालय की अधि-सूचना संख्या का श्निल्झा 26-ई तारीख 24 दिसम्बर, 1973 के साथ प्रकाशित रक्षा सेवा में सिविलियन (पुनरीक्षित क्षेत्रन) नियम 1973 को और आगे संशोधित करने के लिए निम्नलिखित नियम एतद्द्वारा बनाते हैं, अर्थात्:—

- 1 (1) इन नियमों का नाम रक्षा सेवा में सिविलियन (पुनरीक्षित वेतन) चतुर्थ संशोधन नियम 1974 है।
 - (2) वे जनवरी 1973 के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।
- 2. रक्षा सेवा में सिविलियन (पुनरीक्षित वेतन) नियम 1973 में, प्रथम श्रनुसुची में,---
 - (1) भाग क में,
 - (i) कम संस्था 47 (तकनीकी सहायक संयुक्त बीज लेखन भ्यूरों)
 के सामने स्तम्भ 4 में, "425-15-500-द०रो०-15-560-20-700-द०रो०-25-800", प्रविष्टि के पण्चात् निम्नलिखित प्रन्तःस्थापित की जाएगी, ग्रथांत्:--

"(परिबीक्षा की कालावधि के संतोषप्रद रूप से पूरे करने पर तीन प्रक्रिम वेतन वृद्धियों सहित)"

- (2) भागग में,
- (क) मनुभाग 2 में, "प्रराजपत्नित पद" उपशीर्ष के अधीन

1	2	3	4
		₹०	₹०
8-क प्रोग्रा	न सहायक	32 5 -15-475 - द०रो०	550-25-750- 3 0
		20-575	रो०-30-900

(ii) स्तम्भ 2, 3 श्रौर 4 में अभ संख्या 13-अ श्रौर उससे संबन्धित प्रिविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अस संख्या श्रौर प्रविष्टियां श्रन्तःस्थापित की जाएंगी, श्रथीतः—

1	2	3	4
	·····	रु०	₹ ০
13-ख ले	खापाल (लेखन	150-5-160-8-200	330-10-380-ব৹
सामग्री	डि पो)	द ०रो०- 8- 2 5 6-द ०	रो०-12-500-द०
		रो०-8-280-10-	रो०-15-560 ४०
		300 €0	

- (iii) स्तम्भ 2 में, कम संख्या 49 के सामने, "टाइपराइटर यांत्रिक"
 प्रविष्टि के स्थान पर, "टाइपराइटर यांत्रिक/यांत्रिक टाइपराइटर
 भीर श्रनुलिपिल (दुप्लीकेटर) प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी;
- (iv) कम संख्या 60 के सामने स्तम्भ 2 में, "काष्टकार श्रीर संयोजक" प्रविष्टि के स्थान पर "काष्टकार/काष्टकार श्रीर संयोजक" प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी;
 - (v) स्तम्भ 2, 3 और 4 में कम संख्या 67 और उससे संबन्धित प्रविष्टियों के पण्चात् निम्नलिखित कम संख्या और प्रविष्टियां भ्रन्तः स्थापित को जाएंगी, मर्थातुः---

1	2	-	3		. 4
			रु०		₹0
6 7-क	चिवकार		100-3-130	2 2 5- 5	-2 60-6-290 -
	*			स०	पो०-6-308

(vi) स्तम्भ 2, 3 और 4 में क्रम संख्या 76 भीर उससे संबन्धित प्रविष्टियों के परचात्, निम्नलिखित क्रम संख्या भीर प्रविष्टिया भन्तःस्थापित की जाएंगी ; मर्थात्ः—

1	2	3	4
		₹०	₹٥
76-क	मुद्रक	8 5- 2-9 5-3-1 1 0-	210-4-226-द०रो०
		द०रो०-3-128	4-250 -४ ०रो०-5-
			290

(ख) अनुभाग 5 में,--

उपशीर्ष "राजपत्नित पद" के मधीन, स्तम्भ 2, 3 भीर 4 में क्रम संख्या 15 और उससे संबन्धित प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टियां भ्रन्तःस्थापित की जाएंगी, भ्रथत्ः—

1	2	3	4
15-布 中	ास्टर राष्ट्रीय	325-15-475-ৰ৹	650-30-740-35-
भारत	ोय सेना महा-	रो०-25-500-30-	880-द०रो०-40-
विद्या	लय देहरादून सैन	П 680	960
स्कूल,	बेल गोत, बंगली ८	छै ल,	
ग्रजमे	र ग्रौर धौलपुर		

- (ग) अनुभाग 6 में, "अराजपितत पद" उपकीर्घ के अधीन,
- (i) स्तम्भ 2, 3 मौर 4 में कम संख्या 10 श्रीर उससे संबन्धित प्रविष्टियों के पण्चात् निम्नलिखित कम संख्या भौर प्रविष्टियां अन्त:स्थापित की जाएंगी, प्रथात्:--

1	2	3	4
		₹₀	₹०
10-क ज्येष परिचारिक	ठ प्रयोगणाला र	150-5-160-8-240) भ्रुत्री०-8-280-10- 300	380-12-500 -द ० - रो०-15-560
	क्षिक सिविल परिवहन एकक	300 205-7-240-8-280	

- (3) भाग घ भें,
- (क) अनुभाग 1 में, कम संख्या 76 के सामने और स्तम्भ 3 में, "परीक्षक श्रेणी 2" प्रविष्टि के सामने, "125-3-131-4-155" प्रविष्टि के स्थान पर, "110-3-131-4-143 द०रो०-4-155" प्रविष्टि भ्रन्तःस्थापित की जाएगी;
 - (ख) अनुभाग 2 में,
 - (क) "भराजपत्रित ग्रीर मनीयोगिक स्टाफ" उपणीर्थ के प्रधीन,
 - (i) स्तम्भ 3 में कम संख्या 24 के सामने, 110-3-131-4-155-व०रो०-4-175-5-180 प्रविद्धि के ऊपर 110-4-150-5-175-व०रो०-6-205-व०रो०-7-240 प्रविष्टि प्रतःस्थापित की जाए ; भौर दोनों प्रविष्टियां कोष्टक में रखी जाएंगी ।
 - (ii) कम संख्या 25 के सामने स्तम्भ 3 में, "यथोक्त" प्रविध्टि के स्थान पर, "1:10-3-131-4-155-व०रो०-4-175-5-180 र० प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी।
 - (ग) अनुभाग 4 में,
 - (क) "(ii) धराजपन्नित धौर धनौद्योगिक स्टाफ" उपमीर्थ के प्रधीन,
 - (i) स्तम्भ 2, 3 भीर 4 में अम संख्या 14 भीर उससे संबन्धित प्रविष्टियों के पश्चात निम्नलिखित कम संख्या धौर प्रविष्टियां भाग्तःस्थानपत की जाएगी, भर्थातः---

1	2	3	4
		रु०	₹०
1 4- 1	मुक्य ग्लास ब्लोग्नर	335-15-485	550-20-650-25-
			750
1 4 -6	ग्लास ब्लोभर	205-7-240-8-280	380-12-500-70
		10-300	रो॰-15-560
1 4-π	सहायक ग्लास व्लोधर	150-5-175-6-205-	330-8-370-10-
		व०पो०-7-240	400-व०रो०-10-
			480

(ii) स्तम्भ 2, 3 मौर 4 में कम संख्या 22 के सामने प्रविध्टि के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी, प्रथित:--

1 .	2	3	4
		₹₀	₹,0
फीरो मुद्रफ		(i) 110-3-131	(i) 225-5-260-
			6- 2 90 -व०रो०- 6-
			308
		(ii) 85-2-95-3-	(ii) 210-4-226
		110-व०रो०-3-	ब०रो०- 4- 250-द०
		128	रो०-5-290
			

(iii) स्तम्भ 2, 3 ग्रीर 4 में कम संख्या 59 ग्रीर जमसे संबन्धित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्मलिखित कम संख्या श्रीर प्रविष्टियां अस्तःस्थापित की जाएंगी, भर्षात्ः-

1 2	3	4
	₹०	₹0
59 -क मस्तू ल (मास्ट)	250-10-290-15-	425-15-500-বে৩
रिगर 1	425	रो०-560-20-700
59-ख मस्तृल (मास्ट)	150-5-175-6-205-	380-12-500-₹०
रिगर 2	ष०रो०-7-240	रो०-15-560

- (ख) "(iii) स्रौद्योगिक स्टाफ" उपशोर्ष के स्रधीन,-
- (i) स्तम्भ 2, 3 भीर 4 में कम संख्या 1 भीर उससे संबन्धित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नक्षिखित कम संख्या ग्रीर प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी, ग्रम्बाह:----

1	2	3	4
		₹०	₹ ০
ा परी	क्षक (चयन श्रेणी)	175-6-205-7-240	380-12-500-40
			रो०-15-560

- (ii) स्तम्भ 2, 3 और 4 में अम संख्या 12 भीर उससे संबन्धित प्रविष्टियों का लीप किया जाएगा।
- (भ) स्ननुभाग 5 में,
- (i) उप प्रमुभाग (i) भीर (ii) को उप भनुभाग (ii) भीर (iii) के रूप में पूर्नसंख्यांकित किया जाएगा और इस प्रकार पुर्न-संख्यांकित किए गए उप अनुभाग (ii) के पूर्व, निम्नलिखित उप मनुभाग अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:---
- "(i) वर्ग 2 पद (राजपत्रित)"

त्रम मं०	पदमाम	वर्तमान वेतनमान	पुनरोक्षित वेंतनमान
1	2	3	4
		रु०	₹०
1. प्रशासन प्रधिकारी		350-25-500-30- 590-४०रो०-30- 800	650-30-740-35
2. कनिष्ट वैश्वामिक		350-25-500-30-	} 810-व∘रो०-35-
	कारी सहायक निरी-	59 0-द ०रो०-30-	880-40-1000-
अ स्पा	प्र धिकारी	800-द०रो०-30-	द ०रो०-40-1200
		830-35-900	J

- (इट) अनुभाग-६-क में,
- (i) वर्समान अनुभाग (i) उप अनुभाग (ii) के रूप में पुर्नसंख्यां कित किया जाएगा स्रीर इस प्रकार पुनर्संख्यांकित किए गए उप द्यनभाग (ii) के पूर्व निम्मलिखित उप ग्रनुभाग श्रन्त:स्थापित किया जाएगा, प्रश्ति ---

कम सं०	पदनाम	वर्तमान वेतनमान	पुनरीक्षित वेतनमान
ħ	2	3	4
_		£o	<u> </u>
2. ₹ 3. ₹	शासन भ्रधिकारी टोर श्रष्ठिकारी निष्ठ वैज्ञानिक ध्रधिकारी	350-25-500-30- 590-वरो०-30-800 350-25-500-30- 590-वरो०-30- 800-वरो०-30- 830-35-900	650-30-740-35 810-वर्गे०-35- > 880-40-1000- वर्गे०-40-1200
	संविलियन सहायक सुरक्षा श्रधिकारी	325-15-475- व ० रो०-20-575	550-25-750-द० रो०-30 900

कर्क का क्षेत्र विकास आस्ता ।

٠, •

(3) स्तम्भ 2, 3 और 4 में कम संख्या 63 और उससे संबन्धित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिकित अम संख्या और प्रविष्टियां अन्तःस्थापित भी जाएनी, प्रथति:—

3	4
₹0	र₀
7 5- 1-8 5-व ० रो ० -	200-3-206-4-234-
2-95	द०णो०-4-250
	7 5- 1- 8 5-व ० रो ० -

- (4) त्रम संख्या 67 के सामने स्तन्ध 2 की प्रविष्टियों में, "वैरा, चौकीदार। वरवान गन्दों का लोग किया जाएगा।
- (5) स्तम्म 2, 3 प्रौर 4 में अम संख्या 67 ग्रौर उससे संबन्धित प्रविष्टियों के पश्चात निम्मलिखित अम संख्या ग्रौर प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाएगी, ग्रथति:—

1	2	3	4
6 7-क	4 रा	70-1-80-द०रो०-1-	196-3-226-द०रो०
		85	3-232
6 7-0	चौकीदार दरवान	70-1-80-द०रो०-1-	196-3-220 -ए ०रो०
		85	3232

(6) वर्तमान उपभोष "मौद्योगिक स्टाफ" के स्थान पर निम्नलिखित उप मीर्घ प्रतिस्थापित किया जाएगा, मर्थात् ---"(iii) भौद्योगिक स्टाफ"

स्पद्धीकारक ज्ञापन

रक्षा सेवाओं में सिविसियन (पुनरीक्षित वेतनमान) नियम 1973 जो सरकार के वर्ग 2, वर्ग 3 और वर्ग 4 रक्षा सिविसियन कर्मचारियों के वेतनमानों के बारे में तृतीय केन्द्रीय वेतन मायोग द्वारा की गई सिकारियों पर सरकार के विनिश्चयों को कार्यान्तित करने के लिए प्रश्यापित किए गए हैं, 1 जनवरी 1973 से प्रभावी किए गए हैं। उन नियमों की प्रथम प्रनुसूची में वर्तमान संगोधन, जो विभिन्न पदों के लिए पुनरीक्षित वेतनमान उपविश्वत करते हैं, 1 जनवरी 1973 से ही तदकुसार प्रभावी किये जाते हैं जिससे कि उस तारीक से पुनरीक्षित वेतनमान के फायवे का विस्तार किया जा सके।

[सं० फा॰ 14(8) 74/की (ग्राई सी)]

नई दिस्ही, 27 जून, 1974

का विश्वार 20-ई—संविधान के अनुकछेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति रक्षा मझालय की अधिसूचना संख्या का वित्व 26-ई तारीख 24 दिसम्बर, 1973 के साथ प्रकाशित रक्षा सेवा में सिविलियन (पुनरीकित बेतन) नियम 1973 को और आगे रंगोधित करने के लिए निम्नलिखित नियम एतद्वारा बनाते हैं, प्रथित ——

- (1) इन नियमों का नाम रक्षा सेवा में सिविलियन (पुनरीक्षित बेतन) पंचम संशोधन नियम 1974 है।
 - (2) यह जनवरी 1973 के प्रथम दिन को प्रवृक्त समझे जायेंगे।
- रक्षा सेथा में सिविलियन (पुचरीकित वेतन) नियम 1973 में,
 प्रथम मनुसूची में,
 - (i) भाग ख में, "अराजपत्नित पद" जपशीर्थ के मधीन,--

(क) स्तम्भ (2),(3) और (4) में कम संख्या 17थ और उससे संबन्धित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित कम संख्या और प्रविष्टियों अस्तःस्थापित की आएंगी, प्रश्नीतः—

कम सं०	पवनाम	वर्तमान वेतनमान	पुनरीक्षित वेतनमान
1	2	3	4 .
1 7-घ प	खियकी सहायक रिवार नियोजन र शिक्षक	210-10-290-15- } 320-व०रो०-15- } 425	425-15-500-द० रो०-15-560-20- 700
17-न स्टोर कीपर तथा लिपिक		110-3-131-4-155- वंoरो०-4-175-5- 180	260-6-290-व०रो० 6-8-326-8-366- द०रो०-8-390- 10-400

(ख) स्तम्भ (2), (3) ग्रीर (4) में क्रम संख्या 85 ग्रीर उससे संबन्धित प्रविष्टियों के पण्चात् निम्नलिखित क्रम संख्या ग्रीर प्रविष्टियां श्रम्तः स्थापित की जाएंगी, ग्रथातः—

1	2	3	4
86 परिचारक		70-1-80-व०रो०-	196-3-220-व०रो०-
		1-85	3-232

- (2) भाग ग में,
- (क) प्रनुष्ताग 4 में, "प्रराजपित पव" उप सीर्ष के प्रश्नीन स्तम्भ (2), (3) ग्रीर (4) में कम संख्या 26-ख भीर उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्नलिखित कम संख्या भीर प्रविष्टियां भन्तः स्थापित की जाएगी, प्रथात्:—

1		2 .	3	4
26-ग	सिविलियन शि फोरमैन	भक 1	50-10 -290-र ०रो०- 15-380	330-10-380 -व ० रो०-12-500 -व० रो०-15-560

- (ख) अनुभाग 5 में, "राजपितत पर" उपशीर्ष के प्रधीन,
- (i) क्रम सं० 12 के सामने स्तम्भ (2) में, "मौर डी॰एस॰एस॰ महाविद्यालय विलिगटन" णब्दों मौर प्रक्षरों के स्थान पर निम्नलिखित शक्त भौर प्रक्षर प्रतिस्थापित किए जाएंगे, ग्रथित:---

"(डी॰एस॰एस॰ महाविद्यालय विलिगटन और भारतीय सैन्य सकावमी देहरादून)"

(ii) स्तम्भ (2), (3) ग्रीर (4) में कम संख्या 15-क ग्रीर उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित कम संख्या ग्रीर प्रविष्टियों मन्तःस्थापित की जाएगी, ग्रमीत्:--

1	2	3	4
15-ख वेतन मी	र लेखा	350-25-500-30-	650-30-740-35-
ग्रधिकारी	(भारतीय	590- द ०रो <i>०-</i> 30-	810-द०रो०-35-
सैन्य	प्रकादमी	800	880-40-1000-
देहरावून)			द ०रो०-40-1200

- (ग) धनुभाग 6 में,---
- (i) स्तम्भ (2), (3) भीर (4) में क्रम संख्या 5 भीर उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्निसिक्षत क्रम संख्या भीर प्रविष्टियां ग्रन्तःस्थापित की आएंगी, भर्यात्:—

Ι.	2	3	4
5-শ মর্চ	ीक्षक लेखा	350-20-450-25- 475	425-15-500-द० रो०-15-560-20- 700
			(यह पद कार्यालय प्राधीक्षक के पदों के प्राधिकरण से संग- णित किया गया है)

(ii) श्रम संख्या 21, 22, 23 श्रीर 24 के सामने, स्तम्भ 4 में,
 वर्तमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित की
 जाएंगी, ग्रर्थात्:--

"260-6-290-6-व०रो०-326-8-366-व०रो०-8-390-10-400"

(iii) स्तम्ब (2), (3), (4) में कम संख्या 95 मौर उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्नलिखित उपशीर्ष कम संख्या भीर प्रविष्टियों भन्तःस्थापित की जाएगी, भर्षात्:-- "सेना कथ संगठन के सकीन पद"

1 2	3	4
96 प्रभारी ग्रधिकारी	350-20-450-25-	550-20-650-25-
	475	750
97. सहायक पर्यवे क्ष क	210-10-290-15-	425-15-530-ব৹
	3 20-द∘रो∘- 15-	रो॰-15-560-20-
	380	600
98. मि <mark>लान</mark> लिपिक	1 1 0- 3- 1 3 1- 4- 1 5 5-	260-6-290-द०रो ०
	व०रो०-4-175-5-	6-326-8-366-द०
	180	रो॰-8-390-10-
		400
99. चपरासी/ चौ कीव	ार 70-1-80-द•रो०-1-	196-3-220-४०रो० -
	85	3-232

 (ष) मनुभाग 9 में, कम संख्या 10-क और 10-ख की प्रविष्टियां के स्थान पर, निम्नलिखित प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात :----

1	2	3	4
10%	फोरमैन (रेफिजरेटर)	335-15-485	550 30 850 05
1034	फोरम <mark>ै</mark> न	335-15-425-व० रो०-15-485	550-20-650-25- 750

- (3) भाग प में,
- (क) मनुभाग 1 में, "मराजपित्रत श्रीर झनौद्योगिक स्टाफ उपशीर्ष के मधीन,"
 - (i) क्रम संख्या 13 के सामने, स्तम्भ 3 में, "210-10-290-15-320-व०रो०-15-425-व०रो०-15-530" प्रविष्टि के स्थान पर, "210-10-270-15-300-व०रो०-15-450-व०रो०-20-530" प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी,
 - (ii) अभ संख्या 20 के सामने, स्तम्भ 3 में, "210-10-290-15-320-द०रो०-15-425-द०रो०-15-530" प्रविष्टि के स्थान

- पर, "210-10-270-15-300-व०रो०-15-450-व०रो०-20-530" प्रकिष्ट प्रतिस्थापित की जाएगी।
- (iii) कम संख्या 40 के सामने, स्सम्भ 3 में, "210-10-290-15-320व ० रो०-15-425-व ० रो०-15-530" प्रविष्टि के स्थान पर, "210-10-270-15-300-व ० रो०-15-450-व ० रो०-20-530" प्रविष्टि प्रतिस्थापित की फाएगी।
- (iv) कम संख्या 48 के सामने स्तम्भ 3 में, "110-3-131-4-155-दर्गे०-4-175-5-180" प्रविष्टि के ऊपर "110-4-150-5-175-दर्गे०-6-205-दर्गे०-7-240" प्रविष्टि भन्तः स्थापित कीजिए और दोनों प्रविष्टिमां कौष्टक में रखी जाएंगी।
- (v) कम संख्या 49 के सामने, स्तम्भ 3 में, "यथांक्त प्रविष्टि के स्थान पर, "110-3-131-4-155-व०रो०-4-175-5-180" प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी,
- (ख) भनुभाग 2 में, "घराजपत्नित घौर भनौद्योगिक स्टाफ" उपलीर्ष के बश्चीन, स्तम्भ (2), (3) घौर (4) में क्रम संख्या 22 घौर उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चीत् निम्नलिखित क्रम संख्या घौर प्रविष्टियों भन्तः स्थापित की जायेगी घंथीत् :---

1	2	3	4
22-6	सीनीयर पंच धौर वैरीफायर प्रचालक	150-5-175-6 205- य०रो०-7-240	330-10-380-द० रो०-12-500-द० रो०-15-560

(ग) प्रमुभाग 3 में, "धराजपित ग्रीर ग्रनौग्रोगिक स्टाफ" गीर्ष के मधीन स्तम्भ (2), (3) ग्रीर (4) में कम संख्या 22 भीर उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्निश्चित कम संख्या ग्रीर प्रविष्टियां भन्तःस्थापित की जाएंगी, प्रथात:—

1	2	3	4
22 -फ िस	विक्षियन मोटर	131-4-155-द०रो०-	320-6-326-8-390-
च	ालक श्रेणी ।	4-175-5-180	10-400

रक्षा सेवा में सिविधियन (पुनरीक्षित वेतन) नियम 1973, जो सरकार के रक्षा सिविधियन कर्मचारियों के बेतनमानों के बारे में तृतीय केन्द्रीय वेतन श्रायोग द्वारा की गई सिफारिशों पर सरकार के विनिश्चयों को कार्यास्वित करने के लिए प्रख्यापित किए गए हैं, 1 जनवरी, 1973 से प्रभावी किए गए हैं। इन नियमों की प्रथम श्रनुसूची में वर्तमान संशोधन, जो विधिश्न पदों के लिए पुनरीक्षित वेतनमान उपदर्शित करते हैं, 1 जनवरी, 1973 से ही तदनुसार प्रभावी किये जाते हैं जिससे कि उस तारीका से पुनरीक्षित वेतनमानों का फायदा विस्तारित किया जा

[सं० फा० 14(11) 74/डी (ध्राई सी)] टी० पी० खोसला, संयुक्त सचिव

नई दिल्ली, 2 प्रगस्त, 1974

सके।

का०िक आ० .23-ई—संविधान के अनुष्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति, रक्षा मन्द्रालय की अधि-सूचना का०िन ब्या 26-ई तारीख 24 दिसम्बर, 1973 के साथ प्रकाणित रक्षा सेवा में सिविलियन (पुनरीक्षित वेतन) नियम 1973 में और प्रागे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम एतव्हारा बनाते हैं, प्रर्थात:—

 (1) इन नियमों का नाम रक्षा सेया में सिनिलियन (पुनरीक्षित केतन) छठवां संशोधन नियम 1974 है।

- (2) वे जनवरी 1973 के प्रथम दिन प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।
 2. रक्षा सेवा में सिविलियन (पुनरीक्षित बेसन) नियम 1973 में
 प्रथम अनुसूची में,----
- (1) भाग क में, स्तम्भ (2), (3) भीर (4) में कम संख्या 45 भीर उससे सम्बन्धित प्रविदियों के पश्चात्, निम्नलिखित कम संख्या और प्रविद्यां ग्रन्तःस्थिति की जाएंगी, मर्मात्:—-

1 2	3	4
	₹0	रु०
"45-क अधीक्षक (सगस्त्र	350(400)-25-	5 5 0 - 2 5- 7 5 0- द०
ब ल मुख्यालय	625	रो०-30-900
भन्तर सेवा संगठन-		
सशस्त्र बल मुख्या-		
लय सिविल सेवा		
में सम्मिलित नहीं		
₹)		

- (2) भाग क में,---
- (क) ग्रनुभाग 8 में,
 - (i) कम संख्या 28 से 37 के सामने स्तिम्भ 4 में प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि ग्रन्सःस्थापित की जाएगी, ग्रथितः—

 $^{\prime\prime}$ 8 4 0 - 4 0 - 1 0 4 0 $^{\prime\prime}$

- (ii) कम संख्या 38 के सामने, स्तम्भ (2) में प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी, भ्रथात्:— ''फोरमैन/फोरमैन फैक्टरी/यांक्षिक/मागुधादि''
- (ख) ग्रनुभाग 9 में, स्तम्भ (2), (3) भौर (4) में कम संख्या 2-क भौर 2-ख भौर उनसे सम्बन्धित प्रविष्टियों के स्थान पर, निम्नलिखित कम संख्या भीर प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाएगी, भर्थात्:~~

1	2	3	. 4
		₹०	<u> </u>
"2- फ	सिविलियन ए०टी० सी ० प्रधिकारी	250-25-500-30- 590- य ०रो०-30- 800- य ०रो०-830- 35-900	650-30-740-35- 810-द०रो०-35- 880-40-1000- द०रो०-40-1200 (सिविल विमानन प्रशिक्षण केन्द्र से आमेलित वर्तमान पदधारियों के लिए)
2-জ	कनिष्ठ यैज्ञा निक स्रधिकारी	350-25-500-30- 590-द०रो०-30- 800-द०रो०-30- 830-35-900	650-30-740-35- 810-द०रो०-35- 880-40-1000- द०रो०-40-1200''

- (3) भाग ध में, भनुभाग 1 में, "(v) श्रीकोगिक स्टाफ", उपशीर्ष के श्रधीन,
- (क) क्रम संख्या 76 के सामने, स्तम्भ (2), (3) श्रौर (4) में परीक्षक श्रेणी 1 से सम्बन्धित प्रविष्टियों के पूर्व निम्नलिखित प्रविष्टियों अन्तःस्थापिस की जाएगी, अर्थातः—

1	2	3	4
"परीक्षक	त्र घ यन श्रेणी''	ह० 175-6-205-7-240-	ह० 380-12-500-द०रो०- 15-560″

- (ख) ग्रनुभाग 4 में, ''(ii) ग्रराजपन्नित ग्रौर ग्रनौद्योगिक स्टाफ'' उपशीर्ष के ग्रधीन,
 - (i) स्तम्भ (2), (3) ग्रौर (4) में कम संख्या 63 ग्रौर उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित कम संख्या श्रौर प्रविष्टियां श्रन्त:स्थापित की जाएंगी, श्रथितं:--

1	2	3	4
		₹0	£o
"63-新	कनिष्ठ कम्प्यूटर	110-3-131-4-155-	260-6-290 -स ०रो०-
		द ०रो०-4-175-5-	6-326-8-366-व०
		180	रो०-8-390-10-
			400
63-₹	ड्रेसर (चयन श्रेणी)	1 1 0- 3- 1 2 5	125-5-260-6-290-
			द ०रो०-6-308
6 3-ग	ड्रेसर (साधारल	80-1-85-2-95-४०	210-4-250-व०रो०-
	श्रेणी)	रो०-3-110	5-270"

(ii) स्तम्भ (2), (3) भीर (4) में कम संख्या 75 भीर उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्निलिखत कम संख्या श्रीर प्रविष्टियां भन्तःस्थापित की जाएंगी, भर्यात्:---

1	2	3	4
		रु०	६ ०
"75- फ	जमादार झाड्कश 🕽	75-1-85-व∘रो०-2- 95	200-3-206-4-234
7.5-€1	नाई े ∫ै	95	व०रो०-4-250;"

(iii) स्तम्भ (2), (3) ग्रीर (4) में कम संख्या 84 ग्रीर उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित कम संख्या ग्रीर प्रविष्टियां भन्तःस्थापित की जाएंगी, ग्रयांतः :--

,	#	3 .	*
		र्०	₹०
85- बै रा 86- घेटर 87- मशालची	}	70-1-80 -व ०रो०-1- 85	196-3-220-व०रो०- 3-232

- (ग) "(iii) श्रीचोगिक स्टाफ" उपशीर्ष के श्रधीम,
- (i) स्तम्भ (2), (3) श्रीर (4) में क्रम संख्या 17 श्रीर उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित क्रम संख्या श्रीर प्रविष्टियां श्रन्तःस्थापित की जाएंगी, श्रथात्:—

1	2	3	4
		₹०	₹o
1 <i>7-</i> 辆:	चालक यांद्रिक	150-5-175-6-205	330-8-370-10-
	उपस्कर		400-४०रो०-10-
			480

(ii) स्तम्भ (2), (3) भीर (4) में कम संख्या 21 भीर उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित कम संख्या भीर प्रविष्टियां भन्त:स्थापित की जाएंगी, भर्थात्:----

1.	2	3	4
~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~		₹0	₹₀
कुष 21-म सा <b>चे</b> "स	गासाज "क" ] : उच्च रूप से } शल "क" Ј फार (मोल्डर) 5" युध झलाई गर	150-5-180 \\ 140-5-180 \	320-6-326-8-390 10-400

(iii) स्तम्भ (2), (3) भौर (4) में कम संख्या 43 भौर उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित कम संख्या भौर प्रविष्टियां धन्तःस्थापित की जाएंगी, भर्यात् :—

1 2 3 4

रु० रु०

49-क सचिकार "ख" 110-3-131-4-143 260-6-326-द॰रो॰49-ख धातुचहर कामगार 8-350

(iv) स्तम्भ 2, 3 ग्रीर 4 में कम संख्या 72 ग्रीर उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित कम संख्या ग्रीर प्रविष्टियां ग्रन्तःस्थापित की जाएंगी, ग्रथात्:—

1 2 3 4

रु० १०

72-क चालक हथीड़ा 85-2-95-3-110 210-4-226-व०रो०(वायवीय) "क" 4-250-व०रो०-572-ख जीनसाज 85-2-95-3-110- 290
व०रो०-3-128

(v) स्तम्भ (2), (3) भौर (4) में कम संख्या 79 भौर उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित कम संख्या भौर प्रविष्टियां भ्रस्तःस्यापित की जाएंगी, भर्यात्ः~—

1 2 3 4

ह ॰ ह ॰

"79-क तम्बूसुधारक 75-1-85-द ॰ रो०-2- 210-4-226-द ० रो०
95-3-101-द ० रो०- 4-250-द ० रो०-5
3-110 290

ए०

| 19-व काष्टकार मेट | 75-1-85-द०रो०- | 210-4-226-द०रो०- | 179-च इंट कालनेवाला | 2-95 | 4-250-द०रो०-5- | 290 | 179-च चातुजहर काम- गार मेट | 179-छ जूता सुधारक | 1

टिप्पणी: - † 75-1-85-व ०रो०-2-95 रु० के बर्तमान बेतनमान के प्रतेणोगिक कर्मचारी 250/- रु० के परे जाने के लिये उनके तरसमान श्रेणी पर 85-110 रु० के वर्तमान वेतनमान के श्रोन्नित के लिये लागू होने वाले स्तरों के विहित ट्रेड परीक्षणों को उस्तीर्ण करने के पश्चास् श्रनुशात किया जाना चाहिये।"

(4) भाग क में,---

(क) स्तम्भ (2), (3) भीर (4) में कम संख्या 2 भीर उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नसिक्षित कम संख्या भीर प्रविष्टियां भन्तः स्थापित की जाएंगी, श्रथत् :—

(ख) कम संख्या 13 के सामने, (निवेशक, विवेशी भाषा स्कूल),
 स्तम्भ (4) में, "1500-60-1800" प्रविष्टि के पश्चात,

निम्नलिखित कोष्ठक और शब्द ग्रन्तः स्थापित किये जायेंगे, भर्यात्:----

"(तब तक जब तक कि इसके पदधारी ग्राध्यक्ष परीक्षक बोर्ड के इत्यों को करते हैं)"

(ग) स्तम्भ (२), (३) ग्रीर (४) में कम संख्या २६ श्रीर उससे. संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्निलिखित कम संख्या ग्रीर प्रविष्टियां श्रन्तः स्थापित की जार्थेगी, श्रथीन् :---

1	2	3	4
		₹o	रु०
	त सम्पादक धनुवादक वायुसेना मुख्यालय	700-50-1250	
26- <b>ख</b>	ा ज्येष्ठ प्रोग्नामरवायु सेना मुख्यालय ग्रीर संयुक्त बीजलेखन ज्यारो	700-40-1100-50/2	1100-50-1600
	' ज्येष्ठ लेखा मधिकारी सिपाही, नाविक ग्रीर वायुसैनिक बोर्डे	<b>}</b>	
2 ৪-ঘ	कांस्टलेखा प्रधिकारी (वायुसेना मुख्या- लय)		•
26-₹	मुख्यं अनुवादक अक्षिकारी वायुसेना मुख्यालय और सैन्य प्रशिक्षण निवेत्रालय	800-40-1000 } }	

- (त्र) क्रम संख्या 4.1 के सामने, स्तम्भ 2 में, "प्रोग्नामर, संयुक्त बीज लेखन व्यूरो" की वर्तमान प्रविध्टि के स्थान पर, निम्स-लिखित प्रविध्टि प्रतिस्थापित की जायेगी, भर्थात् :~-
  - "प्रोग्रामर--वायुसेना मुख्यालय घौर संयुक्त बीज लेखन क्यूरो"
- (क) कम संख्या 42 के सामने स्तम्भ 2 में, 'संयुक्त बीज लेखन व्यूरो भ्रीर' घक्षरों भीर प्रतीक का लोप किया आयेगा;
- (च) कम संख्या 46 के सामने स्तम्भ 2, प्रविष्टि में, "ग्रीर वायुसेना मुख्यालय" शब्द ग्रन्त में श्रन्त: स्थापित किये जायेंगे;
- (छ) कम संख्या 48 के सामने स्तम्भ 2 की प्रविष्टि में, "अनीद्योगिक जन सम्पर्क" शब्द ग्रन्त में अन्त: स्थापित किये जायेंगे;
- (ज) क्रम संख्या 49 के सामने स्तम्भ 2 की प्रविष्टिं में, निम्न-लिखित शब्द "निदेशक जन सम्पर्क" धन्त में धन्तःस्थापित किये जायेंगे;
- (क्ष) स्तम्भ (2), (3) भीर (4) में कम संख्या 49 भीर उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित कम संख्या भीर प्रविष्टियां भन्तःस्थापित की जायेगी, भर्मात्:--

1 2	3	4
	<b>रु</b> ०	रु०
"50 सिविलियन फोटो	400-400-450-30-	700-40-900 <del>-</del> <b>*</b> °
निर्वचन ग्रधिकारी (वायुसेना मुख्यालय)	600-35-670-द० रो०-35-950	रो०-40-1100-50- 1300"

(5) भागच में,			1	2	3	4	
(क) ग्रमुभाग 4 में,	"प्रकीर्ण पव" उपशीर्ष	के श्रधीन,	13ः संकर्म पर्यवेश		700-40-1100-	1100 <b>-(</b> ভ্ৰুচবা	— . सर्
संबंधित प्रविष्टि	<ol> <li>भीर (4) में कम यों के पश्चात् निम्नलि</li> </ol>	खेत कम संख्या भीर	13. स्त्राम् भ्याम्	ידי	50/2-1250	गा नीचे) 1600	50-
प्रीयोष्ट्या भ्रन्तः 1 2	स्थापित की जायेंगी, ग्र - 3	<u> थित् :</u>	14. सहायक संन वेक्षक	र्म पर्य-	400-400-450-30- 600-35-670- <b>T</b> o	700-40-900- रो०-40-	
1-क प्रधान वैज्ञानिक प्रधिकारी	€0 1100-50-1200- 100-1500	ह० 1500-60-1800- 100-2000	1 <i>5. ज्येष्ठ</i> बास्त् (भारकिटेव	•	रो॰-35-950 1300-60-1600 100-1800	1100-50-1 1500-60-18 100-2000	
(ii) स्तम्भ (2), ( ग्रीर उनसे सं	3) ग्रौर (4) में क्रम वंधित प्रतिष्टियों के स्थ प्रविष्टियां प्रतिस्थापित प	ा संख्या 3 <b>मौ</b> र 4 प्रान पर निम्नसि <b>खि</b> त	16. वास्तुविद् टेक्ट) 17. उप वास्तुरि	(श्रारिक-	700-40-1100- 50/2-1250 400-400-450-30- 600-35-670- <b>3</b> 0-	1100-( <b>छठवां</b> या नीचे)-50-1 700-40-900-र -40-1100-5	1 60 द०रो
1 2 3 ज्योष्ठ प्रशासन ग्रधिकारी	3 €0 800-40-1000	₹0	(অ.) মন্ <b>ধ</b>		रो०-35-950	1300"	
श्रेणी । 3-क ज्येष्ठ प्रशासन प्रक्षिकारी श्रेणी 2 4 ज्येष्ठ बैरक स्टोर मधिकारी	740-30-830-35- 900   70040-1100- 50/2 == 1250	1100-50-1600	भीर	इस प्रकार	रा 1, 1-क के रूप में प् पूर्नसंख्यांकित कम संख्य प्रविष्टियां ग्रन्तःस्थापित	- गाके पूर्व, निस्न	लिखि
, , , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	(3) ग्रौर (4) में ऋग यों के पक्ष्यात् निम्नलि		1	2	3	4	
	:स्थापित की जायेगी,		"1. प्रिंसिपल (	राष्ट्रीय रक्षा	<b>रु</b> ०	स्०	
1 2	3	4 <b>र</b> ०	भकावमी <b>ख</b> ङ्	कवासला)	1600-100-2000	1800-100-2	
4-क ज्येष्ठ वैज्ञानिक ग्रधि- कारी श्रेणी । (iv) स्तम्भ (2) संबंधित प्रविष्टि	रू० 700-50-1250 (3) थ्रीर 4 में कम प्यों के पण्चात् निम्न	1100-50-1600 संख्या 5 स्रौर उससे लिखितकम संख्या धौर	(ii) स्सम कम निस्न	म (2) ( संख्या 1-व	1600~100-2000 3) भौर (4) में ६ 5 भौर उससे संबंधित 1 संख्या भीर प्रविष्टि	125/2-225 स प्रकार पुर्नसंख प्रविष्टियों के	0''  व्य <b>ाकि</b> प <b>ण्या</b>
4-क ज्येष्ठ वैज्ञानिक ग्रधि- कारी श्रेणी 1 (iv) स्तम्भ (2) संबंधित प्रविष्टि प्रविष्टियां ग्रस्	रु० 700-50-1250 (3) भ्रौर 4 में कम त्यों के पश्चात् निम्न तं:स्थापित की जायेंगी,	1100-50-1600 संख्या 5 श्रौर जससे लिखितकम संख्या धौर , श्रथित्:—	(ii) स्सम कम निस्न	म (2) ( संख्या 1-व लिखिल ऋम	3) भौर (4) में फ़ फ़ौर उससे संबंधित	125/2-225 स प्रकार पुर्नसंख प्रविष्टियों के	0''  व्याकि पश्चा प्रचा
4-क ज्येष्ट वैज्ञानिक ग्रधि- कारी श्रेणी । (iv) स्तम्भ (2) संबंधित प्रविष्टि प्रविष्टियां मर्ग 1 2	रु० 700-50-1250 (3) भ्रीर 4 में कम प्यों के पश्चात् निम्न त:स्थापित की जायेंगी, 3 रु० 2000 (मियत)	1100-50-1600  संख्या 5 और उससे लिखितकम संख्या भीर , भर्यात्:	(ii) स्तम कम निस्न जाएं 1	म (2) ( संख्या 1-व लिखित ऋम गी,प्रचीत्—	3) भीर (4) में ६ 5 और उससे संबंधित 1 संख्या भीर प्रविष्टि 3 1100-50-1300-60 1600-(विशेष भत्ते के साथ प्रति मास	1 2 5 / 2-2 2 5 स प्रकार पुर्नसंख प्रविष्टियों के प्रयो भ्रन्तःस्थापित 4 0- 1500-60-18 जमा विशेष 150-६०	(0'' पश्चा ( 5
4-क ज्येष्ट वैज्ञानिक ग्रधि- कारी श्रेणी 1 (iv) स्तम्भ (2) संबंधित प्रविष्टि प्रविष्टियां ग्र 1 2 '7. मुख्य इंजीनियर 8. उप मुख्य इंजीनियर	ह० 700-50-1250 (3) भ्रौर 4 में कम स्यों के पश्चात् निम्न त:स्थापित की जायेंगी,	1100-50-1600 संख्या 5 श्रौर जससे लिखितकम संख्या धौर , श्रयत् :— 4	(ii) स्तम् कम निम्न जाएं 1 "1-ख ग्राचार्य ( प्रकावमी ख	म (2) ( संख्या 1-व लिखित कम् गी,प्रयत्	3) भौर (4) में ६ 5 भौर उससे संबंधित 1 संख्या भौर प्रविष्टि 3 1100-50-1300-60 1600-(विशेष भत्ते	1 2 5 / 2-2 2 5 स प्रकार पुर्नसंख प्रविष्टियों के प्रयो अन्तःस्थापित 4 0- 1 5 0 0 - 6 0 - 1 8 जमा विशेष	0''
4-क ज्येष्ट वैज्ञानिक ग्रधि- कारी श्रेणी 1 (iv) स्तम्भ (2) संबंधित प्रविष्टि प्रविष्टियां ग्र 1 2 '7. मुक्य इंजीनियर 8. उप मुख्य इंजीनियर	ह० 700-50-1250  (3) और 4 में कम त्यों के पश्चात् निम्न त:स्थापित की जायेंगी,  3  रु० 2000 (मियत) 1300-60-1600- 100-1800-जमा- विशेष वेतन 100/-	1100-50-1600  संख्या 5 श्रीर जससे लिखितकम संख्या श्रीर , श्रयत् :	(ii) स्तम् कम निम्न जाएं । "1-ख ग्राचार्य ( ग्रकादमी ख 1-ग प्रिसिपल भारतीय र विद्यालय के	म (2) ( संख्या 1-व लिखित क्रम गी,प्रथीत्————————————————————————————————————	3) भौर (4) में इ जौर उससे संबंधित त संख्या भौर प्रविष्टि 3 1100-50-1300-60 1600-(विशेष भत्ते के साथ प्रति मास 250-२०)	125/2-225 स प्रकार पुर्नसंख प्रविष्टियों के प्रा या अन्तःस्थापित 4	0'' ज्यांकि पश्चा ( ( ( ( ( ( ( ( ( ( ( ( ( ( ( ( ( ( (
4-क ज्येष्ट वैज्ञानिक ग्रधि- कारी श्रेणी 1 (iv) स्तम्भ (2) संबंधित प्रविष्टि प्रविष्टियां ग्रग् 1 2 '7. मुक्स्य इंजीनियर 8. उप मुख्य इंजीनियर	क० 700-50-1250  (3) भ्रीर 4 में कम त्यों के पश्चात् निम्न त:स्थापित की जायेंगी, 3  रु० 2000 (मियत) 1300-60-1600- 100-1800-जमा- किशेष बेतन 100/- ६०  1300-60-1600- 100-1800	1100-50-1600  संख्या 5 और उससे लिखितकम संख्या भीर , भर्यात्:—  4  रु० 2250-125/2-2500 1500-60-1800- 100-2000 जमा विशेष भेतन 200/-	(ii) स्तम् कम निम्न आएं ''1-ख ग्राचार्य ( प्रकावमी अ 1-ग प्रिसिपल भारतीय रे विद्यालय के (iii) स्ता	म (2) ( संख्या 1-व लिखित ऋम् गी,प्रथित्	3) भीर (4) में ६ 5 भीर उससे संबंधित 1 संख्या भीर प्रविष्टि 3 1100-50-1300-60 1600-(विशेष भत्ते के साथ प्रति मास 250-२०)	125/2-225 स प्रकार पुर्नसंख्या प्रिकाटियों के प्रया अन्तःस्थापित  4 0- 1500-60-18 अमा विशेष 150-६० मास 1300-50-17	0" ज्यांकि पश्चा ( 300 भ प्रा
4-क ज्येष्ट वैज्ञानिक प्रधि- कारी श्रेणी 1 (iv) स्तम्भ (2) संबंधित प्रविष्टि प्रविष्टियां मर्ग 1 2	क० 700-50-1250  (3) भीर 4 में कम त्यों के पश्चात् निम्न तःस्थापित की जायेंगी,  3  र० 2000 (मियत) 1300-60-1600- 100-1800-जमा- विशेष वेतन 100/- र०  1300-60-1600- 100-1800 700-40-1100-50/2	1100-50-1600  संख्या 5 और उससे लिखितकम संख्या धौर , भर्यात्:—  4  रु० 2250-125/2-2500 1500-60-1800- 100-2000 जमा विशेष वैतन 200/- 1500-60-1800- 100-2000 1100-(छठवा वर्ष या नीचे) 50-	(ii) स्तम् कम निम्न आएं ''1-ख ग्राचार्य ( प्रकावमी अ 1-ग प्रिसिपल भारतीय रे विद्यालय के (iii) स्ता	म (2) ( संख्या 1-व लिखित ऋम् गी,प्रथित्	3) भीर (4) में भू की प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति मास विश्व भित्र मास विश्व भित्र मास विश्व भीर प्रति मास विश्व भीर (4) में का प्रशी के प्रशी (4) में का प्रशी के प्रशी (5) कि प्रशी (5) कि प्रशी (6)	1 2 5 / 2-2 2 5 स प्रकार पुर्नसंब प्रविष्टियों के प्रा यां भ्रन्तःस्थापित 4	0" व्यक्ति पश्चा ( व ( ) ( ) ( ) ( ) ( ) ( ) ( ) ( ) ( ) ( )

(i)	संबंधित प्रविष्टि		संख्या 11 श्रीर उसमे खित कम संख्या श्रीर व्यत् :
1	2	3	4
(राष	पुभाग मास्टर ट्रीय भारतीय सेना वेद्यालय, देहरादून)	400+400+450-30- 600-35-670-द० रो०-35-950	
(ग)	न्नौर उससे संबं		(4) में कम संख्या 1 श्वात् निम्नलिखित कम जाएंगी, ग्रंथीत् :
1	2	3	4
1-क सहाय फार्म	क निदेशक सेना	900-50-1200	1100-50-1600
(ঘ)	 ग्रनुभाग 7 में,		
<i>( )</i>	(1) स्तम्भ (2 उससे संबंधित प्र		में कम संख्या 3 श्रीर नेम्नलिखित कम संख्या ति, श्रंथित् :
1	2	3	4
	वैज्ञानिक ग्रधि- श्रेणी 1	700-50-1250	1100-50-1600
		a) <del>-1</del>	
(ii)	संबंधित प्रविष्टि		म संख्या 4 झौर उससे तिवत कम संख्या झौर त्रवित् :—
(ii)	संबंधित प्रविष्टि	यों के पण्चात् निम्नलि	ाखित कम सं <del>ख्</del> या ग्रीर
1 4-क ज्येष्ठ	संबंधित प्रविष्टि प्रविष्टिया धन्तः 2	यों के पण्जात् निम्नस्स्थित की जाएंगी, क	ाश्चित कम संख्या भ्रौर त्रथीत् :— 4
1 4-क ज्येष्ठ कारी	संबंधित प्रनिष्टि प्रविष्टिया घन्तः 2 वैज्ञानिक भिधि- श्रेणी 2 प्रमुभाग 8 में, स्तम्भ (2), (3	यों के पण्जात् निम्निहें स्थापित की जाएंगी, क 3 400-40-800-50- 950 3) ग्रौर (4) में कम	सिम्नत कम संख्या भीर थित :—  4  700-40-900-थ०  रो०-40-1100-  50-1300  संख्या 33 भीर उससे खित कम संख्या और
1 4-क ज्येष्ठ कारी	संबंधित प्रनिष्टि प्रविष्टिया घन्तः 2 वैज्ञानिक भिधि- श्रेणी 2 प्रमुभाग 8 में, स्तम्भ (2), (3	यों के पण्जात् निम्निहे स्थापित की जाएंगी, क 3 400-40-800-50- 950 3) और (4) में कम यों के पण्जात निम्निल	सिम्नत कम संख्या भीर पर्यात् :—  4  700-40-900-व o रो o-40-1100- 50-1300  संख्या 33 भीर उससे खित कम संख्या और

1976/SR.	AVANA 2,	1898	[PART II—
1	2	3	4
म्रधि		590-30-830-35-	700-40-900- <b>द</b> ेशे०- 40-1100-50-1300
नियर्र भारही	पल नौसेना इंजी- ो महाविद्यालय गिय नौसेना युद्ध- शिवाजी		1800-100-2000- 125/2-2250
कारी 43 श्राचा नियरी भारती	त्रिज्ञानिक ग्रधि- ये नौसेना इंजी- ो महाविद्यालय ोय नौसेना महाविद्य खुपोत गिवाजी	} 1100-50-1200- T 100-1500	1500-60-1800- 100-2000
44. सहाय सेना प् विद्यार	क स्राचार्य नौ- इंजीनियरी महा- तय भारतीय पुद्धपोत शिवाजी	700-50-1250	1100-50-1600"
(च)	7 गीर उससे सं	तम्भ (2), (3) ग्री बंधित प्रविष्ट्यों केंपः ष्टियां भतःस्थापित की	श्चात् निम्मलिखित ऋम
1	2	3	4
पवित	विलयन घराज- ग्रिधकारी (उप- श्रेणी ।	900-50-1250	1300-50-1700
9. प्रधान	वैज्ञानिक ग्रधि-	1100-50-1200-	1500-60-1800-

(छ) ग्रमुभाग 9 के पश्चास्, निम्नलिखित ग्रनुभाग अन्तःस्थापित किया जाएगा, ग्रथीत् :--

400-40-800-50-

950

100-1500

10. ज्येष्ठ वेज्ञानिक प्रधि- 700-50-1250

100-2000

1100-50-1600

700-40-900-ৰ৹

1300"

रो०-40-1100-50

कारी

कारी श्रेणी 1 11. ज्येष्ठ वैज्ञानिक ग्रन्थि-

कारीश्रेणी 2

"प्रनुभाग 10-— सेनाभूमि भ्रीर छायनी निदेशालय के प्रधीन वर्ग 1 सेवा 1 पद"

ऋम संख्या	पदनाम	वर्तमान वेतनम <b>्न</b> ी	पुनरोक्षित वेतनमान
1	2	3	4
1. उप सहा सेना भिम	यक निदेशक स्रौर छावसी		
2. सेना संस्प	दा स्रधिकारी	400-400-450-30 510-द०रो०-700- 1100-50/2-125	40 साल में य
3. <b>छावनी</b> भ्रधिकारी	कार्यप≀लक वृर्ग1	,	(ii) 700-40-900 -दर्शार-40-
		J	1 1 0 0- 5 0- 1 3 0 0 (अंगतः)

†टिप्पण -- पुनरीक्षित वेतनमान में वर्तमान पदों कें प्रावंटन की बाबत पूथक सरकारी प्रादेण जारी किए जाएंगे ।

# (6) भाग घ में,---

(क) अनुभाग 4 के पूर्व निम्नलिखित अनुभाग प्रतिस्थापित किया जाएगा, प्रयत्नि:--!

	∵म्रनुभाग 1 <i>-</i> —————	ष्ट्राडिनेन्स फैक्टरी निवे	शालय <b>म</b> वर्ग 1 पंद —————————
कम संख	रा पदनाम	वर्तमान वेतनमान]	पुनरीक्षित वेतनमान
भर	रतीय आर्डिनेन्स	फैक्टरी सें <i>वा</i>	
श्चेर्ण	प्रबन्धक (चयन ो), उप महानिदेशक इनेन्स फैक्टरी	2000-125-2250	(i) 2500-152/ 2-2750 पदो के 50 प्रतियान के लिए (ii) 2250-125/ 2-2500 पदो के 50 प्रतियास
सहा	प्रबन्धक श्रेणी 1/ यक महानिदेशक, डेनेन्स फैक्टरी ो ।	1800-100-2000	के लिए 2000- । 25/ 2- 2250
	निवेशक, श्राडिनेत्स	ह 700-40-1100- स् 50/2-1250	1100-(छठे साल या जसके <b>मीचे</b> )-50- 1600
		400-400-450-30- 600-35-670-द० रो०-35-950	

i।- टिप्पण →- पुनरीक्षित वेतनमान में वर्तमान पदों का आवंटन करते हुए, पृथक् आदेश जारी किए जाएंगे ।

"अनुभाग 2 - भारी यान फैक्टरी भ्रावड़ी में वर्ग 1 पव"

त्रम् संख्या	पदमान	वर्तमान वेतनमान	पुनरीक्षित वेतनमान
1	2	3	4
मास्तीय उ	गाडिमें स	फैक्टरी सेवा	
1. महाप्रवन्धक श्रेणी)	(चयन	2000-125-2250	(i) 2500-125/2- 2750 पदों के 50 प्रतिशत के लिए (ii) 2250-125/2- 2500 पदों के 50 प्रतिशत के
2. उप प्रवन्धक		700-40-1100- 50/2-1250	1100-(छठे साल या उसके नीके)-50- 1600
3. सहायक प्रवस्	प्रक	400-400-450-30- 600-35-670- <b>र</b> ० रो०-35-950	700-40-900-द० रो०-40-1100-50- 1300

टिप्पण - पुनरीक्षित वेतनमानों में से किसी के अर्तमान पदों का प्रावंटन करते हुए पृथक मावेश आरी किए जाएंगे। "अनुभाग 3 - त्वरित हिम मुष्कन फैक्टरी हजरतपुर (आगरा) में वर्ग । पद"

त्र०सं०	पदन(म	वर्तमान वेतनमान	पुनरीक्षित वेतनमान
1	2	3	4
भारतीय	्रिग्राहिनेस प	व्यटरी सेवा	
1. उप प्रबन	त्रक	7 0 0 • 4 0 • 1 1 0 0 • 5 0/ 2 • 1 2 5 0	1100-(छठे साल या उसके नीचे) -50-1600
2. सहायकः	प्रबन्धक	400-400-450-30- 600-35-670-व० रो० 35-950	700-40-900- <b>द</b> ० रो०-40-1100-50- 1300

# (ख) अनुभाग 4 में,---

- (i) "प्रकीर्ण पद" उपशीर्ष के स्थान पर निम्नलिखित उपशीर्ष प्रतिस्थापित किया जायेंगा, अर्थातु:----
  - "(ii) प्रकीण पद"
- (ii) प्रकीर्णपद उपशीर्ष के पूर्व, निम्निलिखित उपगीर्ष प्रविद्धि प्रत्तः स्थापित की जायेगी, प्रथितः—

# "(i) रक्षाविकान सेवा"

1	. 2	3	4
ं भी	ध्य नियंक्षक ग्रनुसन्धान र विकास (साधारण) देशक श्रेणी 1	2000-100-2500	2500-125/2-3000
3. नि	देशकश्रेणी 2	1600-100-1900.	2000-125/2-2500
	। मुख्य वैज्ञानिक ऋधि- री	1300-60-1600-10 1800	0 1800-100-2000- 125/2-2250
5. সং	। त वैश्वानिक प्रधिकारी	1100-50-1200- 100-1500	1500-60-1800- 100 <b>-</b> 2000
_	ष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी गी 1	700-50-1250	1100-50-1600
	५८ वैज्ञानिक स्रधिकारी ग्री 2	400-40-800-50- 950	700-40-900-व० रो०-40-1100-50- 1300

(ग) ध्रनुभाग 4 के पश्चात् निम्नलिखित अनुभाग ध्रन्तःस्थापित किये जायेंगे, प्रथति:----

"ग्रमुक्ताग 5---तकमीकी विकास और उत्पादन (यायु) में वर्ग 1 पद"

1. निदेशक श्रेणी 1	2000-100-2500 2	2500-125/2-3000
<ol> <li>उप मुख्य बैज्ञानिक प्रधि- ्कारी</li> </ol>	1300-60-1600-100- 1800	1800-100-2000- 125/2-2250
<ol> <li>प्रधान वैज्ञानिक प्रधि- कारी/प्रधान निरीक्षण प्रधिकारी</li> </ol>	1100-50-1200-100 1500	1500-60-1800- 100-2000

1	2	3	4
<ol> <li>ज्येष्ट वैज्ञानिक श्रेणी 1/ज्येष्ट ग्रधिकारी</li> </ol>	प्रधिकारी 700-50- निरीक्षण	1250 1	100-50-1600
	मधिकारी 400-40- झगमधि- 950		1-40-900-वर रोज- 1-1100-50-1300

''श्रनुभाग 6-कं निरीक्षण महानिवेशालय में वर्ग 1 पद''			
क्रम संख्या	पदनाम	वर्तमान वेतनमान	पुनरीक्षित मेतनमान
1	2	3	4
1. निदेशक श्रे	णी 2	1600-100-1900	2000-125/2-2500
2. उप मुख्य ⁽ [कारी	<b>बैजा</b> निक ग्रधि-	1300-60-1600-	1800-100-2000- 125/2-2250
3. प्रधान वैश कारी	ानिक श्रधि-	1100-50-1200- 100-1500	1500-60-1800- 100-2000
<ol> <li>अयेष्ठ वैशा</li> <li>श्रेणी 1</li> </ol>	निक भ्रधिकारी	700-50-1250	1100-50-1600
5. ज्येष्ठ वैज्ञा देशारी श्रेणी		400-40-800-40- 950	700-40-900-द० रो०-40-1100-50- 1300
6. ज्येन्ड प्रा कारी १	गासन मधि- बेणी 2	400-400-450-30- 600-35-670-द॰ रो•्35-950	700-40-900 <b>-व</b> ः रो०-40-1100- 50-1300

"मनुभाग 6 ख--जत्पादन धौर निरीक्षण नीसैना महानिवेशालय धौर युद्ध-पोल, परियोजना भाग "छ" अनुभाग 6-क के अधीन वशित साधारण पवों को छोड़ते हुए महानिवेशालय में वर्ग 1 पव"

1 2	3	4
<ol> <li>उप निदेशक (सिविधि यन)</li> </ol>	त- 1100-50-1200- 100-1500	\$1500-60-1800- 100-2000
<ol> <li>ज्येष्ठ तकतीकी श्रधि- कारी</li> </ol>	700-50-1250	1100-50-1600-
3. तकनीकी ग्रधिकारी	400-40-800-50- 950	700-40-900 व० रो०-40-1100-50- 1300

#### स्पष्टदीकारक ज्ञापन

रक्षा सेवा में (पुनरीकित केतन) नियम 1973, रक्षा सेवा में सिवि-लियन कर्मचारियों के बेतनमानों के बारे में तृतीय बेतन प्रायोग द्वारा की गई सिफारियों को कार्यान्वित करने के लिये जारी किये गये थे। ने 1 जनवरी, 1973 से प्रभावी किये गये थे सिवाय उन पदों के बेतन या बेतनमानों के पुनरीक्षण की बाबत जो 3000 अपये (नियत) या उसके उपर उच्च श्रेणी के किये गये हैं। उन नियमों की प्रथम धनु- सूची में वर्तमान संशोधन जो त्रिभिन्न पक्षों के पुनरीक्षित देतनमान उप दिश्वत करने हैं, 1 जनवरी, 1973 से तदनुमार प्रभावी किये जाते हैं।

[सं० फा॰ 14(13)/74/श्री० (ब्राई० सी०)]

नई दिल्ली, 14 नवम्बर, 1974

का० कि० आ० 48ई.:—संकिधान के प्रतृष्केद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुये, राष्ट्रपति रक्षा सेवाओं में सिविलियन (पुनरीक्षित बेतन) नियम 1973 में भौर भागे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम एतदुशारा बनाते हैं, भर्षात:---

- 1. (1) इन नियमों का नाम रक्षा सेवाश्रों में सिविलियन (पुनरीक्षित वेतन) सातवां संगोधन नियम 1974 है।
  - (2) वे मई 1974 के प्रथम दिन प्रवृत्त हुए समक्षे जायेंगे।
- 2. रक्षा सेवाधों में सिविलियन (पुनरीक्षित वेतन) नियम 1973 की प्रथम प्रनुसूची में, भाग छ के पश्चात्, निम्निविखित भाग प्रन्तःस्थापित किया जायेगा, प्रथति —

"भाग ज" कतिपय भ्रस्य उभ्यतर पर

क्रम संख्या	पदनाम	वर्गमान धेतनमाम	पुनरीकित वेसनमाम
1	2	3	4
भारतीय आर्थ	भेस फैक्डरी व	ोबा	
<ol> <li>महानिदेण (फैक्टरी</li> </ol>	क ग्राईनेन्स	3 2 5 0 (नियत्त)	3500 (नियत)
2. मपर महा ्नेत्स फैक्ट		2250-125-2500	3000 (नियत्त)

#### स्पष्टीकारक ज्ञापस

रक्षा सेवाओं में सिविलियन (पुतरीक्षत वेतन) नियम 1973 जो रक्षा सेवाओं के वर्ग 1, 2, 3 धौर 4 सिविलियन कर्मवारियों के बेतन-मान के बारे में तृतीय वेतन घायोग द्वारा की गई सिफारिणों पर सरकार के विनिध्वयों को कार्यायित करने के लिये प्रख्यापित किये गए थे, 1 जनवरी 1973 से प्रभावी किये गए हैं।

उन पक्षों की दशा में जो 3000 रुपये नियत या उसके ऊपर के स्तर तक उच्च श्रेणी के किए गए हैं, यह विनिश्चय किया गया है कि पुनरीक्षण ऐसा उपयुक्त तारीखों से प्रभाशी किया जाना चाहिए कि पुनरीक्षण, प्रमासनिक किंटनाइयों से बचने के लिये, किन्हीं उपयुक्त तारीखों से (1 मई, 1974 से पूर्व तक की तारीख नहीं होगी) प्रभाधी किया जाना चाहिये। उक्त नियमों का प्रथम अनुसूची में वर्तमान संशोधन जो ऐसे कुछ पदों के वेतनमानों की उपदर्शित करते हैं, तद्नुसार 1 मई, 1974 से प्रभाशी किये जा रहे हैं और ऐसे पदधारियों के बारे में साय-साथ जारी किए गए पूषक आवेश के अधीन उस तारीख से कार्यावित किए जाएंगे। किसी सरकारी सेवक पर भूतलक्षी संशोधन से प्रतिकृत प्रभाव पड़ना संभाव्य नहीं है।

[सं० फा० 14(14)/74/डी० (ब्राई० सी०)]

#### ग्रावेश

का० मि० ग्रा० 49 ई०.— रक्षा सेवा (पुनरीक्षित केतन) नियम 1973 के नियम 2 के उप-नियम (1) के परन्तुक के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार 1 मई, 1974 को उस तारीख़ के रूप में एतद्द्वारा विनिदिष्ट करती है जिसपर कि रशा सेवाओं में सिविलियन (पुनरीक्षित बेतन) सांतवां संगोधन नियम 1974 द्वारा किए गए उक्त नियम के संगोधनों द्वारा रक्षा सेवाओं में सिविलियन (पुनरीक्षित बेतन) नियम 1973 की प्रथम भनुसूची के अग (अ) में सम्मिलित पदों के पुनरीक्षित बेतनमान, प्रवृत्त होंगे और यह ग्रागे निदेश वेती है कि रक्षा सेवाओं में सिविलियन (पुनरीक्षित केतन) नियम 1973, (i) 1 मई, 1974 को और उस लारीख से किसी ऐसे पब को धारण करने वाल प्रत्येक व्यक्ति के सम्बन्ध में, भीर (ii) 1 मई, 1974 के पश्चात् उस तारीख़ को भीर उससे उस पद में उसकी नियुक्त से किसी ऐसे पद में नियुक्त प्रत्येक व्यक्ति के सम्बन्ध में, जान होंगे।

[फा॰ सं॰ 14(14)/74/की॰ (एस॰ सी०)]

# अधिस्चना

नई दिल्ली, 30 नवम्बर, 1974

का॰ नि॰ मा॰ 52-ई०.—संविधान के प्रतृच्छेद 309 के परस्तुक द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुये, राष्ट्रपति, रक्षा सेवा में सिवि-लियन (पुनरीक्षित बेतन) नियम 1973 में स्रौर स्रागे संशोधन करने के लिये जिये निस्नलिखित नियम एतब्दारा बनाते हैं, स्रर्थात्:——

- (1) इत नियमों का नाम रक्षा सेवा में सिविलियन (पुनतिक्षित वेतन) प्राठवां संशोधन नियम 1974 है।
  - (2) बेजनवरी 1973 के प्रथम दिन की प्रवृत्त हुये समझे जायेंगे।
- 2. रक्षा सेवा में सिविलियन (पुनरीक्षित वेतन) नियम 1973 की प्रथम धनुसूची में,~~
  - (1) भाग "ग" में,~
  - (क) धनुभाग 4 में, "भराजपतित पद" उपशीर्ष के भधीन,---
- (i) क्रम संख्या 26-श्र श्रीर उससे संबन्धित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित मन्तःस्थापित किया जायेगा, श्रथातः ---

			~~~~~~~~~~~
1	2	3	4
26-ग सिवि फोर	−−−− सियन गिक्षक मैन	150-10-290-द० रो०-15-380	330-10-380-द० रोज-15-500-द०रोज 15-560

(ii) कम संख्या 35 ग श्रीर उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित भन्तःस्थापित किया जायेगा, श्रर्थातः--

1	2	3	4
3 5-घ मुख्य	माली/गार्डनर	75-1-85 -व ० रो०-2-	200-3-206-4-234-
		95	व० रो०-4-250

- (ख) ग्रनुभाग 5 में,--
- (i) "राजातिन पद" उप-शीर्ष के अधीन, स्तम्भ 2 में, कम संख्या 7 के सामने, "लेखाधिकारी संकेत स्कूल" प्रविष्टि के स्थान पा निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जायेगी, अर्थात्ः—

"लेखाधिकारी सेना महाविद्यालय दूर संचार इंजीनियरी"

- (ii) "ग्रराजपत्नित पद" उप-शीर्थ के भवीन,--
- (क) कम संख्या 85 श्रीर उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित प्रतिस्थापित की जायेगी, भर्यात:---

1	2	3	4
85-फ लोहा	₹	85-2-95-3-110	20 0-3-20 6-4-23 4 ⁻ न० रो०-4-250

(ख) कम संख्या 119 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चास् निम्नलिखित कम संख्या भन्तःस्थापित की जायेगी, धर्थात्:--

1	2	3	4
119-क	जमादार संदे शवाह क	75-1-85 -द ० रो०-2-	200-3-206-4-234
		95	द ० रो०-4-250

- (ग) श्रनुभाग 6 में,--
- (i) कम संख्या 26, 27, 29 भीर 32 के सामने स्तम्भ 2 में प्रविष्टियों का विलोप कीजिये, भ्रशीतः——

"फिटर

टंकण यांत्रिक

वैस्डर

बायलर परिचारक" ;

(ii) कम संख्या 37 के सामने, स्तम्भ 2, 3 श्रीर 4 में प्रविष्टियों का विलोप कीजिये;

"ऋ गर प्र चालक	8 5-2-9 5-2-1 1 0-ব ০	210-4-226-द० रो०
	रो०-3-128	4-250-व० रो०-5-
		290

- (iii) कम संख्या 39 के सामने, स्तम्भ 2 में प्रविष्टि का विलोप कीजिये, प्रथात्:~~
 - ''त्योहार''
- (iv) कम संख्या 14 भीर 15 केसामने, स्तम्भ 2 में, प्रविटि का विलोग तीजिये, प्रथात्:——

''टित सोहार''

''चित्रकार'' ;

(v) कम संख्या 48 के सामने स्तम्भ 2 श्रौर 3 में प्रविष्टि का विलोप कीजिये, ग्रथीत्:~~

"जानसाज" 85-2-95-3-110;

(vi) कम संख्या 57 श्रीर 59 के सामने स्तम्भ 2 में प्रविष्टियों का विलोप कीजिये, श्रथांत्ः—

''हथौड़ासाज''

''पालीन बाला'';

(vii) ऋम संख्या 27 के सामने, स्तम्भ 2 में प्रविष्टि का विलोध कीजिये, श्रर्थान्:---

"द्रालिल (क्रमारं) परिचारक"

,		11 3 NO			_ -	
l	VIII)	। ''ग्रौद्योगिक	पच्	उप-शाष	ক	भ्रधान,

(क) क्रम संख्या 73, 73-क के रूप में पूर्नसंख्याकित की जायेगी और इस प्रकार पूर्नसंख्याकित 73-क के पूर्व निम्नलिखित ग्रन्तःस्थापित किया जाएगा, श्रर्थात्:---

"73 विश्वत् मिस्त्री 150-5-175-6-205- 280-12-	
व ० रो०-7-240	

(ख) कम संख्या 75 भीर उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात्

ानम्नालाखात	अन्तःस्यापत	ाक्षया जायगा, अयात्ः	<u> </u>
1	3	3	4
"75-क टंकण 75-खा फिटर 75-ग वैल्डर	·	110-3-131-4-143• रो०-4-155	260-6-326 -द ० रॉ० रो०-8-350"

(ग) ऋम संख्या 76 ग्रीर उससे संबंधित प्रविष्टियों के पण्चात् निम्नलिखित भन्तःस्थापित किया जाएगा, भ्रथात्:---

1	2	3	4
"76 - क'बा	यलर परि चा रक	110-3-131	260-6-326-द॰ रो॰- 8-350"

(ब) कम संख्या 79 ग्रीर उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अन्त:स्थापित किया जाएगा अर्थात:--

1	2	3	4
79-क कशर परि 79- ख जानसाज	चारक े 185- च०रं	2-95-3-110- 10-13-118	

(इ) कम संख्या 88 श्रीर उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पण्चात् निम्नलिखित ग्रन्तःस्थापित किया जाएगा, ग्रथीत :---

		<u> </u>	
1	2	3	4
88-क टिन सोहार		8 5-2-9 5-3-110	210-4-226 -द ० रो०-4-250-5-
			290

(च) कम संख्या 92 ग्रीर उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :----

1	2	3	4
	पोलोनवाला } कशर परिचारक }	75-1-85-2-95	210-4-226-द०रो०-4- 250-द०रो०-5-290

ाँइन वेसनमानों में कर्मचारियों को 250 रुपए के प्रक्रम के परे भ्रथसर होने के लिए केंबल उनके तस्समान श्रेणी में 85-110 ६० के वर्तमान वर्कणाप वेतनमान को प्राप्त करने के लिए लागू होने वाले स्तर का विहित ट्रेंड परीक्षण उत्तीर्ण करने के ग्रध्यधीन रहते हुए, श्रनुकात किया जाना चाहिए।

- (घ) श्रनुभाग 8 में,---
- (i) "प्रराजपश्चित पद" उप-शीर्ष के ग्रधीन,

(क) क्रम संख्या 57 प्रीर उनसे सम्बक्षित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, प्रधीत :---

1	2	3	4
 5 7-क	प्रयोगणाला सहायक श्रेणी I	150-5-160-8-240- वर्गा०-8-280-10- 300	(i) 380-12-500- वर्रोर-15-560 (वैज्ञानिक प्रयोग- ग्रालाश्रों श्रौर उत्पादन निरीक्षण संगठनों में पदों के
			सिए) (ii) 330-10-380- द०रो०-12-500- द०रो०-15-560 (प्रयोगशाला संकर्मी से श्रन्यथा रखे गए पदों के लिए)"

(ख) कम संख्या 58 के सामने, स्तम्भ 2 की प्रविष्टि "प्रयोगणाला सहायक श्रेणी 1" के स्थान पर निम्निसिखत प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी, श्रथति:--

"प्रयोगमाला सहायक श्रेणी 2 (श्रस्पतास)";

(ग) कम संख्या 59 स्रोर उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चात निम्नलिखित भ्रन्तःस्थापित की जाएगी, प्रथीत्:--

59क ज्येष्ठ वैज्ञानिक 325-15-425-व० सहायक रो०-20-575 59-ख कनिष्ठ वैज्ञानिक 210-15-290-15- सहायक श्रेणी 1 320-द०रो०-15-	

- (i) "ध्रौधोगिक पव" उप-शीर्व के अधीन,---
- (क) कम संख्या 249 श्रीर उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के परचात् निम्नलिखित श्रन्तःस्थापित की जाएगी, श्रर्थात् :--

1	2	3	4
249-年	म्रायुध फिटर श्रेणी 1 (यू० डब्स्यू म्रायुध)	110-3-131-4-143- द०रो० 4-171-द० रो०-4-175-5-180	260-6-290-द० रो०-326-8-366- द०रो०-8-290-10-
			400

(ख) कम संख्या 325 भीर उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित भन्तःस्थापित की जाएगी, भर्थात्:--

1 .	2	3	4
"325-क 325-ख	बायलर परिचारक बुड़ टरनर	100-3-131 100-3-131-व०रो०- 3-142	*225-5-260-6- 290-द॰रो॰-6- 308

^{*} इन पदों को नौकरियों के पुर्ननिर्धारण के पश्चात् श्रर्धकुणल श्रौर निम्न अर्धकुणल भेणियों में पुर्नवर्गीकृत किया जाएगा।

	। में, ''ग्रराजपन्नित पद'' किया जाएगा, श्रर्थात् ः—्	उपशीर्ष के पूर्व निम्न- -
1 2	3	-4
"राजपन्नित पद' 1-क सिविलियन विसर्पं (ग्लाईडिंग) शिक्ष	ण 600-40-700	650-30-740-35- 880-द०रो०-40- 960
(2) भाग घ में,	ग्रनुभाग 4 में,	
संख्या । भ्रौर उससे	2 पद्म (राजपत्नित) उप सम्बन्धित प्रतिष्टियों के प त्या जाएगा, श्रर्थात् :	
1 2	3	4
1-क पुस्तकालयाध्यक्ष श्रेणी 1	350-25-500-30- 590-द०रो०-30- 800-द०रो०-30- 830-35-900	650-30-740-35- 810-द० रो०-35- 880-40-1000- द०रो०-40-1200"
, , , ,	राजपन्नित श्रीर श्रनीद्योगि	
	भार उसस सम्बान्धत प्राव किया जाएगा, प्रार्थात् :	ष्टियों के पश्चीत् निम्न-
		ष्टियों के पश्चात् निम्न-
लिखित श्रन्तःस्थापित (किया जाएगा, ग्रर्थात् : 	
लिखित धन्तःस्थापित 1 1 2 75-ग प्रयोगगाला परिच (iii) "(iii) व (क) कम संख्या	किया जाएगा, प्रथात् : 3 गरक 75-1-85-द०रो०-2-	4 200-3-206-4- 234-द०रो०-1- 250 के भ्रधीन, श्रौर 4 में प्राविष्ट के
लिखित श्रन्तःस्थापित 1 1 2 75-ग प्रयोगगाला परिच (iii) "(iii) १ (क) कम संख्या	किया जाएगा, प्रथित् : 3	4 200-3-206-4- 234-द०रो०-1- 250 के भ्रधीन, श्रौर 4 में प्रविष्ट के
लिखित श्रन्तःस्थापित 1 1 2 75-ग प्रयोगगाला परिच (iii) "(iii) श (क) कम संख्या परिचात निम्नलिखित क	किया जाएगा, प्रथित् :	4 200-3-206-4- 234-द०रो०-1- 250 के श्रधीन, श्रीर 4 में प्राविष्ट के गएगा, श्रथीस्: 4
लिखित श्रन्तःस्थापित 1 1 2 75-ग प्रयोगग्रासापरिच (iii) "(iii) श (क) कम संख्या पश्चात निम्नलिखित क 1 2 (ख) कम संख्या	क्या जाएगा, प्रथात्:	4 200-3-206-4- 234-द०रो०-1- 250 के भ्रधीन, श्रीर 4 में प्रविष्ट के ग्रिंगा, श्रथीस्: 4 1260-6-326-द०रो०- 8-350
लिखित घन्सःस्थापित १ 1 2 75-ग प्रयोगग्रासापरिच (iii) "(iii) १ (क) कम संख्या पण्चात निम्नलिखित क 1 2	किया जाएगा, प्रथित्:	4 200-3-206-4- 234-द०रो०-1- 250 के भ्रधीन, श्रीर 4 में प्राविष्ट के गएगा, श्रथीस्: 4 1260-6-326-द०रो०- 8-350
लिखित घन्तःस्थापित १ 1 2 75-ग प्रयोगभाला परिच (iii) "(iii) १ (क) कम संख्या पश्चात निम्नलिखित क 1 2 (ख) कम संख्या निम्नलिखित ग्रन्तःस्थापि	किया जाएगा, प्रथित् :	4 200-3-206-4- 234-द०रो०-1- 250 के भ्रधीन, श्रीर 4 में प्राविष्ट के गएगा, श्रथीस्: 4 1260-6-326-द०रो०- 8-350
लिखित ग्रन्तःस्थापित १ 1 2 7 5-ग प्रयोगगाला परिच (iii) "(iii) श (क) कम संख्या पश्चात निम्नलिखित क 1 2 (ख) कम संख्या निम्नलिखित ग्रन्तःस्थापि 1 2 "64-क लोहार (3) भाग ड में,	किया जाएगा, प्रथित् :	4 200-3-206-4- 234-द०रो०-1- 250 के भ्रधीन, भ्रौर 4 में प्राविष्ट के गएगा, श्रथीस् : 4 1260-6-326-द०रो०- 8-350 प्रविष्टियों के पण्चात् 4 225-5-260-6- 290-द०रो०-6- 308"

महानिदेशालय

(4) भाग छ में, ग्रनुभाग 4 में, (ii) प्रकीर्ण पद अपणीर्थ के ग्रधीन कम संख्या 1 ग्रौर उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पण्चात् निम्नलिखित यन्तःस्थापित की जाएगी ग्रथति:--

1	2	3	4
Į.	प्रशासन निदेशक	1300-60-1600-	1500-60-1800-
	मुख्यालय ग्रार० एण्ड	100-1800	100-2000
	ड ी० संगठन		

स्पद्धीकारक ज्ञापम

रक्षा सेवा में सिविलियन (पुनरीक्षित बेतन) नियम 1973, रक्षा सेवा में सिविलियन कर्मचारियों के वेतनमानों की बाबत सुतीय वेतन भायोग द्वारा की गई सिफारिकों पर सरकार के विनिश्चियों को कार्यान्वित करने के लिए जारी किए गए थे। वे 1 अनवरी, 1973 से प्रभावी किए गए थे सिवाय उन पदों के बेतन ग्रीर बेतनमानों के पूनरीक्षिए। की बाबत जो 3000 रुपए नियत या उसके ऊपर उच्च श्रेणी के कर दिए गए हैं । इन नियमों की प्रथम प्रनुसूची में वर्तमान संशोधन, जो विभिन्न पदों के लिए पुनरीक्षित वेतनमान उपदर्शित करते हैं, 1 जनवरी, 1973 से तद्नुसार प्रभावी किये जा रहे हैं।

[सं॰ फा॰ 14(15)74/डी (ग्राई सी)]

नई दिल्ली, 4 विसम्बर, 1974

का०नि०आ० 54-ई.--संविधान के प्रमुख्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति रक्षा सेवा में सिविलियन (पुनरीक्षित वेतन) नियम 1973 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम एतद्द्वारा बनाते हैं, ग्रथीत् :---

- संक्षिप्त नाम और प्रारम्भः—(1) इन नियमों का नाम रक्षा सेवा में सिविलियन (पुनरीक्षित वेतन) नौवां संशोधन नियम 1974 है।
 - (2) वे जनवरी 1973 के प्रथम दिन प्रयुक्त हुए समझे जाएंगे।
- 2 रक्षा सेवा में सिविलियन (पुनरीक्षित वेतन) नियम 1973 में प्रथम श्रनुसुची में, भाग "ग" श्रनुभाग 3 में, कम संख्या 6 श्रौर उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित ग्रन्तःस्थापित की जाएगी, भ्रथात्:---

कम सं०	पदनाम	वर्तमान वेतनमान	पुनरीक्षित वेतनमान
1	2	3	4
"6-क पर्यः श्रणी		335-15-485	550-20-650-25- 750
6-ख पर्यवेश श्रेणी	क्षक तकनीकी t 2	205-7-240-8-280	े 380-12-200द०- रो०-15-560
6-ग पर्यवेश श्रेणी	तक तकनीकी 3	150-5-175-6-205- द०रो०-7-240	

स्पष्टीकारक ज्ञापन

रक्षा सेवा में सिविलियन (पुनरीक्षित घेतन) नियम 1973 जो रक्षा सेवा में सिविलियन कर्मचारियों के वेतनमानों के बारे में सुतीय केन्द्रीय वेतन श्रायोग द्वारा की गई सिफारिगों पर सरकार के विनिश्चयों को कार्यास्थित करने के लिए प्रख्यापित किए गए हैं, सिवाय उन पदों के वेतनमान के पुनरीक्षण के बारे में, जो 3000 ६० (नियत) या ऊपर तक उच्च श्रेणी के किए गए हैं, 1 जनवरी, 1973 को प्रभावी किए गए थे। इन नियमों की प्रथम धनुसूची में वेतमान संशोधन जो कतिपय पदों के लिए पुनरीक्षित वेतनमान उपर्दागत करते हैं, 1 जनवरी, 1973 से ही तद्नुसार प्रभावी किये जाते हैं जिससे कि उस तारीख से पुनरीक्षित वेतनमान फायदा विस्तारित किया जा सके।

[सं॰ फा॰ 14(18)/73/डी (ध्राई सी)] वी॰ जे सैनगुष्ता, संयुक्त सचिव

नई दिल्ली, 12 जुलाई, 1976

का नि बारा 13 की उपधारा (7) का अनुसरण करते हुए केंद्रीय सरकार

एतव्द्वारा अधिसूचित करती है कि श्री बलेश्वर प्रसाद, छावनी बोर्ड, लेबोज्ज के सदस्य के रूप में निर्वाचित हुए हैं।

[फाइल न ० 29/40/सी०/एल० एण्ड सी०/66/1889-सी०/डी०क्यू०एण्डसी०] एन० नी० स्वामीनाथन, ग्रयर सिधव

New Delhi, the 12th July, 1976

S.R.O. 185.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that Shri Baleshwar Prasad has been elected as a member of Cantonment Board Lebong.

[File No. 29/40/C/L&C/66/1889-C/D(Q&C)]N. V. SWAMINATHAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 14 जुलाई, 1976

कार्शनिकार 186.--राष्ट्रपति, संविधान के भनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रवत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए, रक्षा मंत्रालय, रक्षा उत्पादन विभाग (निरीक्षण महानिदेशालय) (नीसेना पक्षा) में बढ़ई के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, प्रथित्:---

- 1. संक्षिण्त नाम श्रीर प्रारम्भ:—(1) इन नियमों का नाम रक्षा मंत्रालय, रक्षा उत्पादन विभाग (निरीक्षण महानिदेशालय) (नौसेना पक्ष) काष्ठकार भर्ती नियम, 1976 है।
 - (2) ये राजपत्न में प्रकाशन की सारीख की प्रश्रुप्त होंगे।
- 2. पद संख्या, वर्गीकरण भ्रीर वेतनमान :----उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण भ्रीर उसका वेतनमान वे होंगे जो इससे उपावद भनुसूची के स्तम्भ 3 से 5 तक में विनिर्दिष्ट हैं।
- 3. भर्ती की पद्धति, म्रायु-सीमा श्रीर श्रन्य श्रहंताएं :— उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, श्रायु-सीमा, ध्रहंताएं ग्रीर उससे सम्बन्धित श्रन्य कार्ते वे होंगी जो उक्त भनुसूची के स्तमभ 6 से 14 तक में विनिधिष्ट हैं।
 - 4. निरर्हताएं:--- वह व्यक्ति---
 - (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या
- (ख) जिलने ग्रनने पति या ग्रननी पत्नी के जोवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है, जक्त पद पर नियुक्ति का पाझ नहीं होगा:

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के घन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के प्रधीन प्रमुजेय है ग्रीर ऐसा करने के लिए ग्रन्य ग्राधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी ।

- 5. शिथिल करने की ग्राक्त :—जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना श्रावण्यक या समीजीन हैं, वहां वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें केखबद्ध करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, श्रावेग द्वारा, शिथिल कर सकेगी ।
- 6. व्याय्ति:—इन नियमों की कोई भी आत ऐसे ब्रारक्षणों घ्रीर घन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में समय-समय पर निकाल गए ब्रादेशों के प्रनुसार प्रनुस्चित जातियों, अनुसूचित जनजातियों घ्रीर घ्रन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना घ्रपेक्षित है।

	अनु सूची							
—— ऋम सं०	पद कानाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद प्रथना भ्रचयन पद		सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए गैक्षिक ग्रौर ग्रन्य ग्रहैताएं	
1	2	3	4	5	6	7	8	
1.	बढ़ई	2	साधारण केन्द्रीय सेवा, रक्षा सेवाग्रों में के सिविलियन वर्ग 3		श्रचयन	30 वर्ष से श्रनधिक	(1) में ट्रिक उत्तीर्णया समतुल्य (2) त्रिनिर्दिष्ट व्यवसाय में ग्रीधोगिक प्रशिक्षण संस्थान का प्रमाणपत्र या समतुल्य या उस कार्यक्षेत्र में दो वर्षका ग्रनुक्षव ।	

मीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित द्यायु भौर शैक्षिक भईताए प्रोप्ति की देशा में लागू होगी या नहीं		भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोक्षति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/ स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिशत	द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे श्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/	यदि विभागीय प्रोप्तित समिति है सो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में पंघ लोक सेवा प्रायोग से परामर्श किया आएगा
9	10	11	12	13	14
नहीं	2 বর্ঘ	प्रोन्नति द्वारा, जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा	प्रोन्नति : काष्ठकार मेट, जिसने उस श्रेणी में 3 वर्ष सेवा की हो ।	उपनिवेशक (ए) डी पी आई (एन)—-श्रध्यक्ष उपनिदेशक डी डब्ल्यू पी—-सबस्य उपनिवेशक (पी) —- प्रकासन निवेशालय डीजीशाईसबस्य	लागू नहीं होता

[फा॰ सं॰ 26043/डीजीमार्ड (एन ए)/6752/डी (प्रा॰)] विलोक चन्द भाटिया, मनर सचित्र

New Delhi, the 14th July, 1976

- S.R.O. 186.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to Class III post of Carpenter in the Department of Defence Production (Director rate General of Inspection) (Naval Wing), Ministry of Defence, namely:—
- 1. (1) Short title and commencement.—These rules may be called the Ministry of Defence, Department of Defence Production (Directorate General of Inspection) (Naval Wing) Carpenter Recruitment Rules, 1975.
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Number of post, Classification and Scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 3 to 5 of the Schedule annexed hereto.
- 3. Method of recruitment, age limit and other qualifications.—The method of recruitment of the said post, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 6 to 14 of the said Schedule.
 - 4. Disqualification .- No person, --
 - (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
 - (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person;

shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

- 6. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order and for reasons to be recorded in writing relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.
- 7. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

SI. No.	Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or Non- sclection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifi- cations required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	Carpenter	2	General Central Service Civilians in Defence Services Class III	Rs. 225-5-260-6- 290-EB-6-308	Non- Selection	Not exceeding 30 years	 (i) Matric or equivalent. (ii) Industrial Training Institutes Certificate in the specified trade or its equivalent.
							or
							Two years experience in the field of work.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct receruits will apply in the case of promotees	if any	Method of recruitment whether by direct recruit- ment or by promotion or by transfer and per- centage of the vacancies to be filled by various methods	In ease of recruitment by promotion/transfer grades from which promotion/transfer to be made	tal Promotion U Committee exis- ts what is its con	reumstances in which nion Public Service ommission is to be nsulted in making cruitment
9	10	11	12	13	14
No	2 years	By promotion failing which by direct recruit- ment	Promotion Carpenter Mate with 3 years service in the grade	Deputy Director(A) DPI(N)—Chairman Deputy Director DWP—Member Deputy—Director (—Member	
				Dte. of Admin/DG	I
				[File No. 26043/Do	GI(N)-A/6752/D(Prod)]

[File No. 26043/DGI(N)-A/6752/D(Prod)] T. C. BHATIA, Under Secy.

नई दिल्ली. 16 जुलाई, 1976

कार नि आ 187: — पूना छावनी (वाडों में विभाजन) नियम, 1970 में संशोधन करने के लिए किसप्य नियमों का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार छावनी प्रधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 31 के खण्ड (क) ग्रीर (ख) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाने की प्रस्थापना करती है, उक्त धारा की प्रपेक्षा के भनुसार उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है जिनके उससे प्रभावित होने की सम्भावना है ग्रीर सूचना वी जाती है कि उक्त प्रारूप पर राजपन्न में इस श्रिधसूचना के प्रकाशन की तारीख से साठ दिन की प्रविध की समाप्ति पर या उसके पण्यात् विचार किया जाएगा।

उक्त प्रारूप की बाबत उक्त ग्रवधि से पूर्व जनरल ग्राफिसर कर्मार्डिंग इन-जीफ, विक्षणी कमान के माध्यम से किसी व्यक्ति से जो भ्राक्षेप या सुभाव प्राप्त होंगे उन पर केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

नियम का प्रारूप

- 1. इन नियमों का न।म पूना छावनी (वार्डों में विभाजन) संशोधन नियम, 1976 है।
- पूना छावनीं (बाडौं में विभाजन) नियम, 1970 में, अनुमूची के स्थान पर निम्नलिखित अनुसूची रखी जाएगी, अर्थात्:——

ग्र**न्**स्ची

(नियम 3 वेखिए)

वाडौं की सीमाएं

बार्ड संख्या 1:—सीमा बन्द जैगार्डन मार्ग ग्रीर मानकजी मैहता निर्मा के संगमस्थल पर स्थित छावनी सीमा स्तम्भ संख्या 10 से प्रारम्भ होती है श्रीर छावनी सीमा के साथ-साथ उत्तरी दिशा में जाती हुई एन्डरसन मार्ग सक जाती है। तत्पण्यात् यह पूर्वी दिशा में मुद्द कर एन्डरसन मार्ग के साथ-साथ होती हुई रिचर्डसन मार्ग के साथ उसके संगम स्थल तक जाती है। फिर यह दक्षिण-पूर्वी विशा में मुद्द जाती है श्रीर रिचर्डसन मार्ग के साथ-साथ होती हुई मानकर्जा मेहता मार्ग के साथ साथ उसके संगम स्थल तक जाती है इसके पण्यात् यह पिच्चिमी दिशा में मूड जाती है श्रीर मानकजी मेहता के मार्ग साथ-साथ होते हुए मानकजी मैहता मार्ग श्रीर राजेद्र-सिंह जी मार्ग के संगम स्थल तक जाती है। इसके पण्यात् यह दक्षिणी-पश्चिमी विशा में मुद्द जाती है ग्रीर राजेन्द्र सिंह जी मार्ग के संगम स्थल तक जाती है। इसके पण्यात् यह दक्षिणी-पश्चिमी विशा में मुद्द जाती है ग्रीर राजेन्द्र सिंह जी मार्ग के साथ-साथ

होती हुई सैफ्टिनेन्ट कर्नल तारापुर मार्ग के साथ उसके संगम स्थल तक जाती है। फिर यह दक्षिण पूर्वी दिशा में मुड़ जाती है क्रौर लैंफिटनेन्ट कर्नल तारापुर मार्ग के लाध-साथ होती हुई डा० कोमल जी० मार्ग के साथ उसके संगम स्थल तक जाती है। तत्पश्चात् यह दक्षिणी पश्चिमी दिशा में मुड़ जाती है फ्रौर डा० कोमल जी० मार्ग के स.थ-स.थ होते हुए मोलेदिना मार्गे के साथ उसके संगम स्थल तक जाती है। फिर यह पश्चिमी की ग्रोर मुड़ जाती है भौर मोलेदीना मार्ग के साथ-साथ होते हुए जनरल **थिमैया** मार्गे के साथ उसके संगम स्थल तक जाती है। फिर यह दक्षिण दिशा में मुख़ आती है भ्रीर जनरल विमया मार्ग के साथ-साथ होते हुए सच्चापीर स्ट्रीट के साथ उसके संगम स्थल तक जाती है। फिर सीमा पश्चिमी दिशा में मुख जाती है और सच्चापीर स्ट्रीट के साथ-साथ होते हुए महात्मा गांधी मार्ग को काटती हुई जाती है और सच्चा-पीर स्ट्रीट के साथ साथ उत्तर पश्चिमी दिशा में होती हुई दस्तूर मेहर मार्ग (शर्बत वाला चौक) के साथ उसके संगम स्थल तक जाती है श्रीर फिर यह उत्तरी दिशा में मुड़ जाती है और दस्तूरमेहर मार्ग के साथ-साथ होते हुए दावाभाई बूटी स्ट्रीट के साथ उसके संगम स्थल तक जाती है फिर वह पश्चिम की ग्रीर मुख जाती है ग्रीर दादाभाई बूटी स्ट्रीट के साथ होते हुए सिनागेग स्ट्रीट के साथ होते हुए उसके संगम तक जाती है फिर यह दक्षिण-पूर्व की स्रोर मुख़ जाती है और सिनोगेग स्ट्रीट के साथ-साथ होते हुए सच्चापीर स्ट्रीट के साथ उसके संगम स्थल तक जाती है। तत्पण्चात् सीमा उत्तर-पश्चिमी विशा में मुझ्ती है श्रीर सञ्चापीर स्ट्रीट के साथ-साथ होते हुए सीमा स्तम्भ संख्या 27 तक जाती है। फिर सीमा स्तम्भ संख्या 26 से होते हुए छावनी सीमा के साथ-साथ छावनी सीमा स्तम्भ 11 तक जाती है और सीमा स्तम्भ 10 श्रर्थात् श्रारम्भिक बिन्दु से मिलती है।

वार्ड संख्या 2: — सीमा सिनोगेग स्ट्रीट और वावाभाई बूटी स्ट्रीट के संगम स्थल पर गृह संख्या 891 दादाभाई बूटी स्ट्रीट से घारम्भ होती है और पूर्वी दिशा में दादाभाई बूटी स्ट्रीट के साथ-साथ जाती हुई वस्तूर मेहर मार्ग के साथ उसके संगम स्थल तक जाती है फिर यह विधाणी दिशा में मुड़ जाती है और दस्तूर मेहर मार्ग के साथ-साथ होती हुई सच्चापीर स्ट्रीट (शर्बतवाला चौक) के साथ उसके संगम स्थल तक जाती है और विधाणी-पूर्वी दिशा में मुड़ जाती है और सच्चापीर स्ट्रीट के साथ-साथ होती हुई महात्मा गांधी मार्ग के साथ उसके संगम स्थल तक जाती है। तत्पण्चात् यह विधाण-पूर्वी दिशा में मुड़ जाती है और महात्मा गांधी मार्ग के साथ उसके संगम स्थल तक जाती है। तत्पण्चात् यह विधाण-पूर्वी दिशा में मुड़ जाती है और महात्मा गांधी मार्ग के साथ उसके संगम स्थल तक जाती है। तत्पण्चात् यह पण्चिम दिशा में मुड़ जाती है और कोलसा गली के साथ होते हुए जाती है और सरदार बल्लभ भाई पटेल मार्ग के साथ-साथ होते हुए सार्ग के साथ-साथ होते हुए सार्ग दिशा में मुड़ जाती है और सरदार बल्लभ भाई पटेल मार्ग के साथ-साथ होते हुए

श्रारं एसं केदारी सार्य के साथ उसके संगम स्थल तक जाती है। इसके पश्चात् सीमा पश्चिम दिणा में मुड़ जाती है और भारं एसं केदारी मार्ग से होते हुए जाती है और शेख जान मोहस्मद स्ट्रीट से मिलती हैं। तत्पश्चात् यह उत्तर की भ्रोर मुड़ जाती है श्रोर शेख जान मोहस्मद स्ट्रीट के साथ-साथ होते हुए कत्येन्ट स्ट्रीट के साथ उसके संगम स्थल तक जाती है। तत्पश्चात् सीमा उत्तर-पिजमी दिणा में मुड़ जाती है श्रोर कन्येन्ट स्ट्रीट के साथ-साथ होते हुए जाती है श्रोर सेन्ट विन्सेट स्ट्रीट से मिलती है। तत्पश्चात् सीमा उत्तर-पृथी दिणा में मुड़ जाती है श्रोर सेन्ट विन्सेन्ट स्ट्रीट के साथ-साथ होते हुए मज्वापीर स्ट्रीट के साथ उसके संगम स्थल तक जाती है। फिर सीमा पूर्व की श्रोर मुड़ जाती है श्रोर सच्चल तक जाती है। फिर सीमा उत्तर-पश्चिम दिणा में मुढ़ जाती है श्रोर संस्थल तक जाती है। फिर सीमा उत्तर-पश्चिम दिणा में मुढ़ जाती है श्रोर संनागेग स्ट्रीट के साथ होते हुए जाती है श्रोर दादाभाई बूटी स्ट्रीट पर धार्राकट बिन्द् से मिलती है।

कार्ड संख्या 3:-- सीमा सच्चापीर स्ट्रीट श्रीर महात्मा गांधी मार्ग के संगम स्थल पर स्थित गृह संख्या 36, महात्मा गांधी मार्ग से बारक्भ होती है श्रीर पूर्व की ग्रोर मुड कर सच्चापीर स्ट्रीट के साथ होते हुए सैफी स्ट्रीट के साथ उसके संगम स्थल तक आती है। तत्पश्वात् सीमा दक्षिए। की क्रोर सृष्ट जाती है ग्रौर सैफी स्ट्रीट के साथ-साथ होते हुए एर्ग्ड।विशन मार्ग के साथ उसके संगम स्थल तक जाती है। तत्पश्चात् सीमा एरजीबिशन भार्ग के साथ-साथ होते हुए पश्चिमी विशा में मुढ़ कर जाती है भौर महात्मा गांधी मार्ग से मिलती है। फिर सीमा दक्षिण की क्रोर मुड़ जाती है स्रौर महात्मा गांधी मार्ग के साथ होते हुए शेख जान मोहम्मद स्ट्रीट के साथ उसके संगम स्थल तक जाती है ग्रौर तत्पश्चात् सीमा उत्तर-पश्चिम दिशा में मुद्ध जाती है श्रीर शेख जान मोहम्मद स्ट्रोट के साथ-साथ होते हुए भ्रार० एस० केवारी मार्ग के साथ उसके संगम स्थल तक आती है। तत्पश्चात् सीमा पूर्व की श्रोर मुद्ध जाती है -प्रौर प्रार० एस० केदारी मार्ग के साथ-साथ होते हुए सरदार **ब**रुलभ क्वई पटेश स्ट्रीट के साथ उसके संगम स्थल तक जाती है ग्रीर फिर यह उसर दिशा में मुड़ जाती है और सरवार बल्लभ भाई पटेल स्ट्रीट के साथ-गाथ होती हुई जाती है और कोलसा स्ट्रीट से मिलती है। तत्पश्चात् मांमा पूर्वी दिशा में मुड़ती है श्रीर कोलसा स्ट्रीट के साथ-साथ होती हुई जाती है भीर गहात्मा गांधी मार्ग से मिलती है। फिर सीमा उत्तरी दिशा में मुड़ जाती है और महात्मा गांधी मार्गके साथ-साथ होते हुए, महात्मा गांधी मार्ग पर गृह संख्या 36, अर्थात् आरम्भिक बिन्तु से मिलती है।

बार्ड संख्या 4:---सीमा मानिक नाले पर स्थित छावनी सीमा स्तम्भ संख्या 28 से मारम्भ होती है और छावनी सीमा के साथ-साथ उत्तर को श्रीर होते हुए सच्चापीर स्ट्रीट तक जाती है। तत्पश्चात् यह पूर्व की क्रोर मु**ड़** जाती है **भौर स**च्चापीर स्ट्रीट के साथ-साथ होते हुए सेन्ट बिन्सेन्ट स्ट्रीट के साथ उसके संगम स्थल तक जाती है। तत्पक्चात् सीमा दक्षिण-पश्चिम दिणा में मुख़ जाती है और सेन्ट विन्सेन्ट स्ट्रीट के साथ-साथ होती हुई कन्वेन्ट स्ट्रीट के साथ उसके संगम स्थल तक जाती है। तत्पश्चात् यह दक्षिण-पूर्वी विशा में मुड़ जाती है भ्रौर कन्वेन्ट स्ट्रीट के साथ-साथ होती हुई जाती है भीर शेख अत मोहम्मद स्ट्रीट से मिल जाती है। तत्पश्चात् सीमा दक्षिण-पूर्वी विका में मुद्र जाती है ग्रीर ग्रेख जान मोहम्मद स्ट्रीट के साथ जाती है भीर महात्मा गांधी मार्ग से मिलती है। फिर सीमा उत्तरी दिशा में मुख़ जाती है ग्रौर महात्मा गांधी सार्ग के साथ-साथ होती हुई एग्जीबिशन मार्ग के साथ उसके संगम स्थल तक जाती है। तत्पश्वास् सीमा पूर्व की भ्रोर मुद्द जाती है स्रौर एकीविशन मार्ग के साथ-साथ होती हुई जनरल थिमैया मार्ग के साथ उसके संगम स्थल तक जाती है। तरपरचात् सीमा दक्षिण में मुद्र जाती है श्रीर जनरल थिमैया मार्ग के साथ-साथ होती हुई शोलापुर मार्ग को पार करते हुए 'कैस्टेलीनो भार्ग तक जाती है। तत्पक्ष्चात् सीमा उस दिशा में होते हुए केंस्टेलीनो मार्ग के साथ-साथ जाते हुए सतारा मार्ग को पार करती है ग्रौर उमी दिगा में पार्वती विला मार्ग के साथ-साथ होते हुए सेलिस्बरी 51 GI/76—5

पार्क मार्ग के साथ उसके संगम स्थल से मिलती है तत्पण्चात् सीमा दक्षिण पश्चिमी दिशा में मुड़ जाती है श्रीर सेलिस्वरी पार्क के साथ-माथ होते हुए जाती है श्रीर छावनी सीमा से मिलती है श्रीर तत्पश्चात् यह उत्तर पश्चिम दिशा में मुड़ जाती है श्रीर छावनी सीमा के साथ-साथ होते हुए छावनी सीमा स्तम्भ संख्या 42 तक जाती है । तत्पश्चात् सीमा स्तम्भ संख्या 41, 40, 39, 38, 37, 36, 35, 34, 33, 32, 31, 30 श्रीर 29 से होते हुए श्रीर श्रागे छावनी सीमा के साथ-साथ होते हुए सीमा स्तम्भ संख्या 28 श्र्यात् आरम्भिक बिन्दु से गिलती है ।

वार्ड संख्या 5:~-सीमा काहुन मार्ग श्रौर मानकजी मैहता मार्ग के संगम स्थल पर स्थित त्रंगला संख्या 7, मानकजी मेहता मार्ग से **ग्रारम्भ** होती है भ्रौर काहुन मार्ग के साथ-साथ दक्षिण-पश्चिम दिला में जाती है, लैंपिटनेन्ट कर्नल तारापुर मार्गको पार करती है और दक्षिण दिशा में काहुन मार्ग के साथ-साथ होती हुई गुरुद्वारा मार्ग के साथ उसके संगम स्थल तक जाती है और सत्पक्ष्वात् सीमा दक्षिण-पूर्वी दिशा में मुङ् जाती है प्रौर गुरुद्वारा मार्ग के साथ-साथ होती हुई पाटिनसन मार्ग के साथ उसके संगम स्थल तक जाती है। तब यह दक्षिण-पश्चिमी बिशा में मुड़ कर पाटिनसन मार्ग के साथ-साथ होते हुए लायड मार्ग के साथ उसके संगम स्थल तक जाती है। तत्पश्चास् सीमा पश्चिम की स्रोर मुड़ जाती है श्रीर लायड मार्ग के साथ होते हुए स्टेबिली मार्ग के साथ उसके संगम स्थल तक जाती है। फिर सीमा दक्षिण दिशा में मुङ् जासी है स्रौर स्टेविली मार्ग के साथ-साथ होते हुए एग्जिबिशन मार्ग को पार करती है भीर तत्पश्चात् यह दक्षिण-पूर्वी दिशा में उसी मार्ग के साथ-साथ होते हुए गोलापुर मार्ग ग्रौर वानोरी मार्ग, सतारा मार्ग के संगम स्थल को पार करती है स्रौर नेप्येयर मार्गको जोड़ने वाले मार्गतक जासी है और फिर यह दक्षिण-पश्चिमी दिशा में मुड़ जाती है श्रीर जोड़ने वाले भाग के साथ-साथ होते हुए जाती है ग्रीर नेप्येगर मार्ग से मिलसी है। तत्प*ण*चात् यह उत्तर-पश्चिम दिशा में मुड़ जाती *है भ्रौर नेप्येयर* मार्ग के माथ-साथ होते हुए काम मार्ग के साथ उसके संगम स्थल तक जाती है और फिर यह दक्षिण-पश्चिम दिणा में मुड़ जाती है और कास मार्ग के साथ-साथ होते हुए पार्वती विला मार्ग के साथ उसके संगम स्थल तक जाती है। फिर सीमा उत्तर-पश्चिम दिशा में मुड़ जाती है स्रौर पार्वती जिला मार्ग के साथ-साथ होते हुए मनार। मार्ग को पार करसी है भौर फिर यह उत्तर-पूर्वी दिशा में कैस्टिलीना मार्ग के साथ-साथ होते हुए जाती है और तब यह उत्तर-पूर्वी दिशा में जनरल थिमैया मार्ग के साथ मुड़ जाती है और शोलापुर मार्ग को पार करती है भीर जनरल थिभैया मार्ग के साथ-साथ उसी दिशा में होते हुए एग्जिबिशन मार्ग तक जाती है, फिर सीमा पश्चिम की ओर मुड़ जाती है और एग्जिबिशन मार्ग के साथ-साथ होते हुए सैफी स्ट्रीट के साथ उसके संगम स्थल तक जाती है, फिर यह उत्तर की छोर मुड़ जाती है और सैफी स्ट्रीट के साथ-साथ जाती है भौर सच्चापीर स्ट्रीट से मिलती है, फिर यह पूर्व की क्योर मुड़ जाती है भ्रौर सच्चापीर स्ट्रीट के साथ-साथ होते हुए जनरल गिमैया मार्ग के साथ उसके संगम स्थल तक जाती है। तस्पश्चात् सीमा उत्तर की ग्रार मुद्र जाती है ग्रीर जनरल थिमैया मार्ग के साथ-साथ जाती है और मौलादीन मार्ग से मिलती है। फिर मोमा दक्षिण-पूर्वी दिशा में मुड़ जाती है और मौलादीना मार्ग के साथ-साथ होते हुए जाती है और डा० कोयाजी मार्ग से मिलती है। तत्पण्यात् सीमा उत्तर-पूर्वी दिशा की घोर जाती है घोर टा० कोयाजी मार्ग के साथ-साथ होते हुए जाती है और लैंफ्टिनेन्ट कर्नल तारापुर मार्ग से मिलती है। तत्पश्चात् सीमा उत्तर पश्चिम दिशा में मुड़ जाती है श्रौर लैफ्टिनेन्ट कर्नल तारापुर मार्ग के साथ-साथ होते हुए राजेन्द्र सिंह जी मार्ग के साथ उसके संगम स्थल तक जाती है। फिर सीमा उत्तर पूर्व की ग्रोर मुड़ जाती है ग्रीर राजेन्द्र भिह जी भागं के साथ-साथ होते हुए मानकजी मेहता मार्ग के साथ उसके संगम स्थल तक जाती हु। फिर सीमा पूर्व की भीर मुद्र जाती :

भीर मानक जी मेहता मार्ग के साथ-साथ होते हुए, बंगला संख्या 7, मानकजी मेहता मार्ग, प्रथति आरंभिक बिन्दु से मिलने के लिए काहुत मार्ग के साथ मानक जी मेहता मार्ग के संगम स्थल तक जाती है।

वार्ड संख्या 6:--सीमा गुध्दारा मार्ग श्रीर पाटिनसन मार्ग के संगम स्थल से प्रारम्भ होती है ग्रीर गुरुद्वारा मार्ग के साथ-साथ विक्षण-पूर्व दिशा भें होते हुए जाती है और बर्नेट मार्ग से मिलती है श्रीर तब यह उत्तर दिशा में मुड़ जाती है श्रीर बर्नेंट मार्ग के साथ-साथ होते हए जाती है और रास मार्ग से मिलती है। फिर सीमा दक्षण-पूर्व दिशा में मुड़ जाती है और रास मार्ग के साथ-स.थ जाती है और प्रिन्स आफ वेल्स ब्राइव से मिलती है। फिर सीमा उत्तर-पश्चिमी दिशा में मुड़ जाती है ग्रीर प्रिन्स फ्राफ वेल्स ड्राइव के साथ-साथ होते हुए विक्टोरिया मार्ग के साथ उसके संगम स्थल तक जाती है। तत्परचात सीमा पूर्व की भ्रोर मुड़ जाती है ग्रीर विक्टोरिया मार्ग के साथ-साथ होते हुए जाती है ग्रीर फिर उत्तर की ओर भुड़ जाती है श्रीर उसी मार्ग के साथ-साथ होते हुए पोप मार्ग के साथ उसके मंगम स्थल तक जाती है। फिर सीमा पूर्य की ग्रोर मुड़ जाती है और पोप मार्ग के साथ-साथ होते हुए जाती है भ्रीर उसी दिशा में होते हुए भैरवा नाले के पूर्वी किनारे पर छावनी सीमा तक जाती है। तुरारचात् सीमा दक्षिण-पश्विमी दिशा में मुड़ आती है भीर भैरवा नाला /छात्रनी सीमा के साथ-पाथ होते हुए सीमा स्तम्भ संख्या 54/11 तक जाती है। इसके बाद मीमा दक्षिण-पूर्व की ग्रीण जाती है स्रौर गोलापुर मार्गको पार करते हुए भ्रौर नाले के साथ-साथ होते हुए सीमा स्तम्भ संख्या 54/3 तक जाती है। फिर सीमा पश्चिम की फ्रोर मुद्र जाती है और छावनी सीमा के साथ-साथ होते हुए सीमा स्तम्भ संख्या 54/1 तक जाती है। इसके बाद यह दक्षिण-पश्चिम दिशा में भैरवा नाले ग्रीर छावनी सीमा के साथ-याथ जाती है ग्रीर सीमा स्तम्भ संख्या 54 तक जाती है। इसके बाद सीमा छावनी सीमा के साथ-माथ होते हुए दक्षिण की और सीमा स्तम्भ संख्या 53 तक जाती है। फिर सीमा टेब्रे-मेड्रे रास्ते से छावनी मीमा के राध-माध होते हुए सीमा स्तम्य संख्या 52 से 57 तक होते हुए सीमा स्तम्भ संख्या 46 तक जाती है। इसके बाद सीमा पश्चिम की श्रीर मुद्द जाती है श्रीर छावनी सीमा के माथ-गाथ होते हुए मीमा स्तम्भ संख्या 15 से गुजरती हुई सीमा स्तम्भ संख्या 44 तक जाती है। नत्पश्चात् सीमा उत्तर की खोर मंड जाती है और छातनी सीमा के माथ-माथ होते हुए सीमा स्तम्भ संब्या 43 तक जाती है। तत्पश्वात, यह उत्तर-पश्चिम दिशा में गुड़ जाती है श्रौर । छावनी सीमा के गन्ध-साथ होते हुए जैलिस्बरी पार्क मार्ग तक जाती है। तलक्वात् यह उत्तर-पूर्व की भ्राट मुद्द जाती है भ्रीर सैलिस्बरी सार्ग के साथ आती है फ्रीर पार्वती विला मार्ग से मिलती है। तत्पण्वात् सीमा दक्षिण-पूर्व की और मुड जाती है धौर पार्यती विका मार्ग के साथ-साथ होते हुए कास भाग के साथ उसके संगम स्थल भक जाती है। तत्पचनात यह उत्तर-पूर्वी दिशा में मुड़ जाती है भ्रौर काम मार्ग के साथ-गाथ प्राती है भ्रौर नेप्पेयर मार्ग से मिलती है। तत्पण्चात् यह नेप्येयर मार्ग के साथ-साथ दक्षिण-पूर्वी दिशा में मुड़ जाती है श्रीर स्टेविली मार्ग को जोड़ने वाले मार्ग के साथ उसके संगम स्थल तक जाती है। फिर यह उत्तर-पूर्व दिशा में मुड़ जाती है और जोड़ने वाले मार्ग के साथ-साथ होते हुए जाती है और स्टेबिली मार्ग से मिलती है। तत्पण्यात् यह उत्तर-पश्चिम दिशा में मूड़ जाती है श्रीर स्टेविसी मार्ग के साथ-साथ होते हुए शोलापुर मार्ग, मैनोरी मार्ग, सतारा मार्ग क संगम स्थल को पार करती है और उसी मार्ग श्रर्थात् स्टेबिली मार्ग के साथ-साथ होती हुई जाती है ग्रीर एग्जि-बिशन मार्ग को पार करती है ग्रीर लायड मार्ग ते मिलती है। तत्पश्चात् यह पूर्व की छ। र लायड मार्ग के साथ-माथ मुड़ जाती है धौर पटिनयन मार्ग से मिलती है। फिर सीमा उतार-पूर्व की श्रीर मुड़ जाती है श्रीर पाटित्यन मार्ग के साथ-साथ जाती है और गरहारा मार्ग और पाठिनसन पाने के संगम स्थल अधीत् श्रारंभिक बिन्दु से भिल जाती है।

वार्ड संख्या 7:---इस बार्ड के चार भाग हैं।

भाग 1: सीमा स्तम्भ संख्या 9 से आरम्ब होतो है और उतर-

पूर्वी दिशा में छावनी सीमा के साथ-साथ जाती है ग्रीर सीमा स्तम्भ संख्या 8 भीर 7 से होते हुए 6 तक जाती है भीर सत्परचात यह दक्षिण की भोर छाबनी सीमा के साथ होते हुए। सीमा। स्तम्भ 5 तक जाती। है। फिर यह दक्षिण-पूर्व की ग्रोर मुड़ जाती है ग्रीर छायनी सीमा के साथ-साथ होते हुए सीमा स्तम्भ संख्या 4 से होते हुए सीमा स्तम्भ संख्या 3 तक जाती है। तत्पश्चात् यह उत्तर-पूर्वी दिशा में मुद्र जाती है भ्रीर घोरपुरी ग्राम मार्ग के साथ-साथ होते हुए भैरवा नाला के पुल तक जाती है। फिर यह दक्षिण की ग्रोर मुड़ जाती है ब्रीर भैरबा नाले के साथ-साथ होते हुए सीमा स्तम्भ संख्या 2 तक जाती है। कलाज्यात यह दक्षिण-पूर्व की घ्रोर मुड़ जाती है ग्रीर छावनी सीमा के साथ-साथ होते हुए जाती है भौर भैरवा नाले को पार करती है और सीमा स्तम्भ संख्या 1 से मिलती है। तत्पश्चात् यह पक्षिण-पश्चिमी दिशा में मुख जाती है और छावनी सीमा के साथ-साथ होने हुए भैरवा नाले के पूर्वी किनारे से होते हुए जाती है भीर पूर्व की स्रोर मुड़ जाती है। श्रीर पोप मार्ग से *मिलती* है। तत्प**ण्यात् यह पश्चिम की भ्रोर पोप मार्ग** के साथ-साथ मुड़ जाती है और विक्टोरिया मार्ग से मिलती है। फिर यह बक्षिण की भ्रोर मुड़ जानी है भ्रौर विक्टोरिया मार्ग के साथ-साथ जाती है भ्रौर फिर पश्चिम की ग्रोर मुड़ जाती है श्रीर उसी मार्ग के साथ-साथ होते हार जाती है और प्रिन्स प्राफ बेल्स ड्राइव से मिलती है। तत्पश्चातु सीभा दक्षिण-पूर्वी दिशा में मुड़ जाती है और प्रित्म प्राफ बेल्स द्राइव के साथ-साथ होते हुए कास मार्ग के साथ उसके संगम स्थम तक काती है। तत्पण्वात् यह उत्तर-पश्चिमी विशा में मुड़ जाती है ग्रौर रास मार्ग के साथ-माथ होते हुए जाती है और वर्नेट मार्ग से मिलती है। तत्प्रचात यह दक्षिण-पश्चिमी दिशा में मुष्ट जाती है घीर बनेंट मार्ग के साध-साथ होती हुई गुरुद्वारा मार्ग के साथ उसके संगम स्थल तक जाती है। त∈ाःचात यह उत्तर-पश्चिमी दिशा में मुद्र जाती है श्रीर गरुदारा नार्ग के साथ होते हुए उसके संगम स्थल तक जाती है। तत्पश्चात् यह उत्तर-पश्चिमी दिशा में मुड़ जाती है और गुरुद्वारा मार्ग के साथ होते हुए पाटिनसन मार्ग को पार करती है और काहुन मार्ग के साथ उसके संगम स्थल तक जाती है। फिर यह उत्तर की श्रोर मुड़ जाती है श्रौर काहन सार्ग के साथ-साथ होते हुए लैपिटनेन्ट कर्नल तारापुर मार्ग को पार करती हैं भौर उत्तर-पूर्व की ओर मुड़ आती है भौर उसी मार्ग के साथ-साथ होते हुए परेड ग्राउन्ड को पार फरती है भीर मानकजी मेहना मार्थ से मिलती है। तत्पम्चात् यह पूर्व को श्रोर मुड़ जाती है श्रौर मानकजी मेहता मार्ग के साथ-साथ होते हुए रिचर्डसन मार्ग के साथ-साथ उसके संगम स्थल तक जाती है। तम यह उत्तर-पश्चिम की फ्रोर मुद्र जाती है और रिचर्डसन मार्ग के साथ-ताथ होते हुए एण्डरसन नार्ग के साथ उसके संगम स्थल तक जाती है। तत्पभ्वात् यह पश्चिम की स्रोर मुड् जाती है श्रौर एण्डरसन मार्ग के साथ-साथ होते हुए जाती है ग्रौर छावनी सीमा से निलती है। तत्यश्चात् यह उत्तर की बोर मुद्र जलो है और छायनी सीमा के साथ-साथ होते हुए सीमा स्तम्भ संख्या 9 ग्रर्थात् श्रारम्भिक बिन्द्र तक जाती है।

भाग 2:—ईलियट लाइनस की सीमा:—सीमा भैरवा नाल में पूर्वी किनारे पर स्थित ईलियट लाईन्स की सीमा स्तम्भ संख्या 2 से आरम्भ होती है और उत्तर की ओर नाले के साथ-साथ होते हुए सीमा के साथ-साथ होते हुए सीमा स्तम्भ संख्या 1 तक जाती है और फिर भैरवा नाले के साथ-साथ होते हुए सीमा स्तम्भ संख्या 12 तक जाती है। फिर यह पूर्व की ओर मुड जाती है और सीमा स्तम्भ संख्या 11 तक जाती है। तत्पण्वात् यह दक्षिण की ओर छावनी सीमा के साथ-साथ मुड कर सीमा स्तम्भ संख्या 10 तक जाती है। तत्पण्वात् यह पूर्व की ओर मुड जाती है और छावनी सीमा के साथ-साथ होते हुए सीमा स्तम्भ संख्या 9 तक जाती है। तत्पण्वात् यह पूर्व की ओर मुड जाती है। तत्पण्वात् यह पूर्व की और मुड जाती है। तत्पण्वात् यह पूर्व की और मुड जाती है। तत्पण्यात् होते हुए सीमा स्तम्भ संख्या 4 तक जाती है। इसके बाद यह पण्डिम की ओर मुड जाती है और छावनी सीमा के साथ-साथ होते हुए आरम्भिक ब्रिन्दुं से मिलने के लिए सीमा स्तम्भ वे थाय-साथ होते हुए आरम्भिक ब्रिन्दुं से मिलने के लिए सीमा स्तम्भ वे थाय-साथ होते हुए आरम्भिक ब्रिन्दुं से मिलने के लिए सीमा स्तम्भ वे थाय-साथ होते हुए आरम्भिक ब्रिन्दुं से मिलने के लिए सीमा स्तम्भ वे थाय-साथ होते हुए आरम्भिक ब्रिन्दुं से मिलने के लिए सीमा

भाग 3. मूसलमानों का कथिस्तान: सीमा स्तम्भ संख्या 1 से 5 न्नारा घिरे हुए इण्डियन कैवेलरी लाइन्स के उत्तर में स्थित समस्त खाली भूमि।

भाग 4. इंप्डियन फॅबलरी परेड ग्राउण्ड:--सीमा स्तम्भ संख्या 1 से 4 द्वारा घिरा या समस्त क्षेत्र जो सर्वेक्षण संख्या 835 में भाता है ग्रीर ईलियट लाइन्स के दक्षिण की ग्रीर स्थित है।

[फाईल सं० 29/9/सी०/एल० एण्ड सी०/76/1959/सी०/डी० (क्यू एण्ड सी०)]

एन० बी० स्थामीनाथन, भ्रथर सचिव

New Delhi, the 16th July, 1976

S.R.O. 187.—The following draft of certain rules to amend the Poona Cantonment (Division into wards) Rules, 1970 which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by clauses (a) and (b) of Section 31 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), is hereby published, as required by the said Section for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of a period of sixty days from the date of publication of this notification in the offiial Gazette.

Any objections or suggestions which may be received from any person through the General Officer Commanding-in-Chief, Southern Command with respect to said draft before the said period will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

- 1. These rules may be called the Poona Cantonment (Division into Wards) Amendment Rules, 1976.
- 2. In the Poona Cantonment (Division into Wards) Rules, 1970 for the schedule, the following Schedule shall be substituted, namely:—

THE SCHEULE [See rule 3)

Boundaries of Wards

Ward No. I.—The boundary starts from Cantonment Boundary Pillar No. X situated on the junction of Bund Garden Road and Maneckji Mehta Road and runs along Northerly direction along the Cantonment Boundary upto Anderson Road. Then it turns towards Easterly direction along Anderson Road upto its junction with Richardson Road. Then it turns towards South-Easterly direction and runs along Richardson Road upto its junction with Maneckji Mehta Road. Then it turns towards Westerly direction and runs along Maneckji Mehta Road upto the junction of Maneckji Mehta Road and Rajendrasinhji Road. Then it turns towards South—Westerly direction and runs along Rajendrasinghji Road upto its junction with Lt. Col. Tarapare Road. Then it turns towards South-Easterly direction and runs along Lt. Col. Tarapore Road upto its junction with Dr. Coyaji Road. Then it turns towards South-Westerly direction and runs along Dr. Coyaji Road upto its junction with Moledina Road. Then it turns towards Westerly direction and runs along Moledina Road upto its junction with General Thimayya Road. Then it turns in Southerly direction and runs along General Thimayya Road upto its junction with Sachapir Street. Then the boundary turns towards Westerly direction and runs along Sachapir Street intersecting Mahatma Gandhi Road and runs in North-Westerly direction along Sachapir Street upto its junction with Dastur Meher Road (Sarbatwalla Chowk) and then it turns towards Northerly direction and runs along Dastur Meher Road upto its junction with Sachapir Street upto its junction with Synagogue Street upto its junction with Synagogue Street. Then the boundary turns towards North-Westerly direction and runs along Dastur Meher Road upto its junction with Synagogue Street upto its junction with Soundary

Pillar No. XXVII. Then the boundary runs along the Cantonment Boundary passing through Boundary Pillar Nos. XXVI to XI and meets the Boundary Pillar No. X i.e. the starting point.

Ward No. H.—The boundary starts from the junction of Synagogue Street and Dadabhai Boottee Street from House No. 891 Dadabhai Boottee Street and runs in Easterly direction along Dadabhai Boottee Street upto its junction with Dastur Meher Road. Then it turns towards Southerly direction and runs along Dastur Meher Road upto its junction with Sachapir Street (Sarbatwalla Chowk) and turns in South-Easterly direction and runs along Sachapir Street upto its junction with Mahatma Gandhi Road. Then it turns towards Southerly direction and runs along Mahatma Gandri Roud upto its junction with Kolsa Galli. Then it turns towards Westerly direction and runs along Kolsa Galli and meets Sardar Vallabhbhai Patel Street. Then the boundary turns towards Southerly direction and runs along Sardar Vallabhbhai Patel Street upto its junction with R. S. Kedati Road, Then the boundary turns towards Westerly direction and runs along R. S. Kedari Road and meets Sk. Jan Mohomed Street, Then it turns towards Northerly direction and turns along Sk, Jan Mohomed Street upto its junction with Convent Street. Then the boundary turns towards North-Westerly direction and runs along Convent Street and meets St. Vincent Street. Then the boundary turns towards North-Easterly direction and runs along St. Vincent's Street upto its junction with Sachapir Street. Then the boundary turns towards Easterly direction and runs along Sachapir Street upto its junction with Synagogue Street. Then the boundary turns towards North-Westerly direction and runs along Synagogue Street and meets the starting point on Dadabhai Boottee Street.

Ward No. III.—The boundary starts from the junction of Sachapir Street and Mahatma Gandhi Road from House No. 36 Mahatma Gandhi Road and runs in Easterly Direction along Sachapir Street upto its junction with Saifce Street. Then the boundary turns towards Southerly direction and runs along Saifee Street upto its junction with Exhibition Road. Then the Boundary turns towards Westerly direction along Exhibition Road and meets Mahatma Gandhi Road. Then the Boundary turns towards Southerly direction and runs along Mahatma Gandhi Road upto its junction with Sk. Jan Mohomed Street and then the boundary turns towards North-Westerly directions and runs along Sk. Jan Mohomed Street upto its junction with R. S. Kedari Road. Then the Boundary turns in Easterly direction and runs along R. S. Kedari Road upto its junction with Sardar Vallabhbha Patel Street and then it turns in Northerly direction and runs along Sardar Vallabhbhai Patel Street and meets Kolsa Galli. Then the boundary turns towards Easterly direction and runs along Kolsa Galli and meets Mahatma Gandhi Road. Then the Boundary turns in Northerly direction and runs along Mahatma Gandhi Road upto the starting point on Mahatma Gandhi Road at House No. 36.

Ward No. IV.—The boundary starts from Cantonment Boundary Pillar No. XXVIII situated on Manik Nalla and runs along Cantonment Boundary in Northerly direction upto Sachapir Street. Then it turns in Easterly direction and runs along Sachapir Street upto its junction with St. Vincent's Street. Then the boundary turns towards South-Westerly direction and runs along St. Vincent Street upto its junction with Convent Street. Then it turns in South-Easterly direction and runs along Convent Street and meets Sk. Jan Mohomed Street. Then the boundary turns in South- Easterly direction and runs along Sk. Jan Mohomed Street and meets Mahatma Gandhi Road. Then the boundary turns in Northerly direction and runs along Mahatma Gandhi Road upto its junction with Exhibition Road. Then the boundary turns in Easterly direction and runs along Exhibition Road upto its junction with General Thimayya Road. Then the boundary turns in Southerly direction and runs along General Thimayya Road crosses Satara Road and runs in the same direction along Castellino Road crosses Satara Road and runs in the same direction along Parvati Villa Road upto its junction with Salisbury Park Road. Then the boundary turns in South-Westerly direction and runs along Salisbury Park Road and meets Cantonment Boundary and then turns in North-Westerly direction and runs along Cantonmet boundary upto Can-

tonment Boundary Pillar No. XLII. Then the boundary runs along Cantonment Boundary passing through Boundary Pillar Nos. XLI, XL, XXXIX, XXXVIII, XXXVII, XXXVII, XXXVII, XXXVII, XXXVII, XXXII, XXXII, XXXI, XXX, and XXIX, to meet starting point i.e. Boundary Pillar No. XXVIII.

Ward No. V The boundary starts from the junction of Kahun Road and Maneckji Mehta Road from Bungalow No. 7 Maneckji Mehta Road and runs in South-Westerly direction along Kahun Road crosses Lt. Cil. Tarapore Road and runs along the Kahun Road in Southerly direction upto its junction with Gurudwara Road and then the boundary turns in South-Easterly direction and runs along Gurudwara Road upto its junction with Pattinson Road and then turns in South-Westerly direction along Pattinson Road upto its junction with Lloyd Road. Then the Boundary turns in Westerly direction and runs along Lloyd Road upto its junction with Staveley Road. Then the boundary turns in Southerly direction along Staveley Road crosses Exhibition Road and then runs in South-Easterly direction along the same Road crosses its junction of Sholapur Road, Wanowrie Road, Satara Road and runs upto connecting Road to Napier Road and turns in South-Westerly direction and runs along connecting road and meets Napier Road. Then it turns in North-Westerly direction and runs along Napier Road upto its junction with Cross Road and then it runs in South-Westerly direction along Cross Road upto its junction with Parvati Villa Road. Then the boundary turns to North-Westerly direction and runs along Parvati Villa Road crosses Satara Road and then runs in North-Easterly direction along Castellino Road then it turns in North-Easterly direction along General Thimayya Road crosses Sholapur Road and runs in the same direction along General Thimayya Road upto its junction with Exhibition Road. Then the boundary turns in Westerly direction and runs along Exhibition Road upto its junction with Saifee Street. Then it turns in Northerly direction and runs along Saifee Street and meets Sachapir Street, Then it turns in Fasterly direction and runs along Sachapir Street upto its junction with General Thimayya Road. Then the boundary turns in Northerly direction and runs along General Thimayya Road and meets Moledina Road. Then the boundary turns in South-Easterly direction and runs along Moledina Road and meets Dr. Coyaji Road. Then the Boundary turns towards North-Easterly direction and runs along Dr. Coyaji Road and meets Lt. Col. Tarapore Road. Then the boundary turns in North-Westerly direction and runs along Lt. Col. Tarapore Road upto its junction with Rajendra Sinhji Road. Then the boundary turns in North-Easterly direction and runs along Rajendra Sinhji Road upto its junction with Maneckji Mehta Road. Then the boundary turns in Easterly direction and runs along Maneckje Mehta Road upto its junction with Kahun Road to meet the starting point at Bungalow No. 7 Maneckii Mehta Road.

Ward No. VI.—The boundary starts from the junction of Gurudwara Road and Pattinson Road and runs in South-Easterly direction along Gurudwara Road and meets Burnett Road and then turns in North-Easterly direction and runs along Burnett Road and meets Ross Road. Then the Boundary turns in South-Easterly direction and runs along Ross Road and meets Prince of Wales Dive. Then the Boundary turns in North-Westerly direction and runs along Prince of Wales Drive upto its junction with Victoria Road. Then the boundary turns in Easterly direction and runs along Victoria Road and then turns in Northerly direction and runs along same road upto its junction with Pope Road. Then the boundary turns in Easterly direction and runs along pope Road and runs in the same direction upto Cantonment Boundary on the Eastern Bank of Bhairoba Nalla. Then the boundary turns in South Westerly direction and runs along Bhairoba Nalla Cantonment Boundary upto Boundary Pillar No. 54/11. The Boundary then runs in South-Easterly direction crosses Sholapur Road and runs along the Nullah upto Boundary Pillar No. 54/3. the boundary turns towards Westerly direction and runs along Cantonment Boundary upto Boundary Pillar No. 54/1. Then it turns in South-Westerly direction along Bhairoba Nalla and Cantonment Boundary upto Boundary Pillar No. LIV. Then the Boundary runs along Cantonment Boundary in Southerly direction upto Boundary Pillar No. LIV. Then the boundary runs in a zig zag way along Cantonment Boundary passing through Boundary Pillars Nos. LII to XLVII upto Pillar No. XI.VI.

Then the boundary turns towards Westerly direction and runs along Cantonment Boundary passing through Boundary Pillar No. XLV upto Boundary Pillar No. XLIV. Then the Boundary turns towards Northerly direction Boundary runs along Cantonment upto Boundary Pillar No. XLIII, Then it turns in North-Westerly direction and runs along Cantonment Boundary upto Salisbury Park Road. Then it turns in North-Fasterly direction and runs along Salisbury Park Road and meets Parvati Villa Road. Then the Boundary turns in Southerly direction and runs along Parvati Villa Road upto its junction with Cross Road. Then it turns in North-Easterly direction and runs along Cross Road and meets Napier Road. Then it turns in South-Easterly direction along Napier Road upto its junction with connecting Road to Staveley Road. Then it turns in North' Easterly direction and runs along connecting Road and meets Staveley Road. Then it turns in North-Westerly direction and runs along Staveley Crosses the junction of Sholapur Road, Wanowrie Road, Satara Road and runs along the same Road i.e. Staveley Road and crosses Exhibition Road and meets Lloyd Road. Then it turns in Easterly direction along Lloyd Road and meets Pattinson Road. Then the Boundary turns in North-Easterly direction and runs along Pattinson Road and meets the junction of Gurudwara Road and Pattinson Road i.e. starting point.

Ward No. VII.—This Ward consists of four parts.

PART I

The boundary starts from Boundary Pillar No. IX and runs in North-Easterly direction along Cantonment Boundary and passes through Boundary Pillar Nos. VIII, VII upto VI and then turns in Southerly direction along Cantonment Boundary upto Boundary Pillar No. V. Then it turns in South-Easterly direction and runs along Cantonment Boundary passes through Boundary Pillar No. IV upto Boundary Pillar No. III. Then it turns towards North-Easterly direction and runs along Ghorpuri Village Road upto the Bridge on Bhairoba Nalla. Then the boundary turns towards Southerly direction and runs along Bhairoba Nalla upto Boundary Pillar No. II. Then it turns towards South-Easterly direction and runs along Cantonment Boundary and crosses Bhairoba Nalla and meets Boundary Pillar No. 1. Then it turns to South-Westerly direction and runs along Eastern Bank of Bhairoba Nalla along Cantonment Boundaty and turns towards easterly direction and runs to meet Pope Road. It then runs in the Westerly direction along Pope Road and meets Victoria Road. Then it turns in Southerly direction and runs along Victoria Road and again turns in Westerly direction and runs along same road and meets Prince of Wales Drive. Then the boundary turns in South-Easterly direction and runs along Prince of Wales Drive upto its junction with Ross Road. Then it turns in North-Westerly direction and runs along Ross Road and meets Burnett Road. Then it turns in South-Westerly direction and runs along Burnet Road upto its junction with Gurudwara Road. Then it turns in North-Westerly direction and runs along Gurudwara Road crosses Pattinson Road and runs upto its junction with Kahun Road. Then it turns in Northerly direction and runs along Kahun Road crosses Lt. Col. Tarapore Road and turns towards North-Easterly direction and runs along same Road crosses Parade Ground Road and meets Maneckji Mehta Road. Then it turns to-wards Easterly direction and runs along Maneckji Mebta Road upto its junction with Richardson Road. Then it turns in North-Westerly direction and runs along Richardson Road upto its junction with Anderson Road. Then it turns in Westerly direction and runs along Anderson Road and meets Cantonment Boundary. Then it turns towards Northerly direction and runs along Cantonment Boundary upto Boundary Pillar No. IX i.e. the starting point.

PART II

Boundaries of Elliot Lines.—The boundary starts from Boundary Pillar No. II of Elliot Lines situated on the Eastern Bank of Bhairoba Nalla and runs in Northerly direction along Nalla upto Boundary Pillar No. 1 and then it runs along Bhairoba Nalla upto Boundary Pillar No. XII. Then it turns towards Easterly direction upto Boundary Pillar No. XI. Then it turns towards Southerly direction along Cantonment Boundary upto Boundary Pillar No. X. Then it turns in Easterly direction and runs along Cantonment

Boundary upto Boundary Pillar No. IX. Then it turns towards Southerly direction and runs along Cantonment Boundary upto Boundary Pillar No. IV. Then it turns turn towards Westerly direction and runs along Cantonment Boundary upto Boundary Pillar No. II to meet the starting point,

PART III

Boundaries of Mahomedan Burial Ground.—Entire vacant land situated to the North of Indian Cavalry lines bounded by Boundary Pillars Nos. 1 to 5.

PART IV

Boundaries of Indian Cavalry Parade Ground.—Entire area bounded by Boundary Pillar Nos. 1 to 4 comprising Survey No. 835 situated on Southern side of Elliot Lines."

[F. No. 29/9/C/L&C/76/1959-C/D(Q&C)]

N. V. SWAMINATHAN, Under Secy.

:	:			
,				